{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरूवार 30 जुलाई 2026
श्रावण कृष्ण 01 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 306
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	77,654.60
निफ्टी	-	24,250.20
सोना	-	151756
चांदी	-	235000
डॉलर	-	95.80

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

किसान आंदोलन हुआ उग्र...पुलिस की चार स्तरीय बैरिकेडिंग तोड़ आंदोलनकारी पहुंचे रोशनपुरा..

मंत्रियों और किसान प्रतिनिधि मंडल की बैठक बेनतीजा, किसान बोले- भीख नहीं, अपना अधिकार मांग रहे

भोपाल। मूंग खरीदी, ई-टोकन व्यवस्था समाप्त करने और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित तीन प्रमुख मांगों को लेकर राजधानी भोपाल में किसानों का आंदोलन तीसरे दिन और अधिक उग्र हो गया। मुख्यमंत्री निवास की ओर कूच कर रहे प्रदर्शनकारी किसानों ने पुलिस की चार स्तरीय बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की और रास्ते में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आवास का घेराव किया। उसके बाद किसान रोशनपुरा पहुंचे और वहां डेरा डाल दिया है। इस बीच राजधानी में तीन दिनों से जारी किसान आंदोलन आखिरकार बुधवार को बातचीत के दौर तक पहुंच गया। संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा आंदोलनकारी किसानों को लेकर मंत्रालय पहुंचे, जहां समाधान निकालने के लिए, मंत्रालय में 3 मंत्रियों और सीनियर अधिकारियों के साथ किसानों के 15 प्रतिनिधियों की बैठक हो रही है। 2 घंटे की बैठक बेनतीजा रही। आंदोलन में शामिल किसानों का कहना है कि सरकार ने किसानों से किए गए वादे पूरे नहीं किए हैं। प्रदर्शन में शामिल कुछ भाजपा समर्थक किसानों ने भी सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि वे भीख नहीं, अपना अधिकार मांग रहे हैं। उधर शहर में रहवासियों की दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित हुई है और सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं। किसान नेताओं ने साफ कर दिया है कि जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा। सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के लिए पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने खुद मोर्चा संभाला है। भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। बुधवार शाम 4 बजे किसानों ने बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने का प्रयास किया, जिन्हें पुलिस ने रोक दिया। मुख्यमंत्री आवास जाने वाला मार्ग डंपरों से बंद कर दिया गया है। लोग रोशनपुरा पर धरने पर बैठ गए, जबकि कुछ किसानों ने नर्मदापुरम रोड स्थित आरआरएल तिराहे के सामने से हटने से इनकार कर दिया और वहां भी डटे रहे।

हाईवे पर दिनभर लगा जाम, डायवर्ट हुए वाहन

नर्मदापुरम-भोपाल हाईवे पर धरना और बैरिकेडिंग के कारण यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। मुख्य मार्ग बंद होने से सारा दबाव भीतरी रास्तों पर आ गया है मिसरोद और होशंगाबाद रोड की कॉलोनियों में वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। हालात इतने बिगड़ गए कि गंभीर मरीजों को ले जा रही एम्बुलेंस को भी मुख्य मार्ग से नहीं जाने दिया गया, जिससे उन्हें संकरे और लंबे रास्तों से गुजरना पड़ा। इस अव्यवस्था को लेकर स्थानीय लोगों में भारी गुस्सा देखा गया और दिनभर वाहन डायवर्ट रास्तों से निकलते रहे।

मप्र सरकार का बड़ा फैसला

किसानों की मांग और व्यावहारिक परेशानियों को देखते हुए सरकार ने किसान प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद ग्रीष्मकालीन मूंग की खरीदी को लेकर बड़ा निर्णय लिया है। अब पात्र किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 25 के स्थान पर 60 प्रतिशत मूंग खरीदी जाएगी। उपार्जन के लिए स्लाट बुकिंग 30 जुलाई के स्थान पर दस दिन बढ़ाकर 10 अगस्त, खरीदी की अंतिम तिथि 10 से बढ़ाकर 20 अगस्त तक करने का निर्णय लिया है। खाद वितरण की ई-टोकन व्यवस्था को फिलहाल स्थगित किया गया है। पूरी व्यवस्था की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित की गई है। बैठक में सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग और ओबीसी कल्याण मंत्री कृष्णा गौर सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

- प्रत्येक पात्र किस से उसकी मूंग उपज का 25 नहीं 60 प्रतिशत उपार्जन किया जाएगा।
- यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू किया जाएगा।
- किसानों ने की सुविधा को देखते हुए स्लॉट बुकिंग की अवधि भी 10 दिन बढ़ने का निर्णय किया है।
- अब 30 जुलाई के स्थान पर 10 अगस्त तक स्लॉट बुक किया जा सकेंगे।
- उपार्जन की अंतिम तिथि को 10 अगस्त से बढ़कर 20 अगस्त किया जा रहा है।
- खाद वितरण के लिए लागू की गई ई टोकन व्यवस्था नई है, इसलिए जो समस्याएं आ रही हैं, उसे देखते हुए मुख्यमंत्री ने कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया है, जो सरकार को अपनी अनुशंसा देगी, जिसके आधार पर सुधार किए जाएंगे।
- सुझाव प्राप्त होने तक ई टोकन से खाद वितरण की व्यवस्था को स्थगित किया जाता है।

व्यापार पर रहा असर, शराब दुकान से व्यापारी रहे परेशान

आंदोलन का असर व्यापार पर भी दिखा। पास की शराब दुकान की बिक्री में भारी गिरावट आई। दुकान मैनेजर के अनुसार रोज साढ़े छह से सात लाख रुपये की बिक्री होती थी। मंगलवार को सिर्फ अस्सी हजार रुपये की बिक्री हुई। बुधवार को बिक्री लगभग शून्य रही। इसी तरह से अन्य कारोबारियों को ऐसा हाल रहा, नास्ते की दुकान जरूर चलती नजर आई।

लोग रहे घरों में कैद

सुरेंद्र विलास कॉलोनी के निवासी बालकृष्ण मिश्रा ने बताया कि चौबीस घंटे से लोग घर में कैद हैं। गेहूं पिसवाने और दूध लेने जैसे रोजमर्रा के काम भी नहीं हो पा रहे। उनका बेटा रात की ड्यूटी से अब तक घर नहीं लौटा है। रहवासी आशीष शुक्ला ने कहा कि बीमार लोग डॉक्टर तक नहीं पहुंच पा रहे। मेडिकल स्टोर कर्मी जगतराम ने भी आवाजाही में परेशानी बताई। किसान रमन वर्मा ने कहा कि वे अपने भाई के साथ आंदोलन में समर्थन देने आए हैं। जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, वे वापस नहीं जाएंगे।

खास खबर

इंडिगो विमान 44 मिनट तक हवा में मंडराता रहा

जयपुर। हैदराबाद से जयपुर आ रही इंडिगो की एक उड़ान को बुधवार को खराब मौसम के कारण करीब 44 मिनट तक जयपुर के आसमान में चक्कर लगाने पड़े। तेज बारिश और तेज हवाओं के कारण विमान रनवे के करीब पहुंचने के बावजूद सुरक्षित लैंडिंग नहीं कर सका। पायलट ने सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए गो-अराउंड प्रक्रिया अपनाई और विमान को दोबारा ऊंचाई पर ले गए। बाद में मौसम में सुधार होने पर विमान को सुरक्षित उतार लिया गया। विमान में लगभग 120 यात्री सवार थे। इंडिगो की फ्लाइट 6ई-913 दोपहर करीब 1ः45 बजे जयपुर एयरपोर्ट पर उतरने वाली थी। पायलट ने निर्धारित समय पर लैंडिंग की प्रक्रिया शुरू की, लेकिन एयरपोर्ट के आसपास अचानक मौसम खराब हो गया। तेज बारिश और तेज क्रॉस विंड के कारण लैंडिंग के लिए अनुकूल परिस्थितियां नहीं बनने पर विमान को दोबारा उड़ान भरनी पड़ी। एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) के निर्देश पर विमान को जयपुर के आसपास होल्डिंग पैटर्न में रखा गया, जहां वह लगभग 44 मिनट तक चक्कर लगाता रहा।

2.20 करोड़ का इनामी नक्सली दो सहयोगियों के साथ गिरफ्तार

रांची। नक्सल विरोधी अभियानों में सुरक्षा बलों को एक ही दिन में दो बड़ी और ऐतिहासिक सफलताएं हासिल हुई हैं। भाकपा माओवादी के पोलित ब्यूरो सदस्य और 2.20 करोड़ रुपये के इनामी शीर्ष नक्सली मिसिर बेसरा को सुरक्षा बलों ने दो सहयोगियों के साथ गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा, सारंडा क्षेत्र में सक्रिय 24 नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। मिसिर बेसरा की गिरफ्तारी धनबाद और गिरिडीह सीमा पर स्थित मनियाडीह इलाके से एक वाहन में चेकिंग के दौरान हुई, जब वह अपने सहयोगियों के साथ गिरिडीह की ओर जा रहा था।

मीनाक्षी मंदिर की 60 करोड़ की जमीन पर धोखाधड़ी : सीसीबी ने दर्ज की एफआईआर

मदुरै। अरुलमिगु मीनाक्षी सुंदरेश्वर मंदिर ट्रस्ट से जुड़ी करीब 60 करोड़ रुपये की 1.79 एकड़ जमीन पर कथित फर्जीवाड़े के मामले में सिटी सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) ने एफआईआर दर्ज की है। यह मामला जमीन के गैर-कानूनी रजिस्ट्रेशन, ट्रांसफर और गिरवी रखने से जुड़ा है। मंदिर के संयुक्त आयुक्त सेल्लाथुरई और अराप्पेर इयक्कम ने शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, 1930 में पंजीकृत एक वसीयत में स्पष्ट कहा गया था कि सैदापेट में अशोक विलास बंगला और उसका बगीचा मंदिर और अलागार मंदिर की सेवा के लिए बनाए गए चैरिटेबल ट्रस्ट की संपत्ति है।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के खिलाफ जमानती वारंट जारी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ पंजाब के संगरूर की एक अदालत ने जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। अदालत ने उन्हें 19 सितंबर 2026 तक व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया है। यह वारंट 15,000 रुपये का जमानती वारंट है। यदि निर्धारित तिथि तक वे अदालत में उपस्थित नहीं होते हैं, तो उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया जा सकता है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र में बजरंग दल की तुलना राष्ट्र-विरोधी और प्रतिबंधित संगठनों से की गई थी, जिससे संगठन की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। शिकायतकर्ता ने इस मामले में 100 करोड़ रुपये के मानहानि दावे का भी उल्लेख किया है।

फिलहाल मामला न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है और अगली सुनवाई में अदालत खरगे की उपस्थिति तथा मामले की प्रगति के आधार पर आगे का निर्णय लेगी। यह मामला वर्ष 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान दिए गए एक बयान से जुड़ा है। चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस के घोषणापत्र में बजरंग दल की तुलना प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से किए जाने को लेकर विवाद खड़ा हुआ था।

शिकायत के अनुसार, उस समय कहा गया था कि यदि कांग्रेस सत्ता में आती है तो बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने पर विचार किया जाएगा। इसी बयान को लेकर बजरंग दल की ओर से अदालत में शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस टिप्पणी से संगठन की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची और उसकी छवि धूमिल हुई। इसी आधार पर मानहानि का मुकदमा दायर किया गया, जिसकी सुनवाई संगरूर की अदालत में जारी है। अदालत ने इससे पहले मल्लिकार्जुन खरगे को नोटिस जारी कर पेश होने के लिए कहा था। नोटिस के बावजूद अदालत में उपस्थिति नहीं होने पर अब जमानती वारंट जारी किया गया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथि तक पेश होकर उन्हें जमानत लेनी होगी, अन्यथा आगे की कानूनी कार्रवाई के तहत गैर-जमानती वारंट जारी किया जा सकता है।

महाराष्ट्र में स्कूलों के पास जंक फूड पर सख्ती, 50 मीटर दायरे में बिक्री और विज्ञापन पर रोक

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए बड़ा फैसला लिया है। राज्य के खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने आदेश जारी कर स्कूल परिसरों और उनके 50 मीटर के दायरे में चिप्स, चॉकलेट, कोल्ड ड्रिंक तथा अधिक वसा, चीनी और नमक वाले जंक फूड की बिक्री, प्रदर्शन और विज्ञापन पर रोक लगा दी है। यह आदेश सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों पर लागू होगा। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त तुकाराम मुंढे ने बताया कि यह कदम बच्चों में स्वस्थ खान-पान की आदतों को बढ़ावा देने और अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों की उपलब्धता कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है। आदेश के तहत स्कूलों की कैंटीन में अब फल, सब्जियां, साबुत अनाज, दालें और दुग्ध उत्पाद जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देनी होगी। नए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक स्कूल को एक नोडल अधिकारी नियुक्त करना होगा, जो खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन की निगरानी करेगा। स्कूलों में चेतावनी बोर्ड लगाना, स्वच्छता नियमों का पालन करना और खाद्य विक्रेताओं के लाइसेंस प्रदर्शित करना भी अनिवार्य होगा। इसके अलावा, वर्ष में कम से कम दो बार खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा स्कूलों का निरीक्षण किया जाएगा। तुकाराम मुंढे ने स्पष्ट किया कि यह नियम तत्काल प्रभाव से लागू होगा। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के नियम पहले से लागू हैं और अब उनका कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों और संबंधित खाद्य विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकती है।

अयोध्या : महाराष्ट्र के जगदीश आफले बने राम मंदिर ट्रस्ट के सचिव

आरएसएस से जुड़ाव और आईआईटी से बीटेक

अयोध्या। राम मंदिर में दान चोरी की घटना के बाद किए जा रहे व्यापक प्रशासनिक सुधारों की कड़ी में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने बड़ा कदम उठाया है। ट्रस्ट में मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के चयन से पहले ही नए सचिव पद का सृजन कर जगदीश आफले को पहला सचिव नियुक्त कर दिया है। इसके साथ ही एसबीआई के खातों के संचालन को लेकर बना गतिरोध भी पूरी तरह समाप्त हो गया है। जगदीश आफले को बैंक खातों का अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता बनाया गया है, जिसकी आधिकारिक घोषणा आगामी 2 सितंबर को होने वाली ट्रस्ट की बैठक में की जाएगी। महाराष्ट्र के पुणे निवासी जगदीश आफले बचपन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े रहे हैं। उन्होंने आईआईटी मुंबई से इलेक्ट्रिकल में बीटेक और एमटेक किया है। इसके बाद उन्होंने यूरोप और अमेरिका की कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों में लंबे समय तक अपनी सेवाएं दीं। विदेश से लौटने और राम मंदिर पर फैसला आने के बाद उन्होंने मंदिर निर्माण कार्य शुरू होते ही बिना किसी वेतन के प्रोजेक्ट मैनेजर के रूप में जिम्मेदारी संभाल ली थी। वह अपनी पत्नी के साथ तीर्थ क्षेत्र भवन में ही रह रहे हैं। तत्कालीन महासचिव और ट्रस्टी के इस्तीफे के बाद बैंक खातों के अधिकृत हस्ताक्षरकर्ताओं को लेकर वैधानिक अड़चन आ गई थी।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने रद्द किया दो नेताओं का तड़ीपार आदेश

पुलिस कार्रवाई को बताया गैर-कानूनी

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई पुलिस द्वारा सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के दो पदाधिकारियों को एक साल के लिए तड़ीपार (एक्सपेल) करने के आदेश को पूरी तरह से अवैध और कठोर करार देते हुए रद्द कर दिया है। मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाए और पूछा कि क्या याचिकाकर्ताओं के खिलाफ यह चुनिंदा कार्रवाई सिर्फ इसलिए की गई क्योंकि वे एक विशेष धर्म से ताल्लुक रखते हैं?

यह मामला फिरोज अब्दुल वहाब खान और मोहम्मद रफीक गुलाम रसूल अंसारी से जुड़ा है, जिन्हें दिसंबर 2025 में मुंबई पुलिस ने एक साल के लिए शहर से तड़ीपार करने का आदेश दिया था। इस आदेश के खिलाफ दोनों पदाधिकारियों ने हाईकोर्ट का रुख किया था। मामले की सुनवाई जस्टिस माधव जे. जामदार की सिंगल बेंच में हुई। सुनवाई के दौरान जस्टिस जामदार ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि दर्ज प्राथमिकियों में नारेबाजी के अलावा किसी व्यक्ति या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का कोई जिक्र नहीं है। अदालत ने ध्यान दिलाया कि जिस प्रदर्शन के आधार पर यह कार्रवाई की गई, उसमें अन्य राजनीतिक दलों और स्थानीय निवासियों ने भी भाग लिया था। केवल बिना अनुमति के आंदोलन करने के आधार पर किसी को तड़ीपार नहीं किया जा सकता और न ही इस तरह चुनिंदा तरीके से कार्रवाई की जा सकती है।

अदालत ने पुलिस से सीधा सवाल किया कि क्या अन्य राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं पर भी ऐसी कोई कार्रवाई की गई है या केवल एक ही धर्म के होने के कारण याचिकाकर्ताओं को निशाना बनाया गया? सुनवाई में पुलिस पक्ष ने तड़ीपार आदेश का बचाव करते हुए याचिकाकर्ताओं के प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया से कथित संबंधों की बात कही।

एयर इंडिया विमान हादसा : फ्यूल स्विच की जांच में नहीं मिली तकनीकी खराबी, थ्रस्ट कंट्रोल मॉड्यूल की जांच जारी

नई दिल्ली। एयर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान हादसे की जांच में बड़ा अपडेट सामने आया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने संसद में जानकारी दी कि विमान के फ्यूल कंट्रोल स्विच के लॉकिंग मैकेनिज्म की विस्तृत जांच में अब तक कोई तकनीकी खराबी नहीं मिली है। हालांकि, दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए विमान के थ्रस्ट कंट्रोल मॉड्यूल की विस्तृत जांच अभी भी जारी है। सरकार के अनुसार, यह जांच उस घटना के बाद शुरू की गई थी जब इसी वर्ष लंदन से बेंगलुरु आ रही एयर इंडिया की एक बोइंग 787 उड़ान के चालक दल ने फ्यूल कंट्रोल स्विच में संभावित गड़बड़ी की सूचना दी थी। इसके बाद विमान निर्माता बोइंग को स्विच की तकनीकी जांच करने के निर्देश दिए गए। जांच में स्विच सामान्य स्थिति में पाया गया और उसमें किसी प्रकार की यांत्रिक खराबी सामने नहीं आई। जांच एजेंसियां अब विमान के पूरे थ्रस्ट कंट्रोल मॉड्यूल और उससे जुड़े अन्य सिस्टम का विश्लेषण कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि अंतिम निष्कर्ष सभी तकनीकी पहलुओं की जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि किसी एक शुरुआती निष्कर्ष के आधार पर दुर्घटना के कारण तय करना उचित नहीं होगा। सरकार ने यह भी कहा कि विमान दुर्घटना की जांच पूरी तरह वैज्ञानिक और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप की जा रही है।

पंजाब में नया आतंकी मॉडल बेनकाब :

15 अगस्त से पहले आईईडी बम से हमले की साजिश

अमृतसर। स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले पंजाब पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के निशाने पर है। सुरक्षा एजेंसियों ने गंभीर साजिश का खुलासा किया है, जिसमें इस बार आतंक फैलाने के लिए महंगे विस्फोटकों के बजाय बेहद सस्ते और आसानी से तैयार होने वाले पेट्रोल बम को नया हथियार बनाया गया है। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, 15 अगस्त से पहले राज्य में कई हमलों की योजना बनाई गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य कानून-व्यवस्था को अस्थिर करना और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ना है।

इस खतरे की पुष्टि 25-26 जुलाई की रात संगरूर स्थित भाजपा जिला कार्यालय पर हुए पेट्रोल बम हमले से होती है। पुलिस ने हमले को पाकिस्तान में बैठे गैंगस्टर से आतंकवादी बने शहजाद भट्टी के निर्देश पर अंजाम दिया गया बताया है, इस आईएसआई का प्रमुख मोहरा माना जा रहा है।

खुफिया एजेंसियों का कहना है कि बीते दिनों अपनी रणनीति में बदलाव कर आईएसआई अब केवल आरडीएक्स आधारित टिफिन बम या आधुनिक हथियारों तक सीमित नहीं है। उसकी नई नीति रिमोट कंट्रोल से संचालित आईईडी, पेट्रोल बम और छोटे हथियारों के मिश्रण के जरिए कम लागत में अधिक दहशत फैलाना है। इस अभियान में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों के साथ-साथ जर्मनी, कनाडा, अमेरिका जैसे कई पश्चिमी देशों में सक्रिय खालिस्तान समर्थक नेटवर्क और अंतरराष्ट्रीय अपराध गिरोह भी शामिल हैं। आईएसआई अपनी भूमिका छिपाने के लिए अपने ऑपरेटिव्स को फर्जी खालिस्तान समर्थक संगठनों के नाम पर इस्तेमाल कर रही है। आतंकियों के निशाने अब पहले से कहीं ज्यादा व्यापक हो गए हैं। पुलिस, केंद्रीय सुरक्षा बलों और रक्षा प्रतिष्ठानों के अलावा अब आतंकवाद विरोधी अभियानों से जुड़े वर्तमान और सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी, दक्षिणपंथी राजनीतिक दलों के कार्यालय व नेता, रेलवे नेटवर्क, अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थान भी उनकी सूची में हैं।

हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों की लगातार कार्रवाई ने आईएसआई की कई योजनाओं पर पानी फेर दिया है। इस वर्ष 27 जुलाई तक पंजाब पुलिस ने खुफिया सूचनाओं के आधार पर 10 आतंकी मॉड्यूल ध्वस्त किए हैं और 137 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान बड़ी मात्रा में ऑटोमैटिक राइफलें, पिस्तौल, आरडीएक्स आधारित आईईडी, हैंड ग्रेनेड और एक आरपीजी लांचर बरामद किए गए हैं। इसके अलावा, सीमा पार से भेज 183 ड्रोन भी जब्त किए गए हैं। हाल ही में, 26 जुलाई को जालंधर से 1.3 किलोग्राम उच्च क्षमता वाले आईईडी के साथ एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया, और इससे पहले जुलाई में फिरोजपुर-जम्मू ट्रेन को निशाना बनाने की एक बड़ी साजिश को भी विफल किया था।

पूरी साजिश के केंद्र में पाकिस्तान में बैठा आतंकी भट्टी है, जो आईएसआई का भरोसेमंद मोहरा है।

सुप्रीम कोर्ट से पूर्व पीएम मनमोहन कोयला आवंटन केस में बरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. मनमोहन सिंह को कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में औपचारिक रूप से बरी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने 2015 के उस ट्रायल कोर्ट के आदेश को रद्द किया, जिसमें उन्हें एक आरोपी के तौर पर तलब किया था, जबकि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दो बार क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर उन पर मुकदमा चलाने का कोई ठोस कारण नहीं बताया था। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की बेंच का आदेश पूर्व पीएम सिंह को मरणोपरांत कानूनी रूप से सही ठहराता है। दिसंबर 2024 में उनके निधन के बावजूद, समन जारी करने के आदेश के खिलाफ उनकी अपील एक दशक से अधिक समय से सुप्रीम कोर्ट में लंबित थी।

सुप्रीम कोर्ट बेंच ने माना कि हालांकि सिंह के निधन के कारण अपील तकनीकी रूप से बेअसर हुई थी, फिर भी ट्रायल कोर्ट के फैसले की कानूनी वैधता की जांच करना जरूरी था। विशेषकर इसलिए क्योंकि जांच एजेंसी के दो बार यह निष्कर्ष निकालने के बावजूद कि उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला नहीं बनता है, पूर्व

प्रधानमंत्री को समन जारी किया गया था। पीठ ने कहा कि जांच एजेंसी की रिपोर्ट स्वीकार करने के मामलों में लगातार स्थापित मानदंडों को देखते हुए, अदालत संतुष्ट है कि विशेष न्यायाधीश के पास सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को खारिज करने और मामले का संज्ञान लेने का कोई ठोस कारण नहीं था। अपील को मंजूरी देकर सुप्रीम कोर्ट ने विशेष सीबीआई कोर्ट के 11 मार्च, 2015 के आदेश को रद्द कर दिया, सीबीआई द्वारा दाखिल दोनों क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर मामले को बंद करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान, पूर्व पीएम सिंह के कानूनी प्रतिनिधियों की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने अदालत से ट्रायल कोर्ट की ओर से दर्ज की गई प्रतिकूल टिप्पणियों को हटाने की अपील की। वरिष्ठ वकील सिब्बल ने तर्क दिया कि ट्रायल जज ने पूर्व प्रधानमंत्री पर विकेरियस क्रिमिनल लायबिलिटी थोप दी थी, जबकि सीबीआई ने अपनी दो क्लोजर रिपोर्टों में उन्हें बरी किया था। बुधवार के आदेश से न केवल दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही समाप्त हो गई है, बल्कि सीबीआई के इस निष्कर्ष को भी स्पष्ट रूप से सही ठहराया गया है कि उन पर मुकदमा चलाने के लिए कोई ठोस सबूत नहीं थे।

कुछ ना कहना

वैनगंगा ,दैतबर्रा-मंगलेगांव मार्ग, टोंडिया नाला और थानेगांव नाला उफान पर

सुरक्षा की दृष्टि से आवागमन बंद, मौसम वैज्ञानिक बोले आज और कल भारी बारिश की संभावना
24 घंटे में तीन इंच बारिश,बीती शाम से जारी है बारिश का दौर, रुक रुक कर हो रही बारिश

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

जिले भर में मंगलवार की शाम से शुरू हुआ बारिश का दौरा बुधवार को भी जारी रहा। रुक-रुक कर हो रही बारिश से जहां एक ओर आम जगजीवन प्रभावित हो गया, तो वहीं दूसरी ओर लगातार बारिश से क्षेत्र के कई नदी नाले उफान पर हैं ।जहां पानी की मात्रा अधिक बढ़ जाने और खतरे के निशान के ऊपर से पानी बहने के चलते सुरक्षा की दृष्टि से उक्त नदी नालों से आवागमन रोक दिया गया है। मंगलवार की शाम तेज बारिश से नगरी क्षेत्र का जनजीवन प्रभावित रहा, तो वहीं दूसरी ओर बुधवार की सुबह से भी रुक-रुक कर बारिश होती रही उधर मौसम विभाग ने 24 घंटे के भीतर भारी-बारीश की संभावना जताई है।

दैतबर्रा-मंगलेगांव मार्ग, टोंडिया नाला और थानेगांव नाला उफान पर

जिले में दो दिनों से लगातार बारिश के कारण, बीते 24 घंटे में तीन इंच के करीब बारिश हुई है। जिससे नदी और नालो का जलस्तर बढ़ गया है। जिले के खैरलांजी क्षेत्र अंतर्गत दैतबर्रा-मंगलेगांव मार्ग के पुल,वारासिवनी से लालबर्रा मार्ग में पड़ने वाला टोंडिया नाला और थानेगांव का नाला उफान है। जिस मार्ग पर सुरक्षा की दृष्टि से आवागमन बंद कर दिया गया है। बावजूद इसके लोग जान का जोखिम नाला पार कर रहे है। टोंडिया नाला के उफान पर आने से एक ढाबे में पानी घुस गया।

वैनगंगा नदी भी उफान पर, छोटा पुल डूबने की कगार पर

लगातार हो रही बारिश से वैनगंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। नदी उफान पर होने के कारण छोटा पुल डूबने की कगार पर पहुंच गया है,।आशंका जताई जा रही है कि यदि बारिश ऐसे ही होती रही, तो जल्द ही वैनगंगा नदी का छोटा पुल डूब जाएगा और नदी का पानी पुल के ऊपर से होकर गुजरेगा।प्रशासन ने लोगों से पुल पर अनावश्यक आवाजाही नहीं करने और सतर्क रहने की अपील की है।स्थानीय लोग भी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है।

30 जुलाई तक भारी बारिश की संभावना- अगासे

दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र के मौसम वैज्ञानिक धर्मेन्द्र अगासे ने बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से प्राप्त 5 दिवसीय मध्यम श्रेणी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 29 जुलाई को भारी वर्षा तथा 30 जुलाई को बहुत भारी वर्षा, बिजली गिरने और आंधी तूफान के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा हवा चलने की संभावना है। जिला प्रशासन ने आम जन से अपील की गई है कि वर्षा के दिनों में नदी नालों में बाढ़ होने और पुल पुलियों पर पानी बह रहा हो तो, उसे पार न करें। थोड़ी सी लापरवाही से जान जा सकती है। पुल-पुलियों पर पानी बह रहा हो तो सतर्कता और सावधानी बरतें, पानी उतरने का इंतजार करें और सुरक्षित होने पर ही पुल पुलियों को पार करें। किसी भी आपात स्थिति से सहायता के लिए कलेक्ट्रेट कार्यालय बालाघाट के कंट्रोल रूम पर संपर्क करे।

पिछले वर्ष के मुकाबले 10 इंच कम वर्षा

जिले में जिले में 29 जुलाई तक 22 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। जिसमें सबसे ज्यादा बालाघाट तहसील में 29 इंच और खैरलांजी तहसील में सबसे कम 13 इंच वर्षा रिकार्ड की गई। बीते 24 घंटे में जिले में करीब 3 इंच बारिश हुई। हालांकि बीते वर्ष की तुलना में 10 इंच बारिश कम हुई है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 1447 मिलीमीटर है और इसमें से 738 मिलीमीटर वर्षा 01 जून से 29 जुलाई 2026 की अवधि में हो जाना चाहिए।

24 घंटे में कहां कितनी बारिश

कार्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख से बारिश को लेकर जारी किए गए आंकड़े के अनुसार बीते 24 घंटे में 29 जुलाई तक बालाघाट तहसील में 145 मिमी, वारासिवनी में 137, बैहर में 58, लांजी में 70, कटंगी में 44, किरनापुर में 45, खैरलांजी में 36, लालबर्रा में 69, बिरसा में 71, परसवाड़ा में 78 और तिरोड़ी तहसील में 56 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है।

बालाघाट में सबसे ज्यादा, खैरलांजी में सबसे कम

01 जून से 29 जुलाई तक सबसे अधिक 789 मिलीमीटर वर्षा बालाघाट तहसील में दर्ज की गई है, जबकि सबसे कम 345 मिलीमीटर वर्षा खैरलांजी तहसील में रिकॉर्ड की गई है। इस अवधि में वारासिवनी तहसील में 752, बैहर में 632, लांजी में 585, कटंगी में 453, किरनापुर में 705, लालबर्रा में 588, बिरसा में 463, परसवाड़ा में 529 और तिरोड़ी में 561 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

बीते 2025 में बारिश का आंकड़ा

29 जुलाई 2025 में इसी अवधि के दौरान बालाघाट तहसील में 1053 मिलीमीटर, वारासिवनी में 1205, बैहर में 958, लांजी में 509, कटंगी में 813, किरनापुर में 779, खैरलांजी में 356, लालबर्रा में 980, बिरसा में 577, परसवाड़ा में 970 तथा तिरोड़ी में 775 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई थी।

गुरु पूर्णिमा पर वनांचल टिकरिया में पहुंची ममता फाउंडेशन, बच्चों को बांटी शैक्षणिक सामग्री

पदमेश न्यूज। बालाघाट। ज्ञान, संस्कार और गुरु के प्रति समर्पण का पर्व गुरु पूर्णिमा इस बार वनांचल क्षेत्र के बच्चों के लिए खुशियों और नई उम्मीद का संदेश लेकर आया। जिला मुख्यालय से करीब 45 किलोमीटर दूर नहरा नदी के उस पार बसे दुर्गम ग्राम टिकरिया में ममता फाउंडेशन की टीम ने पहुंचकर जरूरतमंद बच्चों के बीच शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया। जनजातीय बाहुल्य इस गांव में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को पढ़ाई के लिए कॉपियां और अन्य आवश्यक

सामग्री दी गई। नई कॉपियां और अध्ययन सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस दौरान फाउंडेशन के सदस्यों ने बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताते हुए नियमित रूप से पढ़ाई करने और अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण टिकरिया सहित आसपास के वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों को शैक्षणिक संसाधन आसानी से उपलब्ध नहीं हो पाते हैं। ऐसे में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर ममता फाउंडेशन द्वारा किए गए इस प्रयास को ग्रामीणों ने शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि गुरु केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि ज्ञान देने वाला हर माध्यम गुरु का स्वरूप है। इसी भाव के साथ बच्चों को शिक्षा से जोड़ना गुरु पूर्णिमा के पर्व को सार्थक बनाने जैसा है। कार्यक्रम में बच्चों के साथ ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की। शिक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से गांव और स्कूल परिसर में पौधारोपण भी किया गया। फाउंडेशन के सदस्यों और ग्रामीणों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए तथा उनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा का संकल्प लिया। इस दौरान कहा गया कि प्रकृति मानव जीवन की सबसे बड़ी शिक्षक है। पेड़-पौधे न केवल जीवन के लिए आवश्यक ऑक्सीजन उपलब्ध कराते हैं, बल्कि पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधा लगाने के साथ उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। कार्यक्रम में स्थानीय स्कूल के प्रधान पाठक तेजलाल सैयाम, वन समिति टिकरिया अध्यक्ष सावन उइके, पालक समिति अध्यक्ष राधेलाल मर्सकोले, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता चमरी उइके, चमार सिंह उइके, लिक्कन टेकाम, अंकुश चौरे, बस्ताराम परते और अमन गजभिये सहित ग्रामीणों की सहभागिता रही। आयोजन के दौरान फाउंडेशन के सदस्यों ने बच्चों और ग्रामीणों से संवाद कर उनकी शैक्षणिक जरूरतों और क्षेत्र की समस्याओं को भी समझने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने बताया कि दूरस्थ क्षेत्र होने के कारण यहां शिक्षा और अन्य जरूरी सुविधाओं तक पहुंच अब भी चुनौतीपूर्ण है। ऐसे में सामाजिक संस्थाओं द्वारा गांव तक पहुंचकर बच्चों को प्रोत्साहित करना उनके लिए काफी महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के समापन पर ग्रामीणों और जनजातीय समुदाय के लोगों ने ममता फाउंडेशन की टीम का आभार जताया। ग्रामीणों ने कहा कि गुरु पूर्णिमा जैसे पर्व पर बच्चों को शिक्षा सामग्री उपलब्ध कराने और पौधारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने से गांव के बच्चों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ है। ममता फाउंडेशन के इस सेवाभावी प्रयास को ग्रामीणों ने शिक्षा, संस्कार और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ने वाली सार्थक पहल बताया।

25 साल में नए थानों पर करोड़ों खर्च, लेकिन जिला अस्पताल पुलिस चौकी आज भी बदहाल

बरसात में चौकी बनी जलाशय, छत टपकी तो कमरे में घुसा पानी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में पिछले 25 वर्षों के दौरान पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने के नाम पर आधा दर्जन से अधिक नई पुलिस चौकियां खोली गईं। कई चौकियों को थानों का दर्जा मिला और उनके लिए आधुनिक भवन भी तैयार कर दिए गए। लेकिन हैरानी की बात यह है कि जिले की सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील मानी जाने वाली जिला अस्पताल पुलिस चौकी आज भी एक स्थायी भवन के लिए तरस रही है।करीब डेढ़ दशक से यह पुलिस चौकी जिला अस्पताल परिसर स्थित महिला विश्रांति भवन के एक जर्जर कमरे में संचालित हो रही है।

हर बरसात के साथ इस चौकी की बदहाली और सरकारी दावों की पोल खुल जाती है। छत से टपकता पानी, सीलन से भरी दीवारें और कमरे के भीतर भरता बारिश का पानी यहां तैनात पुलिसकर्मियों की रोजमर्रा की मजबूरी बन चुका है।28 जुलाई की रात करीब 9 बजे हुई तेज बारिश ने एक बार फिर चौकी की बदहाल तस्वीर सामने ला दी। कुछ ही देर की बारिश में पानी सीधे चौकी के भीतर घुस गया। पुलिसकर्मी वर्दी में ही कमरे में भरे पानी को बाहर निकालते नजर आए। जिस स्थान से कानून-व्यवस्था संचालित होनी चाहिए वहां पुलिसकर्मी फाइलों और जरूरी दस्तावेजों को बचाने की जद्दोजहद करते दिखाई दिए।स्थिति केवल जलभराव तक सीमित नहीं है। चौकी के सामने हर बारिश में पानी भर जाता है।जिससे अस्पताल परिसर की गंदगी भी वहीं जमा हो जाती है। दुर्गंध, गंदगी और जलभराव के बीच पुलिसकर्मियों को अपनी ड्यूटी निभानी पड़ती है।सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि लगातार सीलन के कारण कुछ समय पहले चौकी की दीवारों और विद्युत व्यवस्था में करंट उतरने लगा था। बिजली का स्विच ऑन करते समय कई पुलिसकर्मियों को करंट के झटके भी लगे। बाद में विद्युत बोर्ड की मरम्मत कराई गई। लेकिन भवन की मूल समस्या आज भी जस की तस बनी हुई है। हर बारिश में छत टपकती है और पानी कमरे के भीतर भर जाता है।यह समस्या किसी एक मौसम या एक वर्ष की नहीं बल्कि वर्षों पुरानी है। कई बार इस ओर ध्यान आकर्षित किए जाने के बावजूद न अस्पताल प्रबंधन ने स्थायी समाधान निकाला और न ही पुलिस विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने इस दिशा में ठोस पहल की।विडंबना यह है कि जिस पुलिस चौकी में अस्पताल से जुड़े हादसों, दुर्घटनाओं, मेडिको लीगल मामलों और संवेदनशील प्रकरणों की कार्रवाई होती है वही चौकी आज खुद बदहाल व्यवस्था की शिकार बनी हुई है।अब बड़ा सवाल यह है कि जब जिले में नई पुलिस चौकियों और थानों के लिए भवन बनाए जा सकते हैं।तब जिला अस्पताल जैसी महत्वपूर्ण जगह पर संचालित इस पुलिस चौकी को आखिर कब अपना सुरक्षित और स्थायी भवन मिलेगा या फिर पुलिसकर्मी हर बरसात में इसी तरह पानी, सीलन और करंट के बीच अपनी जिम्मेदारियां निभाने को मजबूर रहेंगे।

सावन मास आज से, शिवालयों में की जा रही विशेष तैयारी

पहले सोमवार को उमड़ेगा भक्तों का जनसैलाब, भगवान शिव की होंगी विशेष आराधना

पदमेश न्यूज। बालाघाट। भगवान शिव की आराधना का पावन महीना सावन गुरुवार से शुरू हो रहा है। इस पवित्र मास में भगवान शिव की आराधना की जाती है।जिसको देखते हुए जिलेभर के शिवालयों में श्रद्धालुओं के लिहाज से व्यवस्थाएं की जा रही है। मंदिर परिसर को भी रंग रोंगन कर सजाया जा रहा है। शहर के शंकरघाट स्थित शिव मंदिर में भी सावन के एक दिन पूर्व से ही श्रद्धालु पहुंचने लगे है।जिन्होंने भगवान शिव की आराधना कर शिवलिंग का जलाभिषेक करवाया।वहीं पहले सावन सोमवार पर शहर के सभी शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में शिव भक्तों के पहुंचने का अनुमान है।बताया गया कि 3 अगस्त सोमवार को प्रथम सावन सोमवार पर भगवान शिव का जलाभिषेक कर उनकी पूजा अर्चना की जाएगी।भक्ति का यह क्रम पूरे महीने चलेगा।जहा 28 अगस्त शुक्रवार को सावन मास का समापन होंगा।

भगवान शिव की आराधना शुरू

सावन मास के एक दिन पूर्व से ही सुबह 6 बजे से ही मंदिरों में भक्त दिखाई दिए। सुबह स्नान करने के बाद श्रद्धालु पूजा करने मंदिरों में पहुंचे। खासकर शहर के शंकरघाट स्थित शिवमंदिर, मृत्युंजय घाट के अलावा लांजी कोटेश्वर धाम, धनसुआ गोंसाईं मंदिर व अन्य शिवालयों में पूजन अर्चन और धार्मिक अनुष्ठानों का दौर शुरू हो गया है।भक्तों ने शिवलिंग पर बेलपत्र, धतूरा, चंदन, अक्षत, शमीपत्र आदि शुभ वस्तुएं चढ़ाई और बम बम भोले के जयकारें लगाए।

इन मंदिरों में रही भीड़

शहर के शंकरघाट, बूढ़ी शिव मंदिर, बैहर चौकी समीप स्थित शिव मंदिर सहित अन्य शिव मंदिरों में जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालु नजर आए।हालांकि यहां भीड़ कम रही।बताया गया कि पहले सावन सोमवार से शिव महाभिषेक, महामृत्युंजय के जाप और रुद्राभिषेक का दौर शुरू हो जाएगा।

कावड़ यात्रा का शुरू होगा दौर

सावन के महीने में भगवान शिव की विशेष पूजा अर्चना करने का अलग ही महत्व है। शास्त्रों के अनुसार इस माह भोलेनाथ की पूजा अर्चना कावड़ यात्रा निकाल जल चढ़ाने से भगवान प्रसन्न होते है। यही वजह है कि पहले सोमवार से ही कावडियों की पैदल यात्रा, जल चढ़ाने की तैयारियां शुरू कर दी गई है।आगामी सोमवार से कावडियों की संख्या में इजाफा होगा। शहर के कुछ कावड़िए पैदल लांजी कोटेश्वर धाम के लिए भी रवाना होते हैं।

सुरक्षा के दिखे पुख्ता इंतजाम

सावन माह की शुरूआत होने और मंदिरों में सुबह से लेकर देर रात तक पूजा अर्चना का दौर होने के चलते शहर के तमाम शिव मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए है।जगह जगह पुलिस व्यवस्था बनाई जा रही है। सभी मंदिरों में महिला और पुरुष पुलिसकर्मी श्रद्धालु भक्तों को सुरक्षा प्रदान करेंगे।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में गुरु पूर्णिमा महोत्सव आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय, बालाघाट में प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर की अध्यक्षता में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य गुरु की महत्ता एवं गुरु-शिष्य परंपरा के संरक्षण के प्रति छात्राओं को जागरूक करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु महर्षि सांदीपनी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात छात्राओं ने महाविद्यालय के समस्त गुरुजनों का तिलक एवं पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर छात्राओं ने गीत, कहानी, कोलाज एवं पेंटिंग के माध्यम से गुरु के प्रति अपनी श्रद्धा एवं कृतज्ञता व्यक्त की। आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. सरोज घोड़ेश्वर के मार्गदर्शन में समिति सदस्य प्रदीप गजभिए, प्रीति उइके, डॉ. मनिका चौबे एवं डॉ. ईश्वर राहंगडाले ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार एवं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई और गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं मुकेश कुमार गुप्ता, 68 वर्ष, निवासी वार्ड नं 11, नेहरू वार्ड, भटेरा रोड, बालाघाट, अपना नाम मुकेश कुमार गुप्ता से बदल कर मुकेश गुप्ता कर रहा हूं।

वास्ते सूचनार्थ
मुकेश गुप्ता

न्यायालय नायब तहसीलदार किरनापुर, जिला बालाघाट म.प्र.

रा.प्र.क्र./0028/ड-154/वर्ष 2026-27
साकिन:-कान्द्रीकला प.ह.नं.67
रा.नि.मं. सेवती तहसील किरनापुर

समाचार पत्र प्रकाशन

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सोमा पिता डुकर्या जाति ढीमर निवासी ग्राम कान्द्रीकला द्वारा अपने पिताजी डुकर्या पिता आडक्या नागपुरे की मृत्यु दिनांक 14/12/2002 को ग्राम कान्द्रकला में मृत्यु हो जाने से मत्यु के 1 वर्ष पश्चात पंजीयन की अनुमति मिलने हेतु लोकसेवा केन्द्र किरनापुर के माध्यम से आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया है।अत: उक्त के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि वे निश्चित दिनांक 29/07/2026 को या तो स्वयं, किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधी द्वारा उपस्थित होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जावेंगा। नियत दिनांक के पश्चात प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 13/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के अधीन जारी किया गया।

तहसीलदार किरनापुर

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

चातुर्मास के चलते चार माह तक मांगलिक कार्यों पर विराम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। देवशयनी एकादशी से प्रारंभ हुए चातुर्मास के चलते अगले चार महीनों तक विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, यज्ञोपवीत और अन्य सभी मांगलिक एवं शुभ कार्यों पर विराम लग गया है। अब देवउठनी एकादशी के साथ ही पुन: विवाह और अन्य मांगलिक कार्यों का शुभारंभ होगा। आषाढ़ माह का समापन 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के साथ हो गया और आज 30 जुलाई से भगवान शिव का प्रिय श्रावण मास प्रारंभ हो गया। श्रावण लगते ही जिले के सभी शिवालयों में जलाभिषेक, रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय जाप, कांवड़ यात्रा और विशेष पूजन-अर्चन का सिलसिला शुरू हो जाएगा। शिवभक्त पूरे माह व्रत, उपवास और पूजा अर्चना कर भगवान भोलेनाथ की आराधना करेंगे। मंदिरों में सुबह से देर रात तक श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी और हर हर महादेव तथा बम बम भोले के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठेगा।

श्रावण से दीपावली तक पर्वों की लंबी श्रृंखला

श्रावण मास के साथ ही त्योहारों का सिलसिला भी शुरू हो जाएगा। इस दौरान हरियाली तीज, नागपंचमी, कजरी तीज, सावन के सोमवार और रक्षाबंधन जैसे प्रमुख पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाए जाएंगे। इसके बाद भाद्रपद में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और गणेशोत्सव की धूम रहेगी। आश्विन मास में शारदीय नवरात्र, दुर्गा पूजा और विजयादशमी (दशहरा) का उल्लास छाएगा जबकि इसके बाद दीपावली की तैयारियां पूरे देश में जोर-शोर से शुरू हो जाएंगी।

चार माह रहेगा धार्मिक उल्लास का वातावरण

चातुर्मास भले ही मांगलिक कार्यों के लिए विराम का समय माना जाता है।लेकिन धार्मिक दृष्टि से यह सबसे महत्वपूर्ण कालखंडों में से एक है। मंदिरों में विशेष अनुष्ठान, कथा-प्रवचन, भजन-कीर्तन और धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला लगातार चलती रहेगी। श्रद्धालु व्रत, दान पुण्य और भगवान की आराधना में अधिक समय व्यतीत करेंगे। जिससे जिले भर में अगले चार महीनों तक धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण बना रहेगा।देवउठनी एकादशी पर चातुर्मास का समापन होगा। इसके बाद एक बार फिर विवाह, गृह प्रवेश और अन्य शुभ कार्यों की शुरुआत होगी तथा मांगलिक आयोजनों के साथ शहनाइयों की गूंज फिर सुनाई देने लगेगी।

तेज बारिश ने खोली नगर पालिका के विकास की पोल, सड़कों पर बहा नालियों का गंदा कीचड़

वार्ड 17-18 में जलभराव और कीचड़ से बिगड़े हालात, सरेखा अंडरपास फिर टपका, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने व्यवस्था पर उठाए सवाल

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

दो दिनों से हो रही तेज बारिश ने शहर की सफाई और जल निकासी व्यवस्था की जमीनी हकीकत सामने ला दी है। बारिश के बाद शहर के कई वार्डों में नालियों का पानी सड़कों पर बहता नजर आया, वहीं नालियों में जमा कचरा भी पानी के साथ सड़क पर आ गया। कई स्थानों पर सड़कें कीचड़ और गंदे पानी से सराबोर हो गईं, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। नगर पालिका की इस अव्यवस्था के वीडियो बनाकर लोगों ने सोशल मीडिया पर वायरल किए, जिसके बाद विपक्षी पार्षदों ने भी इन्हें नगर सरकार के विकास कार्यों पर सवाल उठाने का जरिया बना लिया। 29 जुलाई को दिनभर सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में शहर की सड़कों पर फैली गंदगी और जलभराव की तस्वीरें चर्चा का विषय बनी रहीं।

वार्ड क्रमांक 17 और 18 में बारिश के बाद स्थिति अधिक खराब दिखाई दी। यहां पानी निकासी के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने के कारण नालियों का गंदा पानी सड़कों पर फैल गया। पानी के साथ नालियों का कचरा भी बाहर आ जाने से सड़क पर जगह-जगह गंदगी और कीचड़ जमा हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार बारिश के मौसम में इन क्षेत्रों में जलभराव की समस्या हर साल सामने आती है, लेकिन इसके स्थायी समाधान के लिए अब तक प्रभावी व्यवस्था नहीं बनाई गई। लोगों का कहना है कि बारिश से पहले नालियों की सफाई और पानी निकासी की व्यवस्था दुरुस्त होती तो बारिश के बाद सड़कों पर गंदगी और नालियों का पानी बहने की स्थिति नहीं बनती। बारिश के बाद सामने आई इस तस्वीर को लेकर विपक्षी पार्षदों ने नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर निशाना साधा। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के माध्यम से उन्होंने जलभराव, गंदगी और सड़क पर बहते नालियों के पानी को दिखाते हुए नगर सरकार के विकास कार्यों पर सवाल खड़े किए। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शहर में विकास और स्वच्छता व्यवस्था को लेकर लगातार दावे किए जाते हैं, लेकिन तेज बारिश होते ही नालियों और जल निकासी की वास्तविक स्थिति सामने आ जाती है।

अंडरपास से फिर होने लगा पानी का रिसाव

सरेखा रेलवे क्रॉसिंग पर बने अंडरपास ने भी बारिश के दौरान नगर की व्यवस्थाओं के साथ निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए। पिछले वर्ष भी बारिश के दौरान अंडरपास में कई स्थानों से पानी रिसने और तेज धार के रूप में नीचे गिरने की समस्या सामने आई थी। उस समय स्थानीय लोगों ने विरोध जताते हुए जिम्मेदार विभाग से पानी रिसाव की समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की थी। इसके बाद अंडरपास में रंग-रोगन कराया गया और जिन स्थानों से पानी का रिसाव हो रहा था, उन्हें भरने का काम भी किया गया था। इसके बावजूद 28 और 29 जुलाई को हुई तेज बारिश के बाद अंडरपास में फिर वही स्थिति दिखाई दी। कई स्थानों से पानी रिसता नजर आया तो कुछ जगहों पर पानी तेज धार के साथ नीचे गिरता दिखाई दिया। इससे स्थानीय लोगों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि पिछले वर्ष समस्या सामने आने के बाद मरम्मत किए जाने के बावजूद यदि बारिश में फिर पानी अंदर पहुंच रहा है तो किए गए कार्य की गुणवत्ता और स्थायित्व पर सवाल उठना स्वाभाविक है। लोगों ने अंडरपास में पानी के रिसाव की तकनीकी जांच कराकर समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है। शहर की यह स्थिति केवल अंडरपास तक सीमित नहीं रही। वार्ड 17 और 18 सहित अन्य क्षेत्रों में भी बारिश का पानी सड़कों पर जमा होने और नालियों का गंदा पानी बाहर आने से लोगों को परेशानी हुई। जगह-जगह फैले कचरे और कीचड़ के कारण राहगीरों को संभलकर निकलना पड़ा। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मानसून से पहले नालियों की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था की जाती तो हालात इतने खराब नहीं होते।

पदोन्नति सूची में कनिष्ठ आगे, वरिष्ठों की अनदेखी पर आईटीआई के ट्रेनिंग ऑफिसर भड़के

गोपनीय चरित्रावली में कम अंक देने पर उठे सवाल, 1991 से 2012 बैच तक के कई वरिष्ठ कर्मचारी पदोन्नति से बाहर, आगामी तीन माह में सेवानिवृत्त होने वाले दशरथ बिसेन भी सूची से बाहर

पदमेश न्यूज। बालाघाट। कौशल विकास संचालनालय, मध्यप्रदेश भोपाल के अंतर्गत संचालित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में ट्रेनिंग ऑफिसरों की पदोन्नति को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पदोन्नति सूची में कनिष्ठ कर्मचारियों के नाम शामिल किए जाने और कई वरिष्ठ ट्रेनिंग ऑफिसरों की अनदेखी किए जाने से कर्मचारियों में नाराजगी है। प्रभावित कर्मचारियों का आरोप है कि पदोन्नति के लिए गोपनीय चरित्रावली (सीआर) के मूल्यांकन में निर्धारित नियमों और प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। उनका कहना है कि वर्षों से सेवा दे रहे कर्मचारियों की चरित्रावली निष्कलंक होने के बावजूद उन्हें पदोन्नति के लिए आवश्यक अंक नहीं दिए गए, जबकि उनसे कनिष्ठ कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ मिल गया।

मामले ने इसलिए भी तूल पकड़ लिया है क्योंकि आईटीआई बालाघाट में पदस्थ सबसे वरिष्ठ ट्रेनिंग ऑफिसरों में शामिल दशरथ बिसेन का नाम भी पदोन्नति सूची में नहीं है। खास बात यह है कि वह आगामी तीन माह में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। दशरथ बिसेन का कहना है कि उन्होंने लंबे समय तक विभाग में अपनी सेवाएं दी हैं और सेवा अवधि के दौरान उन्हें कभी किसी प्रकार का शो-कॉज नोटिस नहीं मिला। इसके बावजूद पदोन्नति के लिए उनकी गोपनीय चरित्रावली में कम अंक बताए जा रहे हैं। उनका कहना है कि यदि उनकी सेवा अवधि के दौरान कोई गंभीर कमी रही होती तो उन्हें इसकी जानकारी दी जानी चाहिए थी, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ। अब सेवानिवृत्ति के ठीक पहले पदोन्नति सूची से बाहर होने के कारण वह स्वयं को अपमानित और निराश महसूस कर रहे हैं। ट्रेनिंग ऑफिसरों के अनुसार हाल ही में विभाग द्वारा 2012 और 2013 बैच के कई कर्मचारियों को पदोन्नति दी गई है, जबकि इससे पहले नियुक्त हुए 1991, 1998, 2003, 2004, 2011 और 2012 बैच के कई कर्मचारी पदोन्नति से वंचित रह गए। कर्मचारियों का कहना है कि जिन लोगों ने दशकों तक आईटीआई में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया और जिनके पढ़ाए हुए विद्यार्थियों ने अपने-अपने ट्रेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर संस्थान तथा जिले का नाम रोशन किया, उन्हीं वरिष्ठ ट्रेनिंग ऑफिसरों को पदोन्नति सूची में जगह नहीं मिली। कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें पदोन्नति से वंचित रखने के पीछे मुख्य कारण गोपनीय चरित्रावली में कम अंक बताया जा रहा है, जबकि उनकी सेवा पुस्तिका और कार्यकाल में किसी गंभीर प्रतिकूल प्रविष्टि की जानकारी उन्हें नहीं दी गई। पदोन्नति से वंचित कर्मचारियों का सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि उनकी गोपनीय चरित्रावली में कम अंक दिए गए थे तो इसकी जानकारी उन्हें समय पर क्यों नहीं दी गई। कर्मचारियों का कहना है कि नियमों के अनुसार गोपनीय चरित्रावली में प्रतिकूल प्रविष्टि या मूल्यांकन संबंधी आपत्ति होने पर संबंधित कर्मचारी को जानकारी देकर निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपना पक्ष रखने और सुधार के लिए अवसर दिया जाता है। उनका आरोप है कि इस मामले में उन्हें ऐसा अवसर नहीं मिला। अब कर्मचारी यह जानना चाहते हैं कि आखिर उनकी सीआर में किस आधार पर कम अंक दिए गए और उन्हें पदोन्नति के लिए अयोग्य क्यों माना गया। इस मामले में महिला ट्रेनिंग ऑफिसरों में भी खासा आक्रोश है। आईटीआई बालाघाट में पदस्थ रत्नमाला गनवीर ने बताया कि संस्थान में पांच महिला ट्रेनिंग ऑफिसर कार्यरत हैं, लेकिन पदोन्नति सूची में किसी को भी लाभ नहीं मिला। उनका कहना है कि पदोन्नति सूची में उनका नाम वरिष्ठता क्रम में ऊपर था, इसके बावजूद उनसे कनिष्ठ कर्मचारियों को पदोन्नति दे दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि गोपनीय चरित्रावली का मूल्यांकन सही तरीके से नहीं किया गया है। यदि सीआर में कम अंक दिए गए थे तो इसकी जानकारी संबंधित कर्मचारियों को समय रहते दी जानी चाहिए थी, ताकि वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत आपत्ति दर्ज करा सकें। ट्रेनिंग ऑफिसरों का कहना है कि कर्मचारियों की गोपनीय चरित्रावली तैयार करने की प्रक्रिया में तत्कालीन प्राचार्यों की भी भूमिका रहती है। ऐसे में पदोन्नति से वंचित कर्मचारियों ने पूर्व प्राचार्यों द्वारा तैयार की गई गोपनीय चरित्रावली को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि यदि किसी कर्मचारी के कार्य में कमी थी तो उसे समय रहते बताया जाना चाहिए था। वर्षों तक सेवा लेने के बाद पदोन्नति के समय अचानक कम अंक के आधार पर वरिष्ठ कर्मचारियों को सूची से बाहर करना न्यायसंगत नहीं है। पदोन्नति से वंचित कर्मचारियों ने अब मामले को लेकर विभागीय स्तर पर अपनी लड़ाई शुरू कर दी है। कर्मचारियों के अनुसार उन्होंने अपनी आपत्ति और समस्या को लेकर प्राचार्य से लेकर विभाग के सचिव स्तर तक पत्राचार किया है। उनका कहना है कि वे इस मामले में दस्तावेजों और पदोन्नति प्रक्रिया की जांच की मांग कर रहे हैं। यदि विभागीय स्तर पर उन्हें न्याय नहीं मिलता है तो वे न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की तैयारी में हैं। कर्मचारियों का कहना है कि उनकी मांग किसी व्यक्ति विशेष की पदोन्नति रुकवाने की नहीं है, बल्कि पदोन्नति प्रक्रिया में पारदर्शिता और वरिष्ठता के साथ न्याय सुनिश्चित करने की है। उनका कहना है कि यदि कनिष्ठ कर्मचारियों को पदोन्नति दी गई है तो वरिष्ठ कर्मचारियों को पदोन्नति से वंचित करने के स्पष्ट कारण बताए जाएं। साथ ही गोपनीय चरित्रावली में दिए गए अंकों का आधार और मूल्यांकन प्रक्रिया भी सामने रखी जाए, ताकि कर्मचारियों को यह पता चल सके कि उन्हें किस आधार पर कम अंक मिले हैं।

यह हुये पदोन्नति से वंचित, जाहिर की नाराजगी

पदोन्नति से वंचित ट्रेनिंग ऑफिसरों में दशरथ बिसेन, रत्नमाला गनवीर, आरसी कावरे, कार्तिक गिरी गोस्वामी, गायत्री राणा, राखी मोटवानी, सिमिता दमाहे और अंजुम परवीन सहित अन्य कर्मचारी शामिल हैं। इन कर्मचारियों ने विभाग से पदोन्नति प्रक्रिया की निष्पक्ष समीक्षा करने, गोपनीय चरित्रावली का पुनर्मूल्यांकन कराने और यदि प्रक्रिया में कोई अनियमितता हुई है तो उसे दूर कर वरिष्ठ कर्मचारियों को उनका अधिकार देने की मांग की है। अब देखना यह है कि विभाग कर्मचारियों की आपत्तियों पर क्या निर्णय लेता है और क्या पदोन्नति सूची की दोबारा समीक्षा की जाती है।

आईटीआई ट्रेनिंग ऑफिसर भर्ती में बालाघाट की बेटी लक्ष्मी ने रचा इतिहास

एमपीईएसबी परीक्षा में ओबीसी वर्ग में पेपर-पी में प्रदेश में प्रथम, पेपर-बी में द्वितीय और पेपर-एच में नौवां स्थान हासिल कर तीन ट्रेड में चयन

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जिले की बेटी लक्ष्मी भूरे तुलसीकर ने आईटीआई ट्रेनिंग ऑफिसर भर्ती परीक्षा-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश स्तर पर जिले का नाम रोशन किया है। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (एमपीईएसबी) द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षा के घोषित परिणाम में ग्राम बढ़पानी, तहसील तिरोड़ी निवासी लक्ष्मी भूरे तुलसीकर ने ओबीसी वर्ग के पेपर-पी में मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। उन्होंने पेपर-बी में प्रदेश में द्वितीय तथा पेपर-एच में नौवीं रैंक प्राप्त कर तीनों ट्रेड में चयन हासिल किया है। एक ही भर्ती परीक्षा के तीन अलग-अलग पेपर में प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान बनाना उनकी मेहनत, लगन और प्रतिभा को दर्शाता है। लक्ष्मी की इस उपलब्धि से उनके परिवार, रिश्तेदारों, शिक्षकों और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

ग्राम बढ़पानी निवासी लक्ष्मी भूरे तुलसीकर का विवाह कुछ वर्ष पूर्व ग्राम जाम, तहसील लालबर्रा निवासी योगेश तुलसीकर से हुआ है। योगेश तुलसीकर वर्तमान में पड़ोसी जिले सिवनी में पुलिस विभाग में सेवाएं दे रहे हैं। लक्ष्मी पिछले कई वर्षों से शासकीय सेवा में जाने के लक्ष्य के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थीं। लंबे समय तक लगातार अध्ययन, नियमित मेहनत और लक्ष्य के प्रति समर्पण के बाद उन्हें यह बड़ी सफलता मिली है। प्रदेश स्तर पर उत्कृष्ट रैंक हासिल कर लक्ष्मी ने यह साबित किया है कि ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं के लिए भी मेहनत और दृढ़ संकल्प सफलता की राह खोल सकते हैं। लक्ष्मी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार, गुरुजनों और विशेष रूप से अपने पति योगेश तुलसीकर को दिया है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के दौरान कई बार परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण रहीं, लेकिन परिवार ने हमेशा उनका मनोबल बढ़ाया। पति योगेश ने भी उन्हें लगातार आगे बढ़ने और प्रयास जारी रखने के लिए प्रेरित किया। परिवार के सहयोग और स्वयं की मेहनत के परिणामस्वरूप लक्ष्मी ने आईटीआई ट्रेनिंग ऑफिसर भर्ती परीक्षा में प्रदेश स्तर पर यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। लक्ष्मी की सफलता की खास बात यह है कि उन्होंने केवल एक पेपर में ही बेहतर प्रदर्शन नहीं किया, बल्कि तीन अलग-अलग ट्रेड से संबंधित पेपर में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए चयन प्राप्त किया। ओबीसी वर्ग में पेपर-पी में प्रदेश में पहला स्थान, पेपर-बी में दूसरा स्थान और पेपर-एच में नौवां स्थान हासिल करना उनकी मजबूत तैयारी और विषय पर पकड़ को दर्शाता है। उनकी इस उपलब्धि ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे जिले के युवाओं के सामने भी एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है। लक्ष्मी की सफलता की खबर सामने आने के बाद ग्राम बढ़पानी, जाम सहित तिरोड़ी और आसपास के क्षेत्र में उन्हें बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया। परिवारजनों और शुभचिंतकों ने कहा कि लक्ष्मी ने अपनी मेहनत और लगन के बल पर न केवल अपने परिवार का गौरव बढ़ाया, बल्कि बालाघाट जिले को भी प्रदेश स्तर पर पहचान दिलाई है। सामाजिक संगठनों और क्षेत्रवासियों ने उनकी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीण परिवेश से निकलकर प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान बनाना निश्चित रूप से गौरव की बात है। लक्ष्मी की यह उपलब्धि उन युवाओं और विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणादायक है, जो कठिन परिस्थितियों के बावजूद शासकीय सेवा में जाने का सपना देख रहे हैं।

दो मोटरसाइकिल आपस में टकराई- दो युवक घायल

बघोली अमेड़ा मार्ग पर हुआ हादसा

एक युवती को भी आई मामूली चोट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र के बघोली और अमेड़ा गांव के बीच बुधवार दोपहर दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर में दो युवक घायल हो गए। हादसे में एक महिला को भी मामूली चोटें आई हैं। दोनों घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती कराया गया। दोनों घायल अनिल पिता अशोक मोहारे 28 वर्ष ग्राम बगदरा थाना ग्रामीण और दीपक पिता तेजराम पंचेश्वर 32 वर्ष ग्राम अमेड़ा थाना भरवेली निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनिल मोहारे मजदूरी करता हैं। 29 जुलाई को दोपहर करीब 1 बजे अनिल मोहारे मोटरसाइकिल में बघोली से अपने गांव बगदरा लौट रहे थे। वहीं दीपक पंचेश्वर अपने घर अमेड़ा से बहन रेशमा को मोटरसाइकिल से रेलवे स्टेशन बालाघाट छोड़ने जा रहे थे।इसी दौरान बघोली और अमेड़ा के बीच दोनों मोटरसाइकिल आपस में टकरा गई । आमने सामने की जोरदार टक्कर में अनिल मोहारे और दीपक पंचेश्वर सड़क पर गिर पड़े और घायल हो गए। हादसे में दीपक की बहन रेशमा को भी मामूली चोटें आई।घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया। जहा उनका उपचार किया। रेशमा का भी प्राथमिक उपचार किया गया।जिला अस्पताल पुलिस चौकी ने दोनो घायल के बयान दर्ज कर घटना की जानकारी आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित भरवेली थाना पुलिस को भेज दी है।

गायखुरी दशहरा चल समारोह में इस बार शुभम बोरिकर धारण करेंगे हनुमान जी का स्वरूप

पदमेश न्यूज। बालाघाट। विजयादशमी के अवसर पर शहर के वार्ड क्रमांक 33 गायखुरी में मां वैनगंगा सेवा समिति द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भव्य दशहरा चल समारोह निकाला जाएगा। समारोह में भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण सहित विभिन्न धार्मिक झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इस वर्ष चल समारोह में रामभक्त हनुमान जी का स्वरूप धारण करने की जिम्मेदारी शुभम बोरिकर पिता स्वर्गीय राजू बोरिकर को सौंपी गई है। हनुमान जी का स्वरूप धारण करने वाले सेवादार के चयन को लेकर 28 जुलाई की रात मां कुष्मांडा मंदिर, आवास टोली गायखुरी में समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शुभम बोरिकर का नाम हनुमान जी महाराज का स्वरूप धारण करने के लिए प्रस्तावित किया गया, जिसे उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। खास बात यह है कि हनुमान जी का स्वरूप धारण करने के लिए शुभम बोरिकर द्वारा गुरु पूर्णिमा से ही 90 दिनों की कठिन ब्रह्मचर्य साधना प्रारंभ की गई है। इस दौरान वे धार्मिक नियमों और संयम का पालन करते हुए दशहरा पर्व के लिए स्वयं को तैयार कर रहे हैं। समिति के अनुसार यह साधना हनुमान जी के स्वरूप को केवल वेशभूषा के रूप में धारण करने के बजाय पूरी श्रद्धा, आस्था और धार्मिक भाव के साथ निभाने की तैयारी का हिस्सा है। बैठक में वर्ष 2027 के लिए हनुमान जी का स्वरूप धारण करने वाले सेवादार के रूप में सुरेश लिल्हारे का चयन भी किया गया। आयोजन समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने शुभम बोरिकर और सुरेश लिल्हारे को शुभकामनाएं देते हुए दशहरा आयोजन को भव्य एवं गरिमामय बनाने का संकल्प लिया। समिति ने बताया कि इस वर्ष गायखुरी में दशहरा पर्व को लेकर विशेष तैयारियां की जा रही हैं। विजयादशमी के दिन निकाले जाने वाले चल समारोह में भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक झांकियां शामिल होंगी। इनमें हनुमान जी का स्वरूप विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। गायखुरी से निकलने वाली शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों के शामिल होने की संभावना है। समिति के सदस्यों का कहना है कि दशहरा केवल बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व नहीं, बल्कि भगवान श्रीराम और हनुमान जी की भक्ति, सेवा, त्याग और समर्पण की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का अवसर भी है। इसी उद्देश्य से हर वर्ष गायखुरी में धार्मिक उत्साह के साथ चल समारोह का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष शुभम बोरिकर द्वारा 90 दिनों की ब्रह्मचर्य साधना के बाद हनुमान जी का स्वरूप धारण किया जाना आयोजन को और विशेष बना रहा है। समिति ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं से दशहरा पर्व और चल समारोह में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धार्मिक आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

संदिग्ध अवस्था में मिला बाघ का शव, फैली सनसनी, हत्या की आशंका

एक साल में दूसरी घटना, वन्यजीवों की सुरक्षा पर उठे गंभीर सवाल

वन विभाग ने पोस्टमार्टम के बाद किया अंतिम संस्कार, जांच जारी

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली बहियाटिकुर बीट क्रमांक 443 क्रमांक के पोटूटोला जंगल में बाघ दिवस के अवसर पर बुधवार को राष्ट्रीय पशु बाघ का शव मिलने से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। बाघ का शव संदिग्ध अवस्था में देखा गया, जिसके बाद जंगल और आसपास के इलाकों में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग का अमला दलबल के साथ मौके पर पहुंचा और स्थिति का जायजा लेने के बाद मृत बाघ का पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार कर दिया है। साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं मृत वन्यप्राणी बाघ के शरीर में धारदार वस्तु के निशान जैसे पाये गये है जिससे आशंका व्यक्त की जा रही है कि बाघ का शिकार किया गया है या फिर दो बाघों में वर्चस्व की लड़ाई के चलते बाघ की मौत हुई होगी। वहीं वन विभाग का भी कहना है कि दो बाघों के वर्चस्व की लड़ाई में एक बाघ की मौत हुई है। वन विभाग के द्वारा मामले की सूक्ष्मता से जांच की जा रही है।

शिकार की आशंका, जांच में जुटा वन विभाग

आपकों बता दे दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले बटियाटिकुर के पोटूटोला ग्राम जंगल से लगा हुआ है। बुधवार को जंगल क्षेत्र में दोपहर के समय वन्यप्राणी बाघ को मृत अवस्था में देखा गया। जिसके बाद वन विभाग के उ'चाधिकारियों को घटना की सूचना दी गई। वहीं जंगल क्षेत्र में बाघ के शव मिलने की खबर लगते ही क्षेत्र में हड़कप मच गया। जिसके बाद वन विभाग के अधिकारी घटना स्थल पहुंचे तो पोटूटोला के आगे जंगल क्षेत्र के बीट क्रमांक 443 में बाघ मृत अवस्था में दिखाई दिया, जिसके शरीर में निशान भी पाये गये है, जिससे शिकार या हत्या की प्रबल आशंका जताई जा रही है। हालांकि वन अधिकारियों का कहना है कि मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पायेगा। वन अमले ने वरिष्ठ अधिकारियों और वाइल्डलाइफ विशेषज्ञों की मौजूदगी में शव का नियमानुसार पोस्टमार्टम करवाकर उसका अंतिम संस्कार कर दिया है। मामले की हर पहलू से गहन जांच की जा रही है। डॉग स्क्रायड और फॉरेंसिक टीम की मदद ली जा रही है। यदि इसमें किसी की संलिप्तता पाई जाती है तो दोषियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत कड़ी कार्यवाही की जायेगी। वहीं अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के दिन ही राष्ट्रीय पशु बाघ का शव मिलने से वन्यजीव प्रेमियों में इस घटना को लेकर रोष व्याप्त है। वन्यजीव प्रेमियों ने वन विभाग के आला अधिकारियों ने इस मामले की सूक्ष्मता से जांच कर दोषियों पर कठोर कार्यवाही एवं वन्यप्राणियों के संरक्षण के क्षेत्र में बेहतर काम करने की मांग की है।

वन विभाग की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

क्षेत्र में बीते एक साल के अंदर बाघ की मौत की यह दूसरी घटना है। एक वर्ष पुर्व बहियाटिकुर के पोटूटोला जंगल क्षेत्र में बाघ मृत अवस्था में मिला था। जिसकी जानकारी वन विभाग के उ'चाधिकारियों को दिये बिना ही कर्मचारियों ने दहसंस्कार कर दिया गया था। इस मामले में वन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों पर कार्यवाही भी हुई थी। वहीं एक साल के अंदर दुसरी घटना उसी जंगल क्षेत्र में हुआ है जहां बुधवार को बाघ मृत अवस्था में मिला है। इस तरह से एक ही क्षेत्र में एक साल के अंदर दो वन्यप्राणी बाघ की मृत्यु होना चिंता का विषय बना हुआ है। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से वन्यजीव प्रेमियों और स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। जंगलों में गश्त और वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर वन विभाग के दावों पर अब बड़े सवाल खड़े होने लगे हैं। सुरक्षा व्यवस्था में चूक एक साल में दो बाघों की संदिग्ध मौत यह दर्शाती है कि क्षेत्र में शिकारियों का नेटवर्क सक्रिय है। जंगल के अंदर तक हथियारों के साथ लोगों की पहुंच वन विभाग की बीट गश्ती प्रणाली की पोल खोल रही है। फिलहाल वन विभाग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जंगल के आसपास के गांवों और संभावित संदिग्धों से पूछताछ कर रहा है। देखना होगा कि विभागीय जांच में इस राष्ट्रीय पशु बाघ की मौत का सच कब तक सामने आता है।

संदेह पर ताराचंद मड़ावी को वन विभाग ने पकड़ा

पोटूटोला बहियाटिकुर जंगल क्षेत्र में बाघ का शव मिलने के बाद वन विभाग के आला अधिकारी घटना स्थल पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। डॉग स्क्रायड और फॉरेंसिक टीम की मदद ली जा रही है। डॉग स्क्रायड की मदद से सर्चिंग की जा रही थी तो उक्त डॉग स्क्रायड ग्रामीण ताराचंद मडावी के घर पहुंचा। जिसके बाद वन विभाग के अधिकारियों के द्वारा सर्चिंग की गई तो उसके मकान में सांभर का सिंग मिला है। सांभर के सिंग मिलने पर उक्त व्यक्ति पर संदेह व्यक्त किया जा रहा है और मृत अवस्था में मिले बाघ के शव की घटना को उससे जोड़ा जा रहा है। वन विभाग के द्वारा संदेह पर ताराचंद मड़ावी को पकड़कर अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की जा रही है। वहीं ताराचंद मड़ावी का कहना है कि पुर्वजों के समय से सांभर का सिंग घर पर रखा हुआ है, बिना तथ्य के मुझ पर संदेह व्यक्त किया जा रहा है जो गलत है, मैं निर्दोष हु। वहीं वन विभाग के एसडीओं यशपाल मेहरा से दूरभाष पर बहियाटिकुर पोटूटोला के जंगल क्षेत्र में राष्ट्रीय पशु बाघ की मौत किस कारण से हुई है और आगे क्या कार्यवाही की जायेगी के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

पुराना है सांभर का सिंग - ताराचंद

ताराचंद मड़ावी ने बताया कि मकान से जो सांभर के सिंग बरामद वन विभाग के द्वारा किये गये है वे बहुत पुराने है, हमारे दादा-परदादा के समय के है। लेकिन वन विभाग के द्वारा सिंग मिलने पर मुझे पकड़ा गया है जो गलत है। जबकि बाघ प्रकरण से मेरा कोई लेना-देना नही है, मुझे जबरदस्ती पकड़कर परेशान किया जा रहा है।

वन विभाग एवं ग्रामीणों से मिली थी बाघ का शव मिलने की जानकारी - कमलकिशोर

बहियाटिकुर सरपंच प्रतिनिधि कमलकिशोर ठाकरे ने बताया कि वन विभाग और ग्रामीणों से सूचना मिली थी कि बीट क्रमांक 443(पोटूटोला क्षेत्र) में एक बाघ का शव पड़ा हुआ है। जिसके बाद घटना स्थल पहुंचे तो पाया कि वन्यप्राणी बाघ मृत अवस्था में पड़ा हुआ था।, जिसकी उम्र करीब 2 वर्ष के लगभग आंकी गई है। श्री ठाकरे ने बताया कि पोटूटोला जंगल से लगा हुआ क्षेत्र है और बाघ की कैसे मौत हुई है पता नही, वन विभाग के द्वारा मृत बाघ का पोस्टमार्टम करवाकर अधिकारियों की निगरानी में नियमानुसार बाघ का अंतिम संस्कार किया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

बाघ के शरीर में घाव के निशान देखे गये है - अनीस

वन्यजीव प्रेमी, पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि जिस सोनेवानी क्षेत्र को कंजर्वेशन रिजर्व या अभ्यारण्य बनाने की योजना पर काम चल रहा है, वहां लगातार बाघों की मौत होना बेहद दुःखद और चिंताजनक है। वीडियो फुटेज देखने पर बाघ के पेट के मध्य भाग पर घाव का बड़ा निशान दिखाई दे रहा है, जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि किसी अज्ञात के द्वारा उसका शिकार किया गया है या फिर संदिग्ध कृत्य का अंदेशा लग रहा है। श्री खान ने बताया कि एक ही बीट में एक वर्ष के अंदर लगातार दो बाघों की मृत्यु होना विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होने लगे है। साथ ही यह भी बताया कि यह घटना अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के दिन सामने आई है। जो चिंताजनक है। वन विभाग से मांग है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी से कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाये और वनप्राणी जीवों को संरक्षित करने के क्षेत्र में काम करें।

खारी के श्रीराम मंदिर में गुरू पुर्णिमा पर किया गया पौधारोपण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी दूर ग्राम पंचायत खारी स्थित श्रीराम मंदिर में गुरू पुर्णिमा के अवसर पर श्री राम मंदिर एवं श्री राम मंदिर महिला वाहिनी सेवा समिति के तत्वाधान में बुधवार को मंदिर में विविध धार्मिक कार्यक्रम एवं पौधारोपण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थित पदाधिकारी एवं श्रध्दालुओं ने भगवान श्रीराम की विधि-विधान से पूजा अर्चना कर भगवान को वस्त्र समर्पित कर पूजा अर्चना कर मंदिर के शिखर पर ध्वज चढ़ाया गया। साथ ही लगाये गये पौधों की सुरक्षा करने का संकल्प लिया गया। चर्चा में दिनेश सपाटे ने बताया कि गुरू पुर्णिमा के अवसर पर ग्राम के श्रीराम मंदिर में विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। साथ ही मंदिर परिसर में विभिन्न प्रजाति के फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। साथ ही यह भी बताया कि आगामी योजना अनुसार श्री हनुमान चालीसा के लोहे के फ्रेम बोर्ड बनवाने का कार्य प्रगतिरत है जो कि मंदिर वाली सड़क में राणा जी के घर से स्कूल चौक तक लगाये जायेगे। इस कार्य में ग्राम के धर्मप्रेमी द्वारा आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है जिनका आगामी समय में स्वागत कर आभार प्रगट किया जायेगा। इस अवसर पर गेंदलाल बोपचे पूर्व सोसायटी अध्यक्ष, टुंडीलाल बोपचे उपाध्यक्ष, दिनेश सपाटे कोषाध्यक्ष, श्रीमति 'योतिकरण सपाटे अध्यक्ष श्रीराम मंदिर महिला वाहिनी सेवा समिति, श्रीमती सिंधु चौहान उपाध्यक्ष श्रीमती कुसमन बोपचे वरिष्ठ सदस्य, श्रीमती पुष्पलता ठाकरे वरिष्ठ सदस्य, श्रीमती श्वेता कोषाध्यख, श्रीमती वर्षा हरिनखेड़े वरिष्ठ सदस्य, श्रीमति मनिता नागेश्वर वरिष्ठ सदस्य, श्रीमती अमृता चौहान वरिष्ठ सदस्य, श्रीमती राणा , गौरव टेंभरे, चंद्रकांत, नोपेश सहित समिति के पदाधिकारी, सदस्यगण एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में श्रध्दा और उत्साह के साथ मनाया गया सांदीपनि गुरू पर्व

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वाधान में बुधवार को गुरुपूर्णिमा के शुभ अवसर पर सांदीपनि गुरू पर्व का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान महाविद्यालय परिसर में गुरू-शिष्य परंपरा और भारतीय ज्ञान परंपरा का सुंदर संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों एवं प्राध्यापकों द्वारा ज्ञान की देवी मां सरस्वती एवं महर्षि सांदीपनि गुरू के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्र'वलन कर किया गया। जिसके उपरांत बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा मुस्कान शेख ने मधुर स्वर में माँ सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर संपूर्ण वातावरण को आध्यात्मिक और भक्तिमय बना दिया। भारतीय परंपरा के अनुसार विद्यार्थियों द्वारा उपस्थित गुरूजनों का श्रीफल एवं तिलक लगाकर आदरपूर्वक स्वागत व अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्राध्यापकों और अतिथियों ने गुरू की महिमा पर अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को गुरू पुर्णिमा के महत्व के बारे में बताया। वहीं प्रभारी प्राचार्य डॉ. देवराज चौरे ने विद्यार्थियों को गुरुपूर्णिमा की बधाई देते हुए कहा कि गुरू का मार्गदर्शन ही जीवन में सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होने छात्रों के उज्जवल भविष्य और निरंतर आगे बढ़ने की कामना की। वहीं सुंदरलाल भलावी सेवानिवृत्त शिक्षक एवं अतिथि ने अपने विशेष व्याख्यान में भारतीय संस्कृति में गुरू के सर्वोच्च स्थान और शिष्य के जीवन को संवारने में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उ'जवला दीदी ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र लालबर्रा ने कहा कि गुरू केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाते हैं। हर व्यक्ति के निर्माण में गुरू का योगदान अतुलनीय होता है। डी.के. नारायण सोलंकी सेवानिवृत्त शिक्षक ने एक सुमधुर कविता के माध्यम से गुरू और शिष्य के बीच के अटूट विश्वास और पवित्र संबंध को रेखांकित किया। एम.आर. पटले ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि एक गुरू के लिए उसका सबसे बड़ा धन उसके शिष्यों द्वारा दिया जाने वाला सच्चा मान-सम्मान और निष्ठा ही है। कार्यक्रम का कुशल और प्रभावपूर्ण मंच संचालन डॉ. आरती विश्वकर्मा द्वारा किया गया। वहीं कार्यक्रम के अंत में नरेश सोलखे ने उपस्थित सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त किया। इस आयोजन को सफल बनाने में सुमन बरवा, प्रदीपकुमार भिमटे, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे, मनीष शिवहरे, डॉ. आशा कारे, दीपक अहिरवार, यादोराव राजुरकर, व्यंकट नगपुरे, श्रीमती सरिता एड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, निशांत तलवरे सहित महाविद्यालय के समस्त कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं का सराहनीय और सक्रिय योगदान रहा।

सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में सांदीपनि उत्सव के साथ गुरु पूर्णिमा पखवाड़े का समापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्कूल शिक्षा विभाग, मप्र शासन के निर्देशानुसार 15 से 29 जुलाई 2026 तक आयोजित गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा के अंतर्गत मंगलवार को सांदीपनि विद्यालय, बालाघाट में सांदीपनि उत्सव का आयोजन कर पखवाड़े का समापन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा विज्ञान विषय पर आधारित विभिन्न मॉडलों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई, जिसका अतिथियों ने अवलोकन कर सराहना की। कार्यक्रम में अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम हरिनखेड़े, नगर पालिका परिषद बालाघाट की अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन, अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक मोहित डहेरिया तथा विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती मोनिका पटेल मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन-अर्चन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरु ज्ञान, संस्कार और जीवन मूल्यों के मार्गदर्शक होते हैं तथा उनके आदर्शों का अनुसरण कर विद्यार्थी अपने जीवन को सफल बना सकते हैं। विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती मोनिका पटेल ने विद्यार्थियों से गुरुजनों द्वारा दी गई शिक्षा को आत्मसात करने, अनुशासन का पालन करने तथा अध्ययन-अध्यापन में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उज्वल भविष्य बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान वार्षिक परीक्षा में प्रदेश एवं जिला प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यालय के छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। अंत में उपप्राचार्य साजिद मोहिस ने उपस्थित अतिथियों एवं अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती स्वप्ना लाल, श्रीमती गीता तुरकर एवं संजय वानखेड़े ने किया।

१२ घंटे की मूसलाधार बारिश से जनजीवन हुआ प्रभावित

नाले रहे उफान पर यातायात व्यवस्था हुई ठप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी और उसके आस पास के क्षेत्रों में मंगलवार और बुधवार के दरमियान हुई १२ घंटे से अधिक की मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह से प्रभावित कर दिया है। भारी बारिश के कारण जहां एक ओर शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण अंचलों को जोड़ने वाले नदी नाले उफान पर आ गए। इसके चलते आवागमन बुरी तरह बाधित हुआ और लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

उफान पर रहे नदी नाले ४ फीट ऊपर से बहा पानी

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर से शुरू हुई बारिश का सिलसिला बुधवार रात जारी रहा। इस बारिश का सबसे ज्यादा असर बाहरी मार्गों पर देखने को मिला। लालबर्रा रोड स्थित टोंडिया नाला, तुमाड़ी नाला, कोपे नाला और थानेगांव नाला पूरी तरह से उफान पर आ गए। बुधवार अलसुबह से ही जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा था। लालबर्रा रोड पर टोंडिया नाले की पुलिया के ऊपर से करीब ४ फीट पानी बह रहा था। पानी के तेज बहाव को देखकर अधिकांश लोगों ने जान जोखिम में डालने से परहेज किया। हालांकि तुमाड़ी और थानेगांव की पुलिया पर कुछ लोग अपनी जान हथेली पर रखकर पुलिया पार करते हुए भी नजर आए। लालबर्रा मार्ग पर बाढ़ जैसे हालात होने के कारण यातायात पूरी तरह से ठप रहा। सुबह सुबह काम पर निकलने वाले मजदूर, स्कूल.कॉलेज जाने वाले विद्यार्थी और नौकरीपेशा लोगों को नाले का रौद्र रूप देखकर निराश होकर वापस लौटना पड़ा। कई लोगों को मजबूरन अपने काम से छुट्टी लेनी पड़ी तो कुछ लोगों ने अपनी मंजिल तक पहुंचने के लिए कई किलोमीटर लंबे वैकल्पिक मार्गों का सहारा लिया। हालांकि शुरुआत में लालबर्रा रोड पर प्रशासन की मौजूदगी नहीं थी जिससे लोग खुद ही सावधानी बरत रहे थे। लेकिन हालात बिगड़ते देख पुलिस प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। पुलिस ने लोगों को चेतावनी दी और जोखिम भरे रास्तों पर आवागमन को पूरी तरह से रोक दिया। गनीमत यह रही कि दिन में बारिश रुकने के बाद शाम तक पानी का स्तर धीरे धीरे कम होने लगा जिसके बाद यातायात फिर से बहाल हो सका। यह कोई पहला मौका नहीं है जब बारिश के मौसम में लोगों को इस तरह की जलभराव और बाढ़ की परेशानी उठानी पड़ी हो। हर साल होने वाली इस गंभीर समस्या से परेशान होकर क्षेत्रवासियों ने अब शासन प्रशासन से लालबर्रा रोड पर उच्च स्तरीय पुलिया के निर्माण की मांग की है,ताकि भविष्य में बारिश के दिनों में यातायात बाधित ना हो और लोगों को स्थायी निजात मिल सके।

शहर में जलभराव से बढ़ी मुश्किलें

इस अनवरत बारिश से नगर की रानी दुर्गावती कॉलोनी, वार्ड नंबर ९ स्थित मटन मार्केट और सविता टॉकीज के सामने भारी जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई। कॉलोनियों और मुख्य मार्गों पर पानी भर जाने से स्थानीय लोगों को घर से निकलने में भारी जद्दोजहद करनी पड़ी। हालांकि सुबह तक यह पानी निकल गया परंतु रात्रि के समय घर लौटने वालों को इस समस्या का सामना करना पड़ा तो वहीं कुछ मकानों के आंगन में भी यह पानी जम रहा जिससे लोग काफी विचलित नजर आये।

सुरक्षित आवागमन के लिए ऊंचा पुल बनाया जाना चाहिए-विकास ठाकुर

विकास ठाकुर ने बताया कि मैं रोज नेवरगांव कक्षा लेने जाता हूं लालबर्रा रोड पर यह टोंडिया नाला है। इसकी हमें कोई सूचना नहीं थी यहां आकर देखा तो कमर से ऊपर पानी बह रहा है बहाव काफी तेज है। अभी जाना कहीं से भी सुरक्षित नहीं है हालांकि बारिश बंद है अब यह जमा पानी निकल रहा है। हर वर्ष की समस्या है लोग अभी रुके हुए हैं यह नाला पार करते समय पहले कई लोगों ने अपनी गाड़ी और जान दोनों गवा चुके है। सुरक्षित आवागमन के लिए ऊंचा पुल बनाया जाना चाहिए ताकि इस परेशानी से बचे अभी पीछे पूरी ट्रक और मोटरसाइकिल की लाइन लगी हुई। परंतु सबसे ज्यादा समस्या नेवरगांव ,खमरिया वालों को जो मजदूर और विद्यार्थी यहां से आना जाना करते हैं।

ग्रामीण क्षेत्र के मजदूर और विद्यार्थियों के लिए एक बड़ी समस्या है-राहुल कटरे

राहुल कटरे ने बताया की नाले में अभी बहुत ज्यादा पानी भरा हुआ है काफी ज्यादा बारिश हो जाने से यह नाले उफान पर है। आवागमन की स्थिति दयनीय है खुलने में अभी समय लगेगा जलस्तर अभी बढ़ रहा है। यह इकलौता राज्य मार्ग है जहां से सिवनी,छिंदवाड़ा ,जबलपुर ,भोपाल के लिए लोग आते जाते हैं परंतु वह बंद हो गया है। ग्रामीण क्षेत्र के मजदूर और विद्यार्थियों के लिए यह एक बड़ी समस्या है। नाले को ऊंचा करना चाहिए और सुरक्षा के लिए पुलिस होनी चाहिए वह अभी यहां पर दिख नहीं रही है पिछली बार ऐसे ही एक व्यक्ति बी बाढ़ पर फंस गया था।

कटंगी महाविद्यालय में महर्षि सांदीपनि गुरु पर्व का हुआ आयोजन

विधायक गौरव सिंह पारधी ने किया गुरुजनों का सम्मान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर राजा भोज शासकीय महाविद्यालय कटंगी में महर्षि सांदीपनि गुरु पर्व का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कटंगी विधायक एवं महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष गौरव सिंह पारधी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने गुरुजनों का शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मान किया तथा विद्यार्थियो , प्राध्यापकों और महाविद्यालय परिवार के साथ गुरु.शिष्य परंपरा के महत्व पर विचार साझा किए। विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। गुरु केवल ज्ञान ही नहीं देत बल्कि जीवन को सही दिशा संस्कार और व्यक्तित्व प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि माता पिता के बाद गुरु ही व्यक्ति को समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का बोध कराते हैं। विधायक पारधी ने सभी गुरुजनों के उत्तम स्वास्थ्य दीर्घायु एवं सतत मार्गदर्शन की कामना करते हुए गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता दिनेश मेश्राम ने कहा कि भारतीय संस्कृति की पहचान गुरु.शिष्य परंपरा से है। गुरु केवल ज्ञान का संचार नहीं करते बल्कि चरित्र निर्माण नैतिक मूल्यों और जीवन के आदर्शों की स्थापना भी करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से गुरुजनों के मार्गदर्शन का सम्मान करते हुए अनुशासन संस्कार और निरंतर अध्ययन को जीवन का मूल मंत्र बनाने का आह्वान किया। वहीं श्रीमती कुसुमलता उइके ने भी गुरु के प्रति श्रद्धा समर्पण और भारतीय संस्कृति के संरक्षण में गुरुजनों की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान दिनेश मेश्राम, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.अनिल शेंडे, श्रीमती कुसुमलता उइके, वैभव गुप्ता, टिंकल बाघमरे, अनुज अग्रवाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मिश्रा नगर में डॉक्टर के क्लीनिक में लाखों की चोरी

ताला तोड़कर ८ तोला सोना और १.३० लाख रूपये नगदी पार, जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में अज्ञात चोरों के बुलंद हौसलों और लगातार हो रही सेंधमारी की घटनाओं से आमजन में दहशत का माहौल है। ताज़ा मामला वारासिवनी के वार्ड नंबर १ मिश्रा नगर स्थित लाल किवाड़ी सड़क का है। जहाँ मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात अज्ञात बेखौफ चोरों ने डॉक्टर युगेन्द्र रहाँगडाले के क्लीनिक को अपना निशाना बनाया। चोरों ने क्लीनिक के शटर का ताला तोड़कर अंदर रखे करीब ८ तोला सोने के जेवरात, चांदी के सामान और १ लाख ३० हजार रुपये नगद पर हाथ साफ कर दिया। इस वारदात में पीड़ित को कुल १२ लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है।

चोरी की घटना सून क्लीनिक के ड्रॉज में रखे थे जेवर और कैश

प्राप्त जानकारी के अनुसार डॉ.युगेन्द्र रहाँगडाले का घर और क्लीनिक एक ही परिसर में स्थित हैं। सामने की दुकान में वे अपना अस्पताल संचालित करते हैं और पीछे उनका निवास स्थान है। हाल ही में उन्होंने कृषि कार्य के लिए बैंक से नगदी राशि निकाली थी। साथ ही परिवार के बाहर जाने का कार्यक्रम होने के कारण उन्होंने बैंक लॉकर से सोने चांदी के गहने भी घर लाए थे। घर में चोरी होने की आशंका और डर के चलते उन्होंने सुरक्षा के लिहाज से सोने चांदी के जेवरात, एफडीए चेक, पासबुक और अन्य जरूरी दस्तावेज क्लीनिक के ड्राज में रख दिए थे। प्रतिदिन की तरह रात में वे क्लीनिक बंद कर पीछे अपने घर में सोने चले गए थे। रात भर हो रही तेज बारिश का फायदा उठाकर चोरों ने घटना को अंजाम दिया। घटना का खुलासा बुधवार सुबह उस वक्त हुआ जब डॉ.युगेन्द्र रहाँगडाले मॉर्निंग वॉक के लिए उठे। घर से बाहर निकलते ही उनकी नज़र सड़क पर पड़ी जहाँ क्लीनिक का टूटा हुआ ताला गिरा हुआ था और शटर थोड़ा ऊपर उठा हुआ था। आशंका होने पर जब उन्होंने शटर उठाकर अंदर देखा तो क्लीनिक का पूरा सामान अस्त व्यस्त पड़ा था और सभी ड्रॉज खुले हुए थे। जांच करने पर कीमती सामान गायब मिले इसमें सोने के आभूषण लगभग ८ तोला जिसमें २ मंगलसूत्र, १ जोड़ी बाले, ५ पत्ती, जव मनी और अन्य जेवर और चांदी के सामान में चांदी की गिलास, ५ चांदी के सिक्के नगद राशि १३०००० रुपये शामिल हैं।

पुलिस प्रशासन और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर जाकर की जांच

वारदात की तुरंत जानकारी मिलने पर पीडित परिवार ने डायल ११२ को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस थाना वारासिवनी से प्रधान आरक्षक व पुलिस बल की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए घटना स्थल पर डॉग स्क्वॉड और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट्स की टीम को भी बुलाया गया। दोनों विशेषज्ञ टीमों ने मौका.ए.वारदात का बारीकी से मुआयना किया और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने पीड़ित डॉक्टर की शिकायत पर अज्ञात चोरों की तलाश में सघन जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से स्थानीय निवासियों में पुलिस गश्त बढ़ाए जाने की मांग उठने लगी है।

चोरो ने लगभग १२ लाख रूपये की चोरी को अंजाम दिया है-युगेन्द्र रहागंडाले

डॉ.युगेन्द्र रहाँगडाले ने बताया कि रात करीब १.३० से २ बजे के बीच यह चोरी की वारदात हुई है। इसमें सोना और चांदी के विभिन्न जेवरात सहित नगद राशि अज्ञात चोरों ने चोरी कर ले गए हैं। यह चोरी हमारे क्लीनिक में हुई है जेवर हम वहीं पर रखते हैं घर में चोरी का डर बना रहता है इसलिए हमने क्लीनिक में यह सब रखा था। कई सालों से रख रहे हैं मैंने १३०००० कृषि कार्य के लिए अभी निकल कर लाया था इसके साथ तकरीबन ८ तोला सोना और चांदी मिलाकर करीब १२ लाख रुपए के सामान की चोरी हुई है। शटर का ताला मुझे रोड़ पर सामने मिला तब जाकर मैंने ध्यान दिया खोल कर देखा तो अंदर पूरा सामान बिखरा हुआ था। पुलिस में शिकायत कर दिए हैं उन्होंने आकर जांच की है।

सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में धूमधाम से मनाई गई गुरु पूर्णिमा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गुरु पूर्णिमा का पर्व बड़े ही धूमधाम एवं श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती और गुरु महर्षि वेदव्यास के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात अतिथियों का तिलक अभिनंदन व श्रीफल भेंट कर स्वागत किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य अतिथि अमित मेश्राम , जितेंद्र टेंभरे सहित अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें कुमारी यामिनी भौरगढे, कनक बिसेन ने विद्यालय के छात्र.छात्राओं के साथ मिलकर सभी गुरुजनों का तिलक लगाकर और श्रीफल भेंटकर सम्मान किया। इस दौरान अमित मेश्राम ने गुरुओं की मेहनत पर प्रकाश डालते हुए उन्हें समाज में सम्मान का विशेष पात्र बताया। वहीं जितेंद्र टेंभरे ने गुरु के अपार महत्व को समझाते हुए कहा की गुरु के बिना ज्ञान अधूरा है। गुरु ही निष्पक्ष भाव से अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए हमें अज्ञानता के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाते हैं। प्राचार्य रवि शंकर पटेल ने कहा की यदि समुद्र के पानी को स्याही और संपूर्ण पृथ्वी को कागज बना दिया जाए तब भी गुरु की महिमा का बखान पूरा नहीं किया जा सकता। तत्पश्चात् विद्यार्थियों के द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विद्यार्थियों ने गीत एवं भाषण के माध्यम से गुरु की महिमा पर अपने विचार रखे। प्रस्तुतियां देने वाले विद्यार्थियों में महिमा नेवारे, यामी वासनिक, लावण्या भौरगढे, हेमाशी ठाकरे, प्रिंसी पट्ले, प्रांसी चौधरी, कनक बिसेन, हिमानी, निकिशा, डिंपल, एलिजा, लावण्या पटले, निशांत टेंभरे एवं प्रिंस भगत शामिल रहे। कक्षा केजी १ से ५वीं तक के बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता तथा कक्षा ६वीं से १०वीं तक के विद्यार्थियों के लिए निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर दयानंद धुवारे ,श्रीमती लता पटले ,श्रीमती पल्लवी चित्रीव एवं अंजूषा कटरे सहित शिक्षक शिक्षिकाएं छात्र छात्राएं बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

शीतला माता मंदिर में अखाड़ी पर अठवाई चढ़ाकर नगरवासियों ने मांगी सुख समृद्धि

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर की प्रसिद्ध ग्राम देवी माता शीतला के दरबार में २९ जुलाई को प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार अखाड़ी पर्व अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर नगरवासियों ने माता शीतला को अठवाई चढ़ाकर विशेष पूजा.अर्चना की और सुख.समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त किया। पर्व के उपलक्ष्य में मंदिर के पंडा द्वारा माता शीतला देवी का विशेष पूजन अर्चन कर महाआरती की गई। इसके बाद वर्ष के प्रथम पर्व पर दर्शन और पूजन के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से शुरू हुआ पूजा.अर्चना का यह दौर देर शाम तक निर्विघ्न चलता रहा। श्रद्धालुओं ने माता रानी के दरबार में अठवाई चढ़ाई, पकवानों का भोग लगाया और मत्था टेककर मनोकामनाएं मांगी। शीतला माता का यह मंदिर ३०० वर्ष से भी अधिक पुराना है। नगर का हर नागरिक अपने किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत माता के दर्शन और आशीर्वाद के साथ ही करता है। मान्यता है कि जो भी भक्त सच्चे मन से माता के दरबार में मन्नत मांगता है,उसकी मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है। सनातन परंपरा में अखाड़ी को वर्ष का पहला पर्व माना जाता है जिसके साथ ही हिंदू त्योहारों की शुरुआत होती है। इसके साथ ही पवित्र सावन मास का भी आरंभ हो गया है। अब पूरे सावन माह में नगर के मंदिरों में रोजाना भक्तों द्वारा जलाभिषेक और विशेष पूजा.अर्चना की जाएगी।

मित्रता है मानवता का सबसे मजबूत सेतु

आज का विश्व अभूतपूर्व वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी विकास और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उत्कर्ष का साक्षी है, लेकिन इसके समानांतर एक कठोर सच्चाई भी हमारे सामने है-मनुष्य पहले से अधिक अकेला, तनावग्रस्त और संबंधों से विहीन होता जा रहा है। परिवार छोटे हुए हैं, संवाद सीमित हुआ है, विश्वास कमजोर पड़ा है और संवेदनाएं लगातार क्षीण हो रही हैं। ऐसे समय में अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को बचाने का एक सांस्कृतिक और नैतिक अभियान है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रत्येक वर्ष 30 जुलाई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस इस विश्वास को मजबूत करता है कि मित्रता केवल दो व्यक्तियों के बीच का संबंध नहीं, बल्कि देशों, संस्कृतियों, समुदायों और सम्पूर्ण मानवता के बीच शांति का सेतु है। 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिवस को मान्यता देते हुए स्पष्ट किया था कि यदि दुनिया में स्थायी शांति स्थापित करनी है तो उसके लिए हथियारों से अधिक प्रभावी माध्यम मित्रता, संवाद और पारस्परिक सम्मान है। नयी सभ्यता और उपभोक्तावाद के इस दौर में हर रिश्ता लाभ और हानि की तुला पर तौला जाता है। यही कारण है कि वैचारिक मतभेदों से मनभेद, प्रतिस्पर्धा से विरक्ति, और स्वार्थ से संवेदनहीनता जन्म ले रही है। ऐसे समय में दोस्ती ही एकमात्र ऐसा रिश्ता है जो इन सभी दीवारों को गिरा सकता है। यह केवल 'रिश्ता' नहीं बल्कि एक मन:स्थिति, एक दृष्टिकोण, एक आध्यात्मिक अनुभव है। जहां यह पर्व दक्षिण अमेरिकी देशों में 20 और 30 जुलाई को मनाया जाता है, वहीं भारत, मलेशिया, बांग्लादेश जैसे देशों में यह अगस्त के पहले रविवार को धूमधाम से मनाया जाता है। युवाओं के लिए यह केवल गिफ्ट, सेल्फी और चॉकलेट तक सीमित रह गया है, जबकि इसकी मूल आत्मा है एक-दूसरे की भावनाओं को समझना, स्वीकार करना और निभाना। भारतीय संस्कृति ने तो हजारों वर्षों पूर्व ही इस सत्य को स्वीकार कर लिया था। हमारे यहां 'मित्रस्य चक्षुषा सर्वाणि भूतानि समीक्षन्ताम्' अर्थात् समस्त प्राणियों को मित्र-दृष्टि से देखने की कामना की गई है। जैन दर्शन का मैत्री भाव, बौद्ध धर्म की मैत्री भावना, उपनिषदों का वसुधैव कुटुम्बकम् तथा संत परम्परा का प्रेम-दर्शन इसी वैश्विक मित्रता की आधारशिला हैं। मित्रता संसार का सबसे स्वाभाविक और सबसे स्वतंत्र संबंध है। जन्म से मिलने वाले रिश्तों के विपरीत मित्रता का चुनाव मनुष्य स्वयं करता है। इसमें न रक्त का बंधन है, न किसी सामाजिक अनुबंध की बाध्यता। यह विश्वास, आत्मीयता, सम्मान और स्वीकार्यता पर आधारित वह रिश्ता है जिसमें व्यक्ति बिना किसी भय और संकोच के स्वयं को अभिव्यक्त कर सकता है। सच्चा मित्र हमारी सफलताओं पर प्रसन्न होता है और हमारी असफलताओं में सबसे पहले हमारे साथ खड़ा दिखाई देता है। श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता भारतीय संस्कृति में केवल दो मित्रों की कहानी नहीं है, बल्कि यह बताती है कि मित्रता का मूल्य धन, पद और वैभव से कहीं ऊपर है। श्रीराम और विभीषण की मित्रता यह संदेश देती है कि सत्य और धर्म के आधार पर स्थापित संबंध कभी नष्ट नहीं होते। इतिहास में ऐसी अनेक मित्रताएं हमें यह सिखाती हैं कि सच्चा मित्र वही है जो हमारे व्यक्तित्व का विस्तार बने, हमारे विवेक को जागृत करे और कठिन समय में हमारा संबल बने। किन्तु आज एक गंभीर प्रश्न हमारे सामने है-यदि मित्रता इतनी महान है तो समाज में वैमनस्य, हिंसा, घृणा और अविश्वास क्यों बढ़ रहा है? परिवारों में संवाद क्यों टूट रहा है? विचारों का मतभेद मनभेद में क्यों बदल जाता है?

डिजिटल संप्रभुता,लोकतंत्र और सोशल मीडिया जवाबदेही

मेटा विवाद, नीट आंदोलन और उभरती वैश्विक नीति चुनौती

वैश्विक स्तरपर भारत में वर्ष 2026 का नीट पेपर लीक विवाद केवल एक परीक्षा की विश्वसनीयता का प्रश्न नहीं रहा,बल्कि यह युवाओं के विश्वास, लोकतांत्रिक अधिकारों, न्यायपालिका की भूमिका, सरकार की जवाबदेही तथा वैश्विक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्मों की शक्ति से जुड़ा बहुआयामी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विषय बन गया।जंतर-मंतर पर हुआ व्यापक छात्र आंदोलन, उसके बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा, न्यायपालिका की सक्रियता तथा भारतीय प्रधानमंत्री की फेसबुक पोस्ट हटाए जाने को लेकर मेटा और भारत सरकार के बीच उत्पन्न विवाद,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इन सभी घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि इक्कीसवीं सदी का लोकतंत्र केवल संसद न्यायालय और चुनाव तक सीमित नहीं रह गया है।अब सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म भी लोकतांत्रिक विमर्श के निर्णायक मंच बन चुके हैं।जंतर-मंतर पर हजारों छात्रों और युवाओं द्वारा किया गया आंदोलन भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं में गिना जा सकता है। इस आंदोलन का मूल उद्देश्य केवल नीट परीक्षा की निष्पक्षता सुनिश्चित करना नहीं था, बल्कि यह संदेश देना भी था कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और समान अवसर लोकतांत्रिक शासन की आधारशिला हैं। इस आंदोलन ने भारत के भीतर व्यापक जनसमर्थन प्राप्त किया और अंतरराष्ट्रीय मीडिया तथा वैश्विक शिक्षा जगत का भी ध्यान आकर्षित किया।इससे यह संदेश गया कि विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र अपने युवाओं की आवाज़ को गंभीरता से सुनने की क्षमता रखता है।आंदोलन के बाद उत्पन्न परिस्थितियों में केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को कई विश्लेषकों ने राजनीतिक जवाबदेही का उदाहरण माना। लोकतांत्रिक शासन में मंत्री केवल प्रशासनिक प्रमुख नहीं होते, बल्कि वे नैतिक उत्तरदायित्व का भी प्रतिनिधित्व करते हैं।यद्यपि किसी भी इस्तीफे के पीछे अनेक राजनीतिक और प्रशासनिक कारण हो सकते हैं,फिर भी जनता के बीच यह धारणा बनी कि लोकतांत्रिक दबाव और जनआंदोलन शासन को उत्तरदायी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।यह लेख सार्वजनिक रूप से उपलब्ध दावों,घटनाक्रमों और लोकतांत्रिक विमर्श के आधार पर विश्लेषण प्रस्तुत करता है।जिन मामलों का संबंध न्यायालय, सरकारी जांच अथवा आधिकारिक पुष्टि से है,उन्हें अंतिम तथ्य नहीं बल्कि उपलब्ध सूचनाओं के संदर्भ में सटीकता से देखा जाना चाहिए।

साथियों, 28 जुलाई 2026 को सुप्रीम कोर्ट में हुईसुनवाई ने इस पूरे घटनाक्रम को नया आयाम दिया। विभिन्न समाचार रिपोर्टों के अनुसार न्यायालय ने शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार,कानून के समक्ष समानता तथा अनावश्यक कठोर कार्रवाई से बचने की आवश्यकता पर गंभीर टिप्पणियाँ कीं। रिपोर्टों में यह भी कहा गया कि अदालत ने 18 वर्ष से कम आयु के आंदोलनकारियों तथा ऐसे प्रदर्शनकारियों के संबंध में, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था,तत्काल मानवीय और विधिसम्मत दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। न्यायालय की कार्यवाही का व्यापक संदेश यही माना गया कि लोकतंत्र में असहमति को अपराध के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए और राज्य की शक्ति का प्रयोग संविधान की सीमाओं के भीतर होना चाहिए। अंतिम और बाध्यकारी स्थिति न्यायालय के आधिकारिक आदेश से ही निर्धारित होती है। साथियों, इस पूरे घटनाक्रम के समानांतर एक दूसरा विवाद सामने आया जिसने राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़कर डिजिटल शासन और तकनीकी कंपनियों की जवाबदेही पर वैश्विक बहस छेड़ दी।भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा युवाओं,विशेषकर जेन- ज़ेड, को संबोधित एक फेसबुक पोस्ट और वीडियो प्लेटफ़ॉर्म से हट जाने की घटना ने अनेक प्रश्न खड़े कर दिए। बाद में मेटा ने इसे तकनीकी त्रुटि बताते हुए सामग्री पुन:बहाल कर दी,किंतु विवाद यहीं समाप्त नहीं हुआ।भारत सरकार ने इस स्पष्टीकरण को पर्याप्त नहीं माना और विस्तृत जानकारी मांगी कि इतनी महत्वपूर्ण आधिकारिक सामग्री आखिर किस प्रक्रिया और किस कारण से हटाई गई।यहीं से यह विवाद केवल एक पोस्ट हटने का नहीं रहा, बल्कि डिजिटल संप्रभुता का विषय बन गया। किसी भी संप्रभु राष्ट्र का यह स्वाभाविक अधिकार है कि उसके निर्वाचित नेतृत्व और सरकारी संचार से संबंधित डिजिटल सामग्री के प्रबंधन में पारदर्शिता, जवाबदेही और स्पष्ट प्रक्रिया हो। यदि किसी वैश्विक प्लेटफ़ॉर्म पर करोड़ों नागरिक सूचना प्राप्त करते हैं, तो उस प्लेटफ़ॉर्म की नीतियाँ भी सार्वजनिक विश्वास की कसौटी पर सटीकता से परखी जाएँगी। साथियों, मेटा,जो फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप जैसे विश्व के सबसे बड़े सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म संचालित करती है,लंबे समय से विभिन्न देशों में सामग्री मॉडरेशन, गोपनीयता, डेटा सुरक्षा और स्थानीय कानूनों के अनुपालन को लेकर चर्चा और विवाद का विषय रही है। भारत में भी समय-समय पर उस पर भड़काऊ सामग्री हटाने में देरी, फर्जी समाचारों के प्रसार और नियामकीय अनुपालन जैसे मुद्दों पर प्रश्न उठते रहे हैं। इसलिए प्रधानमंत्री की पोस्ट हटने की घटना ने इन पुराने विवादों को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया।सरकारी सूत्रों के अनुसार, भारत सरकार का दृष्टिकोण यह है कि तकनीकी गलती जैसे सामान्य स्पष्टीकरण से इतने महत्वपूर्ण मामले का समाधान नहीं हो सकता।यदि किसी एल्गोरिद्म, स्वचालित प्रणाली या आंतरिक मॉडरेशन प्रक्रिया के कारण ऐसी घटना हुई, तो उसकी पूरी पारदर्शी जानकारी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। यही कारण है कि संबंधित अधिकारियों से विस्तृत स्पष्टीकरण और जवाबदेही की अपेक्षा की गई। साथियों,दूसरी ओर, तकनीकी कंपनियों का पक्ष भी समझना आवश्यक है। मेटा का कहना रहा कि सामग्री गलती से हट गई थी और जैसे ही त्रुटि का पता चला, उसे तुरंत बहाल कर दिया गया। बड़े डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म प्रतिदिन अरबों पोस्ट, वीडियो और संदेशों का प्रबंधन करते हैं। ऐसे में स्वचालित एल्गोरिद्म और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणालियाँ कभी-कभी गलत निर्णय भी ले सकती हैं। किंतु प्रश्न केवल त्रुटि का नहीं, बल्कि उसके निवारण की पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और संस्थागत प्रक्रिया का है।यहीं से एल्गोरिद्मिक पारदर्शिता और डिजिटल जवाबदेही जैसे सिद्धांत अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाते हैं। यदि कोई एल्गोरिद्म यह तय करता है कि कौन-सी सामग्री दिखाई जाएगी, कौन-सी सीमित होगी और कौन-सी हटाई जाएगी, तो लोकतांत्रिक समाज यह जानना चाहेगा कि वह निर्णय किन मानकों पर आधारित था।आधुनिक लोकतंत्र में तकनीकी निर्णय भी सार्वजनिक उत्तरदायित्व से मुक्त नहीं हो सकते। साथियों, इस विवाद ने भारत में स्वदेशी सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म विकसित करने की मांग को भी बल दिया। अनेक विशेषज्ञों का मत है कि जिस प्रकार भारत ने डिजिटल भुगतान, आधार, यूपीआई और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के क्षेत्र में वैश्विक मॉडल प्रस्तुत किया है,उसी प्रकार भविष्य में सुरक्षित, पारदर्शी और भारतीय कानूनों के अनुरूप सोशल मीडिया पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की दिशा में भी गंभीर प्रयास किए जा सकते हैं। हालांकि यह भी उतना ही आवश्यक है कि कोई भी नया प्लेटफ़ॉर्म अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, गोपनीयता और प्रतिस्पर्धा के सिद्धांतों का सम्मान करे।यह विवाद केवल भारत तक सीमित नहीं है। यूरोपीय संघ ने डिजिटल सर्विसेज़ एक्ट, डिजिटल मार्केट्स एक्ट और एआई एक्ट जैसे व्यापक कानूनों के माध्यम से बड़ी तकनीकी कंपनियों पर पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने का प्रयास किया है। अमेरिका में भी सामग्री मॉडरेशन, प्रतिस्पर्धा, डेटा सुरक्षा और प्लेटफ़ॉर्म की शक्ति को लेकर लगातार बहस जारी है। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ब्राज़ील तथा अनेक अन्य लोकतांत्रिक देशों ने भी डिजिटल प्लेटफ़ॉर्मों की भूमिका पर नए नियामकीय ढाँचे सटीकता से विकसित किए हैं। साथियों, भारत भी डिजिटल इंडिया, डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन व्यवस्था,आईटी नियमों और साइबर सुरक्षा ढाँचों के माध्यम से संतुलित डिजिटल शासन स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। चुनौती यह है कि तकनीकी नवाचार को प्रोत्साहन भी मिले और नागरिक अधिकारों, राष्ट्रीय सुरक्षा तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा भी सुनिश्चित हो।कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने इस पूरी बहस को और अधिक जटिल बना दिया है। अब केवल पोस्ट हटाने या दिखाने का प्रश्न नहीं है। एआई यह भी निर्धारित करता है कि कौन- सी सामग्री किस उपयोगकर्ता तक पहुँचेगी,कौन-सा वीडियो वायरल होगा और किस समाचार को प्राथमिकता मिलेगी। यदि इन प्रणालियों में पारदर्शिता नहीं होगी, तो लोकतांत्रिक विमर्श पर उनका प्रभाव अत्यधिक व्यापक हो सकता है। डेटा आज केवल आर्थिक संसाधन नहीं, बल्कि रणनीतिक संपत्ति बन चुका है।नागरिकों का डिजिटल व्यवहार, सामाजिक संबंध, वित्तीय गतिविधियाँ और सूचना उपभोग इन सबका विशाल डेटा भविष्य की अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों को प्रभावित करता है। इसलिए डिजिटल संप्रभुता केवल राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि शासन, सुरक्षा और नागरिक अधिकारों का मूल प्रश्न बन चुकी है।भारत जैसे विशाल लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ी चुनौती संतुलन स्थापित करना है।एक ओर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का मूल अधिकार है, वहीं दूसरी ओर फर्जी समाचार,डीपफेक, साइबर अपराध औरडिजिटल दुष्प्रचार जैसी चुनौतियाँ भी वास्तविक हैं। यदि नियमन अत्यधिक कठोर होगा तो स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है,और यदि नियमन अत्यधिक शिथिल होगा तो डिजिटल अराजकता बढ़ सकती है। इसलिए पारदर्शी, न्यायसंगत और न्यायिक समीक्षा के अधीन नियामकीय व्यवस्था ही दीर्घकालिक समाधान हो सकती है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नीट आंदोलन, सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता, राजनीतिक जवाबदेही और मेटा विवाद, इन सभी घटनाओं ने एक साझा संदेश दिया है कि लोकतंत्र का भविष्य केवल संस्थागत शक्ति पर नहीं, बल्कि नागरिक विश्वास,पारदर्शिता और डिजिटल उत्तरदायित्व पर भी निर्भर करेगा।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

पेपर लीक पर राजनीति से नहीं बनेगी बात

-कांतिलाल मांडोत

युवाओं के भविष्य की रक्षा के लिए अब चाहिए कठोर कानून जवाबदेह व्यवस्था और राष्ट्रीय संकल्प

देश में जब भी किसी बड़ी प्रतियोगी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होता है तो सबसे पहले लाखों युवाओं के वर्षों के परिश्रम पर पानी फिर जाता है। इसके बाद राजनीतिक बयानबाजी का दौर शुरू होता है। सत्ता पक्ष विपक्ष पर आरोप लगाता है और विपक्ष सरकार को कठघरे में खड़ा करता है। प्रदर्शन होते हैं इस्तीफों की मांग उठती है और कुछ समय बाद कोई नया मुद्दा सामने आते ही पूरा विवाद धीरे-धीरे ठंडा पड़ जाता है। लेकिन जिस मूल समस्या ने लाखों युवाओं का भविष्य दांव पर लगाया था उसका स्थायी समाधान आज तक नहीं निकल पाया है। हाल के घटनाक्रम में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इसी राजनीतिक दबाव और छात्र आंदोलन के बीच हुआ। सरकार ने इसे परिस्थितियों के अनुरूप लिया गया निर्णय माना तो विपक्ष ने इसे अपनी जीत बताया। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या किसी मंत्री के इस्तीफा देने भर से पेपर लीक की समस्या समाप्त हो जाएगी। यदि उत्तर नहीं है तो फिर देश को केवल राजनीतिक घटनाक्रम पर नहीं बल्कि व्यवस्था में व्यापक सुधार पर ध्यान देना होगा। पेपर लीक कोई नई समस्या नहीं है। पिछले दो दशकों में देश के अनेक राज्यों में शिक्षक भर्ती पुलिस भर्ती पटवारी भर्ती मेडिकल इंजीनियरिंग और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने के मामले सामने आए हैं। यह भी सत्य है कि अलग-अलग समय में अलग-अलग राजनीतिक दलों की सरकारों के दौरान ऐसी घटनाएं हुई हैं। इसलिए इस समस्या को केवल किसी एक दल या एक व्यक्ति की विफलता बताना वास्तविकता से आंखें मूंदने जैसा होगा। यूपीए सरकार के समय भी कई महत्वपूर्ण परीक्षाओं में अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोप लगे थे। बाद के वर्षों में भी विभिन्न राज्यों में अनेक भर्ती परीक्षाएं विवादों में रहीं। राजस्थान इसका प्रमुख उदाहरण रहा है जहां शिक्षक भर्ती परीक्षाओं सहित कई मामलों ने पूरे देश का ध्यान खींचा। उस समय भी जिम्मेदारी तय करने को लेकर राजनीतिक विवाद हुए लेकिन व्यवस्था में ऐसा कोई परिवर्तन नहीं हुआ जिससे भविष्य में ऐसी घटनाएं पूरी तरह रुक सकें। आज भी लगभग हर वर्ष किसी न किसी राज्य से पेपर लीक की खबर सामने आ जाती है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि पेपर लीक अब कुछ व्यक्तियों की शरारत नहीं बल्कि संगठित अपराध का रूप ले चुका है। इसमें प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर छपाई परिवहन परीक्षा केंद्र और डिजिटल माध्यमों तक कई स्तरों पर अपराधियों का नेटवर्क सक्रिय रहता है। करोड़ों रुपये के अवैध लेनदेन के कारण यह एक लाभकारी आपराधिक कारोबार बन चुका है। जब तक इस पूरे नेटवर्क को समाप्त नहीं किया जाएगा तब तक केवल छोटे कर्मचारियों की गिरफ्तारी से कोई बड़ा बदलाव नहीं आएगा। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के पीछे राजनीतिक परिस्थितियां अपनी जगह हो सकती हैं। छात्र आंदोलन विपक्ष का दबाव और चुनावी समीकरण भी किसी लोकतांत्रिक सरकार के निर्णयों को प्रभावित करते हैं। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम से यह भी स्पष्ट हुआ कि देश का युवा अब पारदर्शिता और जवाबदेही चाहता है। वह केवल आश्वासन नहीं बल्कि परिणाम देखना चाहता है। यही कारण है कि पेपर लीक का मुद्दा केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहा बल्कि रोजगार और शासन व्यवस्था की विश्वसनीयता से भी जुड़ गया। यह भी ध्यान रखना होगा कि सोशल मीडिया के दौर में कोई भी आंदोलन बहुत तेजी से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्वरूप ले सकता है। विदेशों में पढ़ रहे भारतीय छात्रों की प्रतिक्रियाएं हों या विभिन्न सामाजिक संगठनों का समर्थन यह लोकतांत्रिक समाज का हिस्सा है। लेकिन किसी भी आंदोलन या उसके पीछे की परिस्थितियों को लेकर बिना ठोस प्रमाण के निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। लोकतंत्र में तथ्यों के आधार पर ही चर्चा और निर्णय होने चाहिए। पेपर लीक की सबसे बड़ी कीमत वह विद्यार्थी चुकाता है जिसने वर्षों तक कठिन परिश्रम किया होता है। किसी गरीब परिवार का छात्र कोचिंग की फीस भरने के लिए कर्ज लेता है। अनेक अभ्यर्थी उम्र सीमा के अंतिम अवसर का इंतजार करते हैं। परीक्षा रद्द होने पर उनका समय धन और मानसिक संतुलन तीनों प्रभावित होते हैं। इसलिए पेपर लीक केवल कानून व्यवस्था का विषय नहीं बल्कि सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है। अब समय आ गया है कि सरकारें इस समस्या को सामान्य अपराध की तरह नहीं बल्कि राष्ट्र के भविष्य पर हमला मानें। इसके लिए एक ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी जिसमें प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर परीक्षा परिणाम घोषित होने तक प्रत्येक चरण पूरी तरह तकनीकी निगरानी में हो। डिजिटल एन्क्रिप्शन सुरक्षित डेटा प्रबंधन कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी और हर स्तर पर जवाबदेही तय करना आवश्यक है। परीक्षा प्रक्रिया में शामिल प्रत्येक अधिकारी की जिम्मेदारी स्पष्ट हो और किसी भी लापरवाही पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सिर्फ कानून बना देना भी पर्याप्त नहीं होगा। यदि मुकदमे वर्षों तक चलते रहेंगे तो अपराधियों में भय नहीं रहेगा। आवश्यकता ऐसे विशेष न्यायिक तंत्र की है जो पेपर लीक के मामलों की समयबद्ध सुनवाई करे और दोष सिद्ध होने पर शीघ्र सजा सुनिश्चित करे। साथ ही जिन अभ्यर्थियों का नुकसान हुआ है उनके लिए भी उचित राहत और वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार किया जाना चाहिए। राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा। जब वे विपक्ष में होते हैं तब पेपर लीक को युवाओं के भविष्य का प्रश्न बताते हैं और सत्ता में आने पर वही समस्या दोबारा सामने आ जाती है। यदि सभी दल इस विषय पर राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रीय सहमति बनाएं तो एक ऐसी परीक्षा व्यवस्था विकसित की जा सकती है जिस पर पूरे देश को विश्वास हो। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण घटना हो सकती है लेकिन इसे अंतिम समाधान मान लेना सबसे बड़ी भूल होगी। यदि आने वाले वर्षों में भी प्रश्नपत्र लीक होते रहे तो स्पष्ट होगा कि समस्या किसी व्यक्ति में नहीं बल्कि पूरी व्यवस्था में है। इसलिए चेहरा बदलने से अधिक जरूरी व्यवस्था बदलना है। देश की सबसे बड़ी पूंजी उसका युवा है। यदि युवाओं का विश्वास परीक्षा प्रणाली से उठ गया तो उसका प्रभाव केवल रोजगार पर नहीं बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर पड़ेगा। इसलिए अब समय आ गया है कि पेपर लीक को राजनीतिक हथियार बनाने के बजाय राष्ट्रीय चुनौती मानकर उसका स्थायी समाधान खोजा जाए। सरकार चाहे किसी भी दल की हो उसकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि मेहनत करने वाले विद्यार्थी को न्याय मिले और बेईमानी करने वालों को कठोर दंड। जिस दिन यह विश्वास स्थापित हो जाएगा उसी दिन पेपर लीक का कारोबार कमजोर पड़ने लगेगा। देश के युवाओं को इस्तीफों से अधिक निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था चाहिए। यही समय की मांग है और यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी।

शिक्षा ही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव

किसी भी राष्ट्र की उन्नति, उसकी आर्थिक शक्ति, वैज्ञानिक उपलब्धियाँ, सामाजिक समरसता और लोकतांत्रिक मूल्यों का आधार उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है। यदि किसी देश की शिक्षा व्यवस्था मजबूत है तो वह देश सीमित प्राकृतिक संसाधनों के बावजूद विश्व में अग्रणी स्थान प्राप्त कर सकता है। जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और फिनलैंड जैसे देशों ने यह सिद्ध किया है कि प्राकृतिक संसाधनों से अधिक महत्वपूर्ण मानव संसाधन होता है और मानव संसाधन को श्रेष्ठ बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम शिक्षा है। भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाला देश है। यह हमारे लिए सबसे बड़ा अवसर भी है और सबसे बड़ी चुनौती भी। यदि इस युवा शक्ति को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल और शोध के अवसर मिलते हैं तो भारत विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्था बन सकता है। लेकिन यदि शिक्षा व्यवस्था कमजोर रही तो यही जनसंख्या हमारे लिए बेरोजगारी, असमानता और सामाजिक तनाव का कारण भी बन सकती है। इसलिए आज सबसे अधिक आवश्यकता शिक्षा तंत्र में व्यापक और गंभीर सुधार की है। शिक्षा का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को परीक्षा पास कराना या डिग्री दिलाना नहीं होना चाहिए। वास्तविक शिक्षा वह है जो व्यक्ति को सोचने की क्षमता दे, उसे जिम्मेदार नागरिक बनाए, वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करे और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का भाव पैदा करे। आज दुर्भाग्य से हमारी शिक्षा व्यवस्था का बड़ा हिस्सा अंक, प्रमाणपत्र और प्रतियोगी परीक्षाओं तक सीमित होकर रह गया है। विद्यार्थी का मूल्यांकन उसकी रचनात्मकता, नैतिकता और व्यावहारिक ज्ञान से अधिक उसके परीक्षा परिणामों से किया जाता है। इससे शिक्षा का मूल उद्देश्य कहीं पीछे छूटता जा रहा है। किसी भी भवन की मजबूती उसकी नींव पर निर्भर करती है। यही बात शिक्षा पर भी लागू होती है। यदि प्राथमिक शिक्षा मजबूत नहीं होगी तो उच्च शिक्षा की पूरी संरचना कमजोर रह जाएगी। देश के हजारों सरकारी प्राथमिक विद्यालय आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। कहीं पर्याप्त शिक्षक नहीं हैं, कहीं भवन जर्जर हैं, कहीं प्रयोगशालाएँ नहीं हैं, तो कहीं पुस्तकालय केवल नाम मात्र के हैं। कई विद्यालयों में एक ही शिक्षक पूरी स्कूल व्यवस्था संभालने को मजबूर है। ऐसे में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कल्पना कैसे की जा सकती है? ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी चिंताजनक है। अनेक बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध नहीं हो पाती। परिणामस्वरूप शहरी और ग्रामीण विद्यार्थियों के बीच एक बड़ा शैक्षणिक अंतर पैदा हो जाता है, जो आगे चलकर प्रतियोगी परीक्षाओं और रोजगार के अवसरों में भी दिखाई देता है। आज समाज का एक बड़ा वर्ग सरकारी विद्यालयों की बजाय निजी विद्यालयों को प्राथमिकता देता है। इसका सबसे बड़ा कारण गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की अपेक्षा है। यदि सरकारी विद्यालयों में पर्याप्त शिक्षक, आधुनिक प्रयोगशालाएँ, डिजिटल कक्षाएँ, खेल सुविधाएँ और अनुशासित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जाए तो लाखों गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को बेहतर शिक्षा मिल सकती है। दुर्भाग्य यह है कि सरकारी विद्यालयों में पढने वाले अधिकांश बच्चे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से आते हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अभाव सामाजिक असमानता को और बढ़ाता है।सरकारों को सरकारी विद्यालयों को केवल योजनाओं का केंद्र नहीं बल्कि उत्कृष्ट शिक्षा का मॉडल बनाना होगा।

शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता का सबसे महत्वपूर्ण आधार शिक्षक होता है। आधुनिक भवन, स्मार्ट क्लास और डिजिटल उपकरण तभी उपयोगी हैं जब शिक्षक प्रेरित, प्रशिक्षित और उत्तरदायी हों।

आज अनेक राज्यों में वर्षों तक शिक्षक भर्ती नहीं होती। कई विद्यालय अतिथि शिक्षकों के भरोसे चल रहे हैं। दूसरी ओर शिक्षकों को पढ़ाने से अधिक गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाया जाता है। चुनाव ड्यूटी, सर्वेक्षण, जनगणना और अनेक प्रशासनिक कार्य उनके मूल दायित्व को प्रभावित करते हैं।शिक्षकों को निरंतर प्रशिक्षण, आधुनिक शिक्षण तकनीकों की जानकारी और सम्मानजनक कार्य वातावरण उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। जिस देश में शिक्षक का सम्मान कम होगा, वहाँ शिक्षा का स्तर भी लंबे समय तक ऊँचा नहीं रह सकता। विश्व तेजी से बदल रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोबोटिक्स, डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्र भविष्य की अर्थव्यवस्था निर्धारित करेंगे। भारत के अनेक शिक्षण संस्थानों में अभी भी पुराने पाठ्यक्रम पढ़ाए जा रहे हैं। उद्योगों की आवश्यकता और शिक्षा के बीच बड़ा अंतर है। परिणाम यह है कि डिग्रीधारी युवाओं की संख्या बढ़ रही है, लेकिन रोजगार योग्य युवाओं की संख्या अपेक्षाकृत कम है।शिक्षा को उद्योग, अनुसंधान और कौशल विकास से जोडऩा होगा। विद्यालय स्तर से ही विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करना होगा।पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, परिणामों में देरी और पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न जैसे मामलों ने लाखों युवाओं का विश्वास कमजोर किया है। एक विद्यार्थी कई वर्षों तक कठिन परिश्रम करता है। परिवार अपनी आर्थिक क्षमता से अधिक खर्च करता है। लेकिन यदि परीक्षा व्यवस्था ही संदिग्ध हो जाए तो सबसे बड़ा नुकसान विद्यार्थियों के मनोबल का होता है।परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह डिजिटल सुरक्षा, पारदर्शिता और समयबद्ध प्रक्रिया से जोडऩा होगा। दोषियों के विरुद्ध कठोर दंड सुनिश्चित होना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। आज भारत के हजारों प्रतिभाशाली विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए विदेश जा रहे हैं। इसके पीछे केवल बेहतर विश्वविद्यालय ही कारण नहीं हैं बल्कि अनुसंधान सुविधाएँ, प्रयोगशालाएँ, आर्थिक सहायता और नवाचार का वातावरण भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि भारत में विश्वस्तरीय शोध संस्थान, पर्याप्त अनुसंधान निधि और उत्कृष्ट शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित हो तो बड़ी संख्या में विद्यार्थी देश में ही रहकर शोध और नवाचार करना चाहेंगे।प्रतिभा का पलायन केवल आर्थिक नुकसान नहीं है, बल्कि यह बौद्धिक पूंजी का भी नुकसान है। विश्व के अग्रणी देशों की पहचान उनके विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों से होती है। भारत में भी अनेक उत्कृष्ट संस्थान हैं, लेकिन उनकी संख्या देश की आवश्यकता के अनुपात में बहुत कम है। विश्वविद्यालयों में शोध को केवल औपचारिकता नहीं बल्कि नवाचार का माध्यम बनाना होगा। उद्योग और विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग बढ़ाया जाए ताकि शोध का लाभ समाज और अर्थव्यवस्था दोनों को मिल सके। शिक्षा को मातृभाषा से जोडऩा अत्यंत आवश्यक है क्योंकि प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में अधिक प्रभावी होती है। साथ ही अंग्रेज़ी सहित अन्य वैश्विक भाषाओं का ज्ञान भी आवश्यक है।वास्तविक आवश्यकता भाषा विवाद की नहीं बल्कि भाषा संतुलन की है। विद्यार्थी अपनी भाषा में सोच सके और वैश्विक मंच पर किसी भी भाषा में संवाद भी कर सके। कोविड-19 महामारी के बाद डिजिटल शिक्षा का महत्व बढ़ा है। ऑनलाइन कक्षाएँ, स्मार्ट बोर्ड और डिजिटल सामग्री ने शिक्षा को नई दिशा दी है।लेकिन आज भी ग्रामीण भारत के अनेक क्षेत्रों में इंटरनेट, बिजली और डिजिटल उपकरणों की कमी है। डिजिटल विभाजन शिक्षा में असमानता को बढ़ा सकता है।सरकार और निजी क्षेत्र को मिलकर डिजिटल संसाधनों की समान उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। आज तकनीकी ज्ञान जितना आवश्यक है, उतनी ही आवश्यकता नैतिक शिक्षा की भी है। यदि शिक्षा केवल रोजगार तक सीमित रह जाए और चरित्र निर्माण न करे तो समाज में संवेदनशीलता, ईमानदारी और सामाजिक उत्तरदायित्व कमजोर हो जाते हैं।विद्यालयों में संविधान, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सेवा, सहिष्णुता और नैतिक मूल्यों पर आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देना चाहिए।आज अनेक विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी रोजगार के लिए संघर्ष करते हैं। इसका कारण शिक्षा और रोजगार की आवश्यकताओं के बीच बढ़ती दूरी है। पाठ्यक्रमों को समय-समय पर अपडेट करना, उद्योगों के साथ इंटर्नशिप, व्यावहारिक प्रशिक्षण और स्थानीय रोजगार की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकास अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने अनेक सकारात्मक दिशा-निर्देश दिए हैं—बहुविषयक शिक्षा, कौशल विकास, मातृभाषा पर जोर, लचीला पाठ्यक्रम और शोध को प्रोत्साहन। लेकिन किसी भी नीति की सफलता उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करती है।नीति तभी सफल होगी जब राज्यों, शिक्षकों, अभिभावकों और समाज की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो। शिक्षा का दायित्व केवल सरकार का नहीं है। परिवार, समाज, उद्योग, शिक्षण संस्थान और स्वयं विद्यार्थी भी समान रूप से जिम्मेदार हैं।अभिभावकों को बच्चों पर केवल अंक लाने का दबाव नहीं डालना चाहिए, बल्कि उनकी रुचि और क्षमता को समझना चाहिए। समाज को विद्यालयों से जुडऩा होगा और उद्योग जगत को शिक्षा एवं कौशल विकास में निवेश बढ़ाना होगा। यदि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है तो सबसे बड़ा निवेश शिक्षा में करना होगा। सड़कें, पुल, हवाई अड्डे और उद्योग महत्वपूर्ण हैं, लेकिन उनसे भी अधिक महत्वपूर्ण वह मानव संसाधन है जो इन सबका निर्माण करता है।गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पारदर्शी परीक्षा प्रणाली, सक्षम शिक्षक, आधुनिक पाठ्यक्रम, मजबूत सरकारी विद्यालय, विश्वस्तरीय शोध संस्थान और समान अवसर—यही विकसित भारत की वास्तविक पहचान होंगे।

-सौरभ वार्ष्णेय

-सौरभ वार्ष्णेय

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। सामान्य कारोबार के बीच बुधवार को अनाज मंडी में चना आंशिक घटाकर बोला गया। अन्य दलहनों में बाजार पूर्वस्तर पर बने रहे। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार सुस्त रहे। किराना जिंसों में नारियल सुर्ख रहा। शक्कर में बाजार बने रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में तेजी मंदी के समीकरण बने हुए है। बुधवार को चना 50 रू. क्विंटल घटाकर बोला गया। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। सोया व कपास्या तेलों में बाजार मजबूत बने रहे। सोयाबीन पूर्वस्तर पर रहा। उधर, किराना जिंसों में नारियल बाजार सुर्ख रहे। शक्कर में टिकाव रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4720-4810, खोपरा गोला 375-410, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 800-825, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3000-3050, (160) 3400, (200) 3600-3650, (250) 4200-4250,

तेल- सींगदाना 1730-1750, मुम्बई 1740, राजकोट तेलिया 2700, सोया साल्वेंट 1400-1410, सोया रिफाइंड 1500-1510, कपास्या 1585-1590, धूलिया 1590, कड़ी 1595,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1700-1710, मुम्बई पाम 1485-1490, मुम्बई सोया 1500,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8100-8300, रायडा 7100-7200, सोयाबीन 7000, टोली (महुआ बीज) 5300-5400, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6450-6500, एवरेज 6200-6300, विशाल 6300-6400, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7100-7200, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7500, मीडियम 7000-7300, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9300-9500, उड़द गर्मी 8600-9300, ग्रेविटी क्लीन 9700-10000, हल्की 5000-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 275 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार व्यापार सामान्य ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार मामूली लड़त पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 220000, चाँदी (99) 219800, टंच 219200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 141100,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया बुधवार को 10 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.72 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह शुरुआती कारोबार में लगातार चौथे सत्र में मजबूत रुख के साथ ही पांच पैसे उछलकर र 95.77 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के कारण भी स्थानीय मुद्रा को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.70 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.77 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया मंगलवार को 17 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.82 पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 889 , निफ्टी 265 अंक उछला

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही खरीददारी हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव घटने से भी बाजार में तेजी आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 889 अंक उछलकर 77,654.60 पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 265 अंक बढ़कर 24,250.20 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में भी अच्छी बढ़त दर्ज की गई, निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 1.48 बढ़त रही। आज रियल एस्टेट के अलावा सभी सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। आईटी, मीडिया, मेटल, फार्मा, टेलीकॉम, प्राइवेट बैंक, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में बढ़त

रही। निफ्टी 50 इंडेक्स में, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, इंफोसिस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में शामिल रहे। वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा (एम एंड एम), पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन, आयशर मोटर्स, बजाज-ऑटो, बीईएल, ओएनजीसी और एचडीएफसी लाइफ के शेयरों को नुकसान हुआ। निवेशकों को आज बाजार पूंजीकरण बढ़ने से एक ही सत्र में 4 लाख करोड़ रुपए का लाभ हुआ। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण आज पिछले सत्र के 479 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 483 लाख करोड़ रुपए से अधिक पहुंच गया। वहीं इससे पहले आज सुबह पश्चिमी एशिया में बढ़ते तनाव और मिले-जुले वैश्विक संकेतों के बाद भी शेयर बाजार में शानदार तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 701.41 अंक की उछाल के साथ 77,467.33 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 50 भी 204 अंक चढ़कर 24,190.40 के स्तर पर पहुंच गया।

एथनॉल उत्पादन के लिए सरकार ने घाटे में बेचे 63.5 लाख टन चावल

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्र सरकार ने एथनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए भारी मात्रा में चावल डिस्टलरियों को कम कीमत पर उपलब्ध कराए हैं, जिससे सरकारी खजाने को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। राज्यसभा में एक लिखित जवाब में सरकार ने बताया कि उसने जिस कीमत पर चावल खरीदा था, उससे काफी कम दाम पर उसे एथनॉल बनाने के लिए बेचा गया है। चौंकाने वाली बात यह भी है कि चावल से बनने वाले एथनॉल की उत्पादन लागत कच्चे तेल आधारित पेट्रोल के मुकाबले कहीं ज्यादा है। पिछले एक साल में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने लगभग 63.5 लाख टन चावल एथनॉल बनाने वाली डिस्टलरियों को 14,596.78 करोड़ रुपये में बेचे हैं। यह चावल 2,250 रुपये से 2,320 रुपये प्रति क्विंटल की दर से उपलब्ध कराए गए थे। इसके विपरीत सरकार ने इन्हीं चावलों को किसानों से 3,720 रुपये से 3,889 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर खरीदा था, जिसमें खरीद मूल्य, भंडारण, परिवहन और श्रम लागत शामिल थी। इस भारी अंतर के बावजूद, सरकार का दावा है कि उसने एथनॉल कंपनियों को कोई सब्सिडी नहीं दी है और चावल खुले बाजार मूल्य पर बेचा गया है, हालांकि स्पष्ट वित्तीय नुकसान साफ दिखता है। हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पंजाब जैसे राज्यों ने सबसे ज्यादा चावल एफसीआई से खरीदे हैं। यह वित्तीय खाई भविष्य में भी बढ़ने की आशंका है। अगले वित्त वर्ष के लिए भी एफसीआई ने 72 लाख टन चावल बेचने की योजना बनाई है, जिसकी अनुमानित बिक्री कीमत 23,900 करोड़ रुपये है, जबकि इसकी वास्तविक लागत लगभग 43,100 करोड़ रुपये बताई जा रही है। चावल से एथनॉल बनाने की लागत भी चिंताजनक है। एक टन चावल से लगभग 450 लीटर एथनॉल बनता है।

पेटीएम पेमेंट बैंक बंद-जानिए क्या होगा और क्या नहीं!

नई दिल्ली। एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने पेटीएम पेमेंट बैंक (पीपीबीएल) को बंद (वाइंडिंग अप) करने की प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है। यह फैसला भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा दायर एक याचिका पर आया है, जिसमें बैंक का लाइसेंस रद्द करने के बाद उसकी संपत्तियों और देनदारियों के निपटारे की मांग की गई थी। हाईकोर्ट के इस निर्देश के साथ ही बैंक के मामलों को निपटाने के लिए, एक आधिकारिक लिक्विडेटर (परिसमापक) नियुक्त कर दिया गया है। आरबीआई का आरोप था कि पेटीएम पेमेंट बैंक लगातार नियामकीय नियमों का पालन करने में विफल रहा था। ग्राहकों और जमाकर्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए, केंद्रीय बैंक ने पहले मार्च 2022 में बैंक को नए ग्राहक जोड़ने से रोक दिया था। इसके बाद 2024 में भी नए डिपॉजिट लेने और कुछ बैंकिंग सेवाओं पर प्रतिबंध लगाए गए थे। लगातार नियमों से जुड़े मुद्दों के बाद अंततः बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया गया था। अब दिल्ली हाईकोर्ट ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एक पूर्व चीफ जनरल मैनेजर गिरिकुमार एम. नायर को आधिकारिक लिक्विडेटर नियुक्त किया है। लिक्विडेटर बैंक के बोर्ड की सभी शक्तियां ग्रहण करेगा और उसकी संपत्तियों, देनदारियों के साथ-साथ ग्राहकों से जुड़े दावों का कानूनी प्रक्रिया के अनुसार निपटारा करेगा। यह समझना महत्वपूर्ण है कि पेटीएम पेमेंट बैंक के बंद होने का मतलब यह नहीं है कि पेटीएम ऐप की सभी सेवाएं रुक जाएंगी। पेटीएम वालेट, यूपीआई पेमेंट, क्यूआर कोड, साउंडबॉक्स और मर्चेंट पेमेंट जैसी सुविधाएं पहले की तरह जारी रहेंगी। पेटीएम ने अपनी डिजिटल पेमेंट सेवाओं के लिए अन्य बैंकिंग पार्टनर्स के साथ पहले ही करार कर लिया है। यदि किसी ग्राहक का पैसा पेटीएम पेमेंट बैंक खाते या वॉलेट में है, तो लिक्विडेटर ग्राहकों के हितों को ध्यान में रखते हुए उनके दावों का निपटारा करेगा। पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के अन्य बिजनेस जैसे यूपीआई, पेमेंट गेटवे और मर्चेंट सर्विसेज अलग इकाइयों के माध्यम से संचालित होते रहेंगे।

मेष- आज का दिन आपके लिए मंगलमय रहेगा। संतान की परीक्षा के परिणाम आपको खुशी देंगे और कार्यक्षेत्र में आप लोगों का दिल जीतने में सफल होंगे। परिवार में एकजुटता बनी रहेगी और आय में वृद्धि से मन प्रसन्न रहेगा। हालाँकि किसी परिवार सदस्य की सेहत आपको चिंता दे सकती है और मित्र निवेश को लेकर सुझाव दे सकते हैं। कामकाज का अतिरिक्त बोझ रहेगा। कोई बड़ा फैसला लेते समय अपने शुभचिंतकों की राय को नजरअंदाज न करें। भाइयों के साथ संबंधों में मधुरता बनाए रखें।

वृषभ- आज का दिन उन्नति की राह पर बढ़ने का रहेगा। परिवार के लिए लिए गए निर्णय पर कभी-कभी पछतावा हो सकता है। किसी से बिना सोचे-समझे वादा न करें, वाणी में संयम रखें। रहन-सहन सुधारने की कोशिश करेंगे और मन की कोई इच्छा पूरी होने से प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहेगा। फिलहाल मुनाफा धीमा रहेगा। भविष्य की योजनाओं को लागू करने के लिए सही समय का इंतजार करना जरूरी है। ऑफिस के काम से यात्रा हो सकती है।

मिथुन- आज का दिन मिलाजुला रहेगा। मेहनत का फल मिलेगा और बिजनेस में पार्टनर पर नजर रखना जरूरी होगा। निवेश करते समय सावधानी बरतें। रुके हुए काम पूरे होंगे। राजनीति में कदम रखने वालों को सतर्क रहना होगा, क्योंकि लोग आपकी छवि को चुनौती दे सकते हैं। कोई महत्वपूर्ण काम करने से पहले उससे जुड़ी पूरी जानकारी जरूर लें। इससे आप अपने काम को बेहतर तरीके से पूरा कर पाएंगे।

कर्क- आज नई प्रॉपर्टी की खरीदारी लाभदायक होगी। कार्यक्षेत्र में मनपसंद काम मिलेगा और संतान के साथ पिकनिक की योजना बन सकती है। उधार लिया हुआ धन वापस लिया जा सकेगा। माता-पिता की सेहत पर थोड़ा ध्यान दें और परिवार में भाई-बहनों से चल रही खटपट का समाधान निकालेंगे। कोई महत्वपूर्ण उपलब्धि हाथ से निकल सकती है। सहजता और धैर्य से काम करें। खर्च बने रहेंगे और फिलहाल इनमें कटौती करना मुश्किल होगा।

सिंह- आज का दिन धन-धान्य में वृद्धि लेकर आएगा। घर में नया वाहन लाना संभव है। जीवनसाथी आपके कामों में सहयोग देंगे। पिताजी से कार्यों पर बातचीत लाभकारी रहेगी। किसी काम को लेकर संशय है तो उसमें जल्दबाजी न करें। परिवार में नए मेहमान का आगमन खुशी लेकर आएगा। इसलिए दूसरों से ज्यादा उम्मीद न रखें। दूसरों पर भरोसा करने के बजाय अपनी अंतरात्मा के फैसले को प्राथमिकता देना बेहतर रहेगा।

कन्या- आज सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। कामों को कल पर न टालें और बॉस के सुझाव पर अमल करें। घर का रिनोवेशन शुरू हो सकता है और मांगलिक कार्यक्रम की तैयारियां चल सकती हैं। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा और पुराने मित्र से मिलने की खुशी होगी। किसी से गलत लहजे में बात करना नुकसानदेह रहेगा। अनुभवी व्यक्ति की सलाह पर अमल करना फायदेमंद होगा।

तुला- आज सोच-समझकर निर्णय लेने का दिन है। विद्यार्थी विदेश पढ़ाई के अवसर पा सकते हैं। सरकारी मामलों में लापरवाही से बचें। धन-धान्य में वृद्धि से मन प्रसन्न रहेगा। योजना बनाकर काम करें और दिखावे में न फंसें, नहीं तो समस्याएं बढ़ सकती हैं। दोपहर बाद नुकसान होने की आशंका है, जिससे मन परेशान हो सकता है। दोस्तों और रिश्तेदारों का आपके काम में कमियां निकालना आपकी कार्यप्रणाली में रुकावट डाल सकता है।

वृश्चिक- आज अचानक लाभ का दिन है। प्रॉपर्टी डील से अच्छा मुनाफा होगा और बिजनेस में बदलाव लाभदायक रहेंगे। माताजी से किसी बात को लेकर खटपट हो सकती है। वाहन सावधानी से चलाएं और अटका हुआ धन मिलने की पूरी संभावना है। बेकार की गतिविधियों में समय न गंवाएं। निवेश से जुड़े काम आज टालना बेहतर होगा, क्योंकि नुकसान होने की आशंका है।

धनु- आज का दिन मौज-मस्ती भरा रहेगा। मित्र से सलाह लें और बिजनेस पार्टनरशिप लाभदायक रहेगी। जीवनसाथी नई नौकरी प्राप्त कर सकते हैं। परिवार में पार्टी का आयोजन माहौल खुशनुमा करेगा। घूमने-फिरने के दौरान महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी और विरोधी की बातों में न फंसें।

मकर- आज लेन-देन में समझदारी दिखाएं। आय और व्यय में संतुलन बनाए रखें। सहयोगी की बुरी बात से मन परेशान हो सकता है, लेकिन काम पर फोकस बनाए रखें। उन्नति के रास्ते पर बढ़ेंगे। शारीरिक समस्या है तो टेस्ट कराएं।

कुंभ- आज का दिन बढ़िया रहेगा। अच्छे सोच का लाभ उठाएं और राजनीति में नया काम शुरू कर सकते हैं। आय-व्यय में संतुलन रखें। सहयोगी की बुरी बात से मन विचलित न हो और विरोधी की बातों में न आएं। परिवार में किए गए वादे पूरे करें।

मीन- आज मन में काम को लेकर उथल-पुथल रहेगी, जिससे काम में देरी हो सकता है। कार्यक्षेत्र में झूठा आरोप लग सकता है। विद्यार्थी पढ़ाई में लापरवाही न करें। संतान से किए वादे पूरे करें। पुराना कर्ज चुका सकेंगे और धन-धान्य में वृद्धि होगी।

शब्दजाल - 8335

शब्दजाल में दस फलों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

आ	ल	र	सं	दा	प	र	तु	ग	झ	आ
ज	म	ल	त	आ	मो	ना	श	प	ति	अ
अं	इ	नु	रा	ल	दा	ल	अ	र	ला	सी
ज	त	र	बू	ज	ला	क	न्ना	रि	श	ता
स	ति	अं	गू	र	र	क	ना	ग	वी	फ
से	रं	ल	चु	व	लि	र्त	स	ती	प	ल
ब	गा	ल	के	गा	प	म	त	कौ	या	ले
श	वा	अ	ना	र	क	छ	क	ग	श	थ
म	स	मि	न	व	न	ज	स	शा	जू	द
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
थो	प	पी	ता	र	हो	ग	या	दु	र	क

आम,संतरा, अनार,तरबूज, अंगूर, नाशपति,सीताफल,सेब,अन्नानास, पपीता

शब्दजाल - 8334 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

30 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कर्क में
चंद्र	मकर में
मंगल	वृष में
बुध	मिथुन में
गुरु	कर्क में
शुक्र	सिंह में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
सिंह	06.52 बजे से
कन्या	09.04 बजे से
तुला	11.14 बजे से
वृश्चिक	13.29 ब.से
धनु	15.45 बजे से
मकर	17.50 बजे से
कुंभ	19.37 बजे से
मीन	21.10 बजे से
मेष	22.40 बजे से
वृष	00.20 बजे से
मिथुन	02.18 बजे से
कर्क	04.32 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 211 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 21.31 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 17.44 बजे को समाप्त। **योग** आयुष्मान 00.06 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 08.51 बजे तदनन्तर कौलव 21.31 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 15.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 18° 33' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872786 **जूलियन दिन** 2461251.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 15

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक		अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक	
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक		चर	07.11 से	08.43 बजे तक	
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक		रोग	08.43 से	10.15 बजे तक	
चर	10.19 से	11.47 बजे तक		काल	10.15 से	11.47 बजे तक	
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक		लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक	
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक		उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक	
काल	02.43 से	04.11 बजे तक		शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक	
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक		अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7279

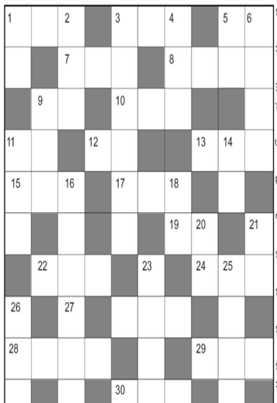

ऊपर से नीचे:-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निरली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7278

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः अनुशासन का पाठ

यह उन दिनों की बात है, जब डॉ. जाकिर हुसैन जामिया मिलिया इस्लामिया की हालत सुधारने में जुटे थे। एक दिन उन्होंने शिक्षकों से कहा, 'हम चाहते हैं कि हमारे छात्र अनुशासन का पालन करें। वे साफ-सफाई पर ध्यान दें। उनके कपड़े साफ-सुथरे हों। उनके जूतों पर अच्छी तरह पॉलिश हो। इससे विश्वविद्यालय का शैक्षणिक माहौल बेहतर होगा।' अगले दिन उन्होंने इसके लिए एक नोटिस जारी किया। फिर छात्रों को मौखिक आदेश भी दिया। कुछ दिन बाद अध्यापकों ने उनसे कहा, 'हम लोगों ने कई बार प्रयास किया, मगर छात्रों पर कोई असर नहीं पड़ा। इसके लिए कठोर कार्रवाई की जरूरत है।' जाकिर हुसैन ने कहा, 'नहीं, कठोर कार्रवाई का छात्रों पर गलत असर पड़ेगा।' मगर उन्होंने तय कर लिया कि वह अपना मकसद किसी भी कीमत पर हासिल करके रहेंगे। अगले दिन सुबह-सुबह छात्रों ने विश्वविद्यालय के गेट पर एक व्यक्ति को बैठे देखा, जो सबसे जूते पॉलिश कराने के लिए कह रहा था। कुछ छात्रों ने उससे जूते पॉलिश कराए। उस शख्स ने पैसे नहीं लिए और कहा कि यह यूनिवर्सिटी की तरफ से कराया जा रहा है। इस पर कुछ और छात्र पॉलिश करवाने लगे। तभी एक विद्यार्थी ने पॉलिश करने वाले का चेहरा गौर से देखा तो उसके होश उड़ गए। वह तो जाकिर हुसैन थे। पूरे विश्वविद्यालय में हड़कंप मच गया। बाकी छात्र जहां थे वहीं रुक गए। किसी की समझ में नहीं आ रहा था कि अब किया क्या जाए। उसी समय कुछ वरिष्ठ छात्र, जो विश्वविद्यालय का माहौल खराब करने में सबसे आगे रहते थे, उनके पास आए और कहने लगे, 'हमसे बहुत बड़ी गलती हुई। आज से आप जैसा कहेंगे हम लोग वैसा ही करेंगे। हमें माफ कर दीजिए।' जाकिर हुसैन बोले, 'तुम लोग अभी से अनुशासन का मखौल उड़ाओगे तो आगे चल कर तुम्हें परेशानी होगी। हम चाहते हैं कि यहां के छात्रों से दूसरे लोग कुछ सीखें।' उसके बाद विश्वविद्यालय का माहौल पूरी तरह बदल गया।

सूडोकु नवताल- 7588

★★★★☆ कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7587 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

शब्द पहेली - 8803

बाएँ से दाएँ

1. आदत,स्वभाव-4
4. सुरक्षित-4
7. जरुरतमंद-5
9. भीगा हुआ-2
11. मक्का-मदीना की यात्रा-2
12. सोना,धतुरा-3
14. धक्का देना-4
15. खानाबदोश,बंजारा-4
16. अंधेरा,अंधकार-3
18. खामी,बुरी आदत-2
19. ईसाई साध्वी-2
21. नायक का विलोम-5
25. करिश्मा,करामात-4
26. महीन व मंहगे कपड़े का एक प्रकार -4

ऊपर से नीचे

1. अंग्रेज,विदेशी-3
2. लीन,मगन-2
3. पैंदा,तला-2
4. रिश्तेदार-2
5. थूक,लेस-2
6. तहजीब,सलीका-3
8. देह,काया-3
10. टोने-टोटकों वाली किताब-5
11. स्वदेशवासी -5
12. कपड़े की दीवार-3
13. अनुमान,आकलन-3
17. राजी करना-3
18. चश्मा-3
20. अनुकृति-3
21. पत्र,चिट्ठी-2
22. होठ,अधर-2
23. मृत्यु देवता,यमराज-2
24. बीता हुआ दिन-2

शब्द पहेली -8802 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूईटोला की सड़क बनी दलदल, सड़क नहीं बनी तो होगा रास्ता रोको आंदोलन

सड़क पर धान की रोपाई कर जताएंगे विरोध

पद्मेश न्यूज। लांजी। विकासखंड लांजी की ग्राम पंचायत कारंजा के सूईटोला में वर्षों से बदहाल सड़क से परेशान ग्रामीणों का सब्र अब जवाब देने लगा है। बरसात शुरू होते ही सड़क पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो जाती है, जिससे किसानों, महिलाओं, बुजुर्गों, मरीजों और स्कूली विद्यार्थियों का आवागमन बेहद मुश्किल हो गया है। हालात ऐसे हैं कि कई जगह पैदल चलना भी जोखिम भरा हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग लोक निर्माण विभाग के अधीन है। सड़क की मरम्मत के लिए कई बार पंचायत और संबंधित अधिकारियों से गुहार लगाई गई, लेकिन हर बार 卐फंड नहीं है卐 कहकर मामला टाल दिया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि स्थानीय विधायक से भी समस्या बताई गई, लेकिन वहां से भी 卐फिलहाल कुछ नहीं हो सकता卐 कहकर निराश कर दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि फिलहाल उनकी मांग पक्की सड़क बनाने की नहीं है, बल्कि सड़क को इतना दुरुस्त कर दिया जाए कि लोग सुरक्षित आवाजाही कर सकें। उनका आरोप है कि ग्राम पंचायत कारंजा का हिस्सा होने के बावजूद सूईटोला विकास कार्यों से पूरी तरह उपेक्षित है। यहां सड़क के साथ-साथ पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था भी नहीं है, जिससे बरसात और रात के समय परेशानी कई गुना बढ़ जाती है।

सड़क पर जुताई कर करेंगे धान रोपाई, रास्ता रोको आंदोलन की चेतावनी

सड़क की अनदेखी से नाराज ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि जल्द मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुआ तो वे अनोखा विरोध प्रदर्शन करेंगे। ग्रामीण सड़क पर ट्रैक्टर से जुताई कर धान की रोपाई करेंगे और रास्ता रोको आंदोलन करेंगे। वहीं स्कूली विद्यार्थियों ने भी ऐलान किया है कि जब तक सड़क चलने योग्य नहीं बनाई जाती, तब तक वे स्कूल नहीं जाएंगे।

हम भी इसी देश के नागरिक हैं

ग्रामीण विनायक चैतराम सोनवाने ने कहा, हमने कई बार पंचायत में आवेदन दिया, लेकिन हर बार फंड नहीं होने की बात कहकर टाल दिया गया। विधायक जी से भी चर्चा हुई, लेकिन वहां से भी कोई समाधान नहीं मिला। हम भी इसी देश के नागरिक हैं। हमारे साथ ऐसा व्यवहार उचित नहीं है। हम आज ही पक्की सड़क की मांग नहीं कर रहे, लेकिन कम से कम सड़क को चलने लायक तो बना दीजिए। हर बरसात में यही परेशानी झेलनी पड़ती है। यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामीण आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि सूईटोला की सड़क की तत्काल मरम्मत कर उसे आवागमन योग्य बनाया जाए, ताकि बरसात के दौरान लोगों को राहत मिल सके और विद्यार्थियों की पढ़ाई भी प्रभावित न हो।

महर्षि सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव में गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा का भव्य समापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। शिक्षा के क्षेत्र में सर्वदा अग्रणी संस्था महर्षि सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बोलेगांव में 15 जुलाई से 29 जुलाई 2026 तक संचालित गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा का भव्य समापन समारोह बुधवार को उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे , संस्था प्राचार्य बी.आर. गुरदे एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। समारोह में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, गुरु-शिष्य परंपरा पर आधारित नाटक, समूह नृत्य, संगोष्ठी तथा विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए विज्ञान मॉडल, चार्ट, पोस्टर, आर्ट एवं क्राफ्ट प्रदर्शनी का विधायक सहित सभी अतिथियों ने सूक्ष्मता से अवलोकन किया और विद्यार्थियों की प्रतिभा एवं रचनात्मकता की मुक्त कंठ से सराहना की। अतिथियों ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में विधायक राजकुमार कर्राहे ने कक्षा 10वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 84 विद्यार्थियों तथा कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले 22 विद्यार्थियों को बैग, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शक पुस्तिका भी वितरित की गई, जो उनके भविष्य के लक्ष्य निर्धारण में उपयोगी सिद्ध होगी। विद्यालय द्वारा भी कक्षा 10वीं एवं 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों तथा गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वहीं शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं को संस्था प्राचार्य द्वारा शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में विधायक राजकुमार कर्राहे ने कहा कि जिस उद्देश्य से शासन ने सांदीपनि विद्यालयों की स्थापना की थी, बोलेगांव स्थित यह विद्यालय उन सभी मानकों पर पूरी तरह खरा उतर रहा है। विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नए आयाम स्थापित करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर रहा है। संस्था प्राचार्य बी.आर. गुरदे ने कहा कि 15 दिवसीय गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, गुरु-शिष्य परंपरा, नैतिक मूल्यों एवं मानवीय गुणों से जोड़ने का सफल प्रयास रहा। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों ने नियमित अध्ययन के साथ प्रतिदिन विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने विविध कौशल का विकास किया, जो उनके जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे के साथ पूर्व जनपद सदस्य अशोक बापूरे, जनपद सदस्य रेवाजी करहाटकरे, श्यामलाल बेदरे, सरपंच चित्ररेखा अस्तने भीमोडी, सेवानिवृत्त अभियंता बी.आर. बापूरे, उपसरपंच चित्ररेखा कालबेले, विधायक प्रतिनिधि गौरव बैस, सेवानिवृत्त शिक्षक एफ.एल. रिनायत, द्वारका बापूरे, बिंदु पांडे, पुरुषोत्तम अस्तने सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ शिक्षक सरोज कुमार पटेल एवं रविप्रकाश सहारे ने किया, जबकि अंत में शिक्षक गोपाल कृष्ण तुरकर ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

गायत्री शक्तिपीठ लांजी में यज्ञ हवन कर मनाया गया गुरु पूर्णिमा पर्व

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के गायत्री शक्तिपीठ में गुरु पूर्णिमा पर्व पर 29 जुलाई को प्रातः 6 से 7 बजे तक जप ध्यान एवं प्रातः 10 बजे से एक कुंडीय गायत्री महायज्ञ व विभिन्न संस्कार सम्पन्न कराये गये, तत्पश्चात सभी उपस्थिजनों को महाप्रसादी भंडारे का वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन गायत्री शक्तिपीठ के परिजन यशवंत बनोठे, कवनलाल लिल्हारे, धर्मेंद्र सिंह बैस, प्रहलाद बाहे, की टोली द्वारा किया गया। इस दौरान गुरु दीक्षा संस्कार, दो विद्यारंभ संस्कार सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर गायत्री परिवार के साधकों को सावन मास में प्रतिदिन कम से कम 11 माला की साधना करने कहा। पर्यावरण संरक्षण के संबंध में कहा कि गायत्री परिवार के द्वारा लांजी क्षेत्र में अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प लिया गया है। साथ यह भी कहा कि प्रत्येक गांव में कम से कम दो -दो कार्यकर्ता तैयार करने तथा भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों को शामिल होने के लिए प्रेरित किये जाने की बात कही। इस अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ लांजी के ट्रस्टी के एल मेहरबान, एस एल बिलावर, शिव कुमार अग्रवाल, पी एल जैतवार, बबलू खानोरकर, सालिकराम डोलस, श्रीमती शोभा देवी वर्मा, सुमन आसटकर, विनिता सोमनकर एवं गायत्री परिवार के श्यामलाल पांडे, जयसिंह उपराड़े, रामदयाल बड़घैया, ताराचंद भंडारकर, जागेश्वर सोनवाने, निर्भय चौधरी, मुन्नालाल गौतम, टी एल कटरे, शंकरलाल वघारे, नारायण चौरागड़े, तुपेश चौहान, शैलेन्द्र विजयवार, सरिता टिकारे, अनंतराम सोनवाने, घनश्याम खोंगल,

राजहंस टेम्भरे, इशुलाल जामरे, छबीलाल मरठे, सालिक रामटेककर, इंदल सोनवाने,परिव्राजक विनोद तिड़के, मालती जैतवार, कान्ता तिड़के, कौतिका शेन्डे, लीलादेवी मोरघड़े, ममता तिड़के, सुशीला मोरघड़े, श्यामलता भरने, दुर्गाबाई तिड़के, अर्चना सहारे, अंशु श्रीवास्तव, सरिता खानोरकर, अनुराधा गव्हारे, कालिन्द्री भार्गव के अलावा अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहें।

पाली एकेडमी इंस्टीट्यूशन में मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

पद्मेश न्यूज। लांजी। पाली एकेडमी इंस्टीट्यूशन, बिसोनी में बुधवार को गुरु पूर्णिमा महोत्सव एवं नवप्रवेशित विद्यार्थियों के प्रवेश उत्सव का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थापिका श्रीमती वंदना वैद्य एवं प्राचार्य बी. जे. लिल्हारे द्वारा मां सरस्वती एवं गुरु सांदीपनि के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रशिक्षणार्थियों ने बी.एड. एवं डी.एल.एड. के नवप्रवेशित विद्यार्थियों का तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया। प्रोफेसर सी. एस. मेश्राम ने गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता बताई तथा महाविद्यालय के पाठ्यक्रम, अनुशासन, प्रशिक्षण एवं विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर वरिष्ठ विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए, वहीं नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने मंच पर अपना परिचय दिया। प्रोफेसर खेमेंद्र उमरे ने मनोविज्ञान, दर्शन, योगासन एवं प्राणायाम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इनके शारीरिक एवं मानसिक लाभों की जानकारी दी। उन्होंने गुरु-शिष्य संबंधों की गरिमा तथा एक श्रेष्ठ शिक्षक बनने के आवश्यक गुणों पर भी प्रेरणादायी विचार व्यक्त किए। प्राचार्य बी. जे. लिल्हारे ने

विद्यार्थियों को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए महाविद्यालय के अनुशासन, शैक्षणिक गतिविधियों एवं प्रशिक्षण संबंधी आवश्यक नियमों की जानकारी दी। उन्होंने विश्वास दिलाया कि प्रशिक्षण के दौरान आने वाली प्रत्येक चुनौती में महाविद्यालय परिवार विद्यार्थियों के साथ सदैव खड़ा रहेगा। संस्थापिका श्रीमती वंदना वैद्य ने अपने उद्बोधन में बी.एड. एवं डी.एल.एड. प्रशिक्षण के माध्यम से कौशल विकास, व्यक्तित्व निर्माण एवं उत्कृष्ट चरित्र निर्माण के महत्व पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को समर्पित भाव से अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में प्रोफेसर बी. सी. पटेल ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रो. के. के. उमरे, गौरव भंडारकर, कृष्णी मैडम, उमेंद्र नागभिड़े, अजीत बोरकर, राजेश गजभिए, संजय मेश्राम, संतोष बोरकर, जी. के. सोनवाने सहित समस्त महाविद्यालय परिवार का सराहनीय योगदान रहा।

एकल अभियान संच द्वारा 30 दिन 30 गांव अखण्ड रामायण पाठ

गुरू पूर्णिमा पर ग्राम देवारबेली में संगीतमय राम संकीर्तन व वृक्षारोपण उपरांत अखंड रामायण पाठ का हुआ शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। लांजी। एकल अभियान संच के तत्वावधान में सावन मास के दौरान चलाए जा रहे 30 दिन 30 गांव अखंड रामायण पाठ अभियान के अंतर्गत मंगलवार को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर ग्राम देवारबेली में 24 घंटे के अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ श्रद्धा और भक्ति के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वृक्षारोपण एवं संगीतमय राम संकीर्तन से हुई। ग्राम के वरिष्ठजनों एवं एकल अभियान के पदाधिकारियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके बाद भजन मंडली ने श्री राम, जय राम, जय-जय राम के संकीर्तन के साथ गांव में प्रभात फेरी निकाली। रामधुन से पूरा गांव भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ किया

गया। एकल अभियान के कार्यकर्ताओं ने बताया कि अभियान का उद्देश्य गांव-गांव में धार्मिक चेतना, सामाजिक समरसता, नैतिक संस्कार और पर्यावरण संरक्षण का संदेश पहुंचाना है। वक्ताओं ने कहा कि भगवान श्रीराम के आदर्श आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके आदर्शों के साथ प्रकृति संरक्षण का संकल्प भी प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। इसी भावना के साथ रामायण पाठ के साथ वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में ग्राम देवारबेली के ग्रामीण, मातृशक्ति, युवा एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन के अंत में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में एकल अभियान संच के कार्यकर्ताओं एवं ग्रामवासियों का सराहनीय योगदान रहा।

गुरुपर्व पर सकेत आईटीआई में गुरु वंदन एवं वृक्षारोपण का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। सामान्य प्रशासन विभाग, मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार सकेत प्राइवेट आईटीआई, दुलापुर (लांजी) में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर महर्षि सांदीपनि गुरुपर्व का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं गुरुजनों के छायाचित्रों पर पुष्प अर्पित कर तथा विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। संस्था के प्राचार्य कैलाश नाकतोड़े ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुरु के महत्व एवं भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों से गुरुओं के बताए मार्ग पर चलकर जीवन में सफलता प्राप्त करने का आह्वान किया। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर संस्था परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए नीम, आजन एवं गुलमोहर सहित विभिन्न छायादार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में अभय आसटकर, अनमोल खरगाल, मालनबाई ठाकरे, धनेश्वरी नारनारे सहित

प्रशिक्षणार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। साथ ही आसपास के ग्रामों के गणमान्य नागरिक भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य गुरुजनों के प्रति सम्मान प्रकट करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला में गुरु पूर्णिमा पर्व का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला में 29 जुलाई को गुरू पूर्णिमा पर्व बड़े धूम-धाम से मनाया गया, जिसमें शाला प्रबंधन समिति के सभी सदस्यों, ग्राम बहेला के गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सर्वप्रथम मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया तत्पश्चात कक्षा 12 वीं के छात्रों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। उपस्थित अतिथियों का प्रभारी प्राचार्य श्रीमती रेखा लिल्हारे एवं शिक्षकों द्वारा सम्मान किया गया। एस एम सी सदस्य एवं जनपद पंचायत सदस्य पवन भोयर द्वारा गुरू पूर्णिमा पर्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उद्बोधन के इसी क्रम में संस्था के शिक्षक डालीराम उपराड़े, धनेन्द्र कुमार मरकाम, शोभेलाल बनोठे एवं अन्य शिक्षकों द्वारा गुरू पूर्णिमा के संबंध में जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि केवल परीक्षा में पास होने से ही व्यक्ति पूर्ण नहीं हो सकता बल्कि उसे संस्कारी होना भी चाहिए, इसके लिए उन्हें गुरु की आवश्यकता होती है।इसी क्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं द्वारा भी गुरु शिष्य परंपरा पर प्रकाश डाला गया।अंत में प्रभारी प्राचार्य श्रीमती रेखा लिल्हारे द्वारा उपस्थित सभी अतिथि, छात्रों का आभार व्यक्त किया गया एवं छात्रों को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन सुखदेव रहांगडाले द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संस्था के सभी शिक्षक, अतिथि शिक्षकों, वोकेशनल शिक्षकों की उपस्थिति रही।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

भाजपा की रणनीति या कांग्रेस का स्थानीय दांव, किसे मिलेगा जनादेश ?

दतिया उपचुनाव : मतदान आज, 2.20 लाख मतदाता करेंगे 21 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

भोपाल। दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए गुरूवार को मतदान होंगे। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने इस चुनाव में पूरी ताकत झोंक दी थी। अब नजर इस बात पर है कि किसकी रणनीति ज्यादा प्रभावी रहेगी और कौन से मुद्दे मतदाताओं को सबसे अधिक प्रभावित करेंगे। दतिया उपचुनाव को भाजपा और कांग्रेस दोनों ने प्रतिष्ठा का चुनाव बना दिया। भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने चुनाव प्रचार किया। वहीं कांग्रेस की तरफ से प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित कई दिग्गज नेताओं ने मोर्चा संभाला। अब सबकी नजर इस बात पर है कि उपचुनाव में भाजपा की रणनीति या कांग्रेस का स्थानीय दांव काम आएगा।

मतदान में 2 लाख 20 हजार 344 मतदाता 21 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। ईवीएम में प्रत्याशियों के साथ नोटा का विकल्प भी है। तीन अगस्त को नतीजे आएंगे। दतिया में कुल 2,20,344 मतदाता हैं। इनमें 1,16,088 पुरुष और 1,04,246 महिला मतदाता हैं। इसके अलावा 10 अन्य मतदाता भी अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। विधानसभा क्षेत्र में 1,372 दिव्यांग, 80 वर्ष से अधिक उम्र के 1,237 और 443 सर्विस वोटर भी हैं। यही मतदाता 30 जुलाई को ईवीएम में बटन दबाकर 21 प्रत्याशियों की किस्मत तय करेंगे।

भाजपा ने किस पर वोट मांगा?

भाजपा ने अपने प्रचार अभियान में डबल इंजन सरकार, विकास कार्य, सडक़, बिजली, पानी, महिला सशक्तिकरण और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रमुख मुद्दा बनाया। पार्टी ने विकास की निरंतरता के नाम पर मतदाताओं से समर्थन मांगा। दूसरी ओर कांग्रेस ने महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं, कानून-व्यवस्था, स्थानीय विकास और प्रशासन के कथित दुरुपयोग जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरा। कांग्रेस ने इस चुनाव को जनता बनाम सरकार की लड़ाई के रूप में पेश करने की कोशिश की।

नरोत्तम मिश्रा की भूमिका

इस चुनाव में पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा की भूमिका सबसे अधिक चर्चा में रही। दतिया उनकी राजनीतिक कर्मभूमि रही है। उन्होंने संगठन के साथ मिलकर बूथ स्तर तक चुनावी रणनीति तैयार की और

कार्यकर्ताओं को सक्रिय बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम नायक ने स्थानीय चेहरा होने का लाभ उठाने की कोशिश की। उन्होंने गांव-गांव जनसंपर्क कर स्थानीय समस्याओं और जनभावनाओं को चुनावी अभियान का केंद्र बनाया। कांग्रेस संगठन ने भी उनके समर्थन में लगातार प्रचार अभियान चलाया। इसी बीच बीजेपी ने ब्राह्मण चेहरे के रूप में युवा नेता आशुतोष तिवारी को मैदान में उतारा है। पार्टी की रणनीति स्पष्ट है कि उम्मीदवार बदलने के बावजूद उसका पारंपरिक वोट बैंक उसके साथ बना रहे। स्थानीय राजनीतिक जानकारों और वरिष्ठ पत्रकारों की राय भी इस मुद्दे पर बंटी हुई है। कुछ का मानना है कि नाराजगी मुख्य रूप से सोशल मीडिया तक सीमित है और मजबूत संगठन के दम पर बीजेपी इसे संभाल लेगी। वहीं कुछ विश्लेषकों का कहना है कि एक वर्ग में खामोश नाराजगी जरूर है, जिसका असर मतदान के दौरान देखने को मिल सकता है।

जातीय समीकरण

दतिया का चुनावी गणित हमेशा से दिलचस्प रहा है। यहां कोई भी एक समाज अकेले जीत-हार तय करने की स्थिति में नहीं है, लेकिन कुछ वर्ग चुनाव परिणाम पर निर्णायक प्रभाव रखते हैं। उपलब्ध चुनावी आकलनों के अनुसार ब्राह्मण समाज की हिस्सेदारी करीब 14.8 प्रतिशत, अहिरवार-जाटव समाज की 14.7 प्रतिशत, कुशवाहा-काछी समाज की 12.2 प्रतिशत, यादव समाज की 7.4 प्रतिशत और लोधी समाज की लगभग 6.9 प्रतिशत मानी जाती है। ऐसे में एक-दो प्रतिशत वोटों का इधर-उधर होना भी मुकाबले का परिणाम बदल सकता है। डॉ. नरोत्तम मिश्रा लंबे समय तक दतिया की राजनीति का प्रमुख चेहरा रहे हैं। टिकट नहीं मिलने के बाद सोशल मीडिया पर ब्राह्मण समाज की नाराजगी को लेकर कई तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं। कुछ पोस्ट और वीडियो में उपेक्षा और असंतोष की बातें भी कही गईं। हालांकि यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि इन प्रतिक्रियाओं का वास्तविक असर मतदान पर कितना पड़ेगा।

इस बार त्रिकोणीय मुकाबला

इस बार मुकाबला भी पूरी तरह एकतरफा नहीं माना जा रहा। बीजेपी के आशुतोष तिवारी के सामने कांग्रेस के उम्मीदवार के साथ आजाद समाज पार्टी से दामोदर यादव भी चुनाव मैदान में हैं। दामोदर यादव के चुनाव लडऩे से यादव समाज के वोटों का समीकरण चर्चा में है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इससे परंपरागत वोटों का बंटवारा हो सकता है, जिससे मुकाबला और रोचक हो गया है। वहीं अहिरवार-जाटव और कुशवाहा-काछी समाज के मतदाताओं को भी इस चुनाव में अहम माना जा रहा है। इन वर्गों का रुख किस दल की ओर जाता है, यह परिणाम तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

भोपाल मेट्रो के मुआवजे पर हाईकोर्ट सख्त कहा- 2 हफ्तों में जवाब नहीं आया तो कलेक्टर की पेशी होगी

भोपाल । भोपाल मेट्रो से जुड़ा एक मामले जबलपुर हाईकोर्ट पहुंच गया है। इस मामले में कोर्ट ने मध्यप्रदेश प्रशासन पर भी कई सवाल उठाए हैं। दरअसल, कई साल पहले भोपाल मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के लिए जमीन अधिग्रहित किए गए थे। लेकिन, अब तक इससे प्रभावित प्मकान-जमीन मालिकों को उनका हक (मुआवजा) नहीं मिला। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस विशाल मिश्रा की बेंच ने कहा कि अगर अगले दो हफ्तों में प्रशासन ने इस पर स्टेटस रिपोर्ट पेश नहीं की, तो भोपाल कलेक्टर को खुद अदालत में हाजिर होकर जवाब देना होगा। इस मामले की अलगी सुनवाई 17 अगस्त को होगी।

यह पूरा विवाद भोपाल निवासी जाकिर अली खान और जाहिदा बी की तरफ से दाखिल की गई अलग-अलग याचिकाओं से जुड़ा है। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि भोपाल मेट्रो परियोजना के निर्माण के लिए उनकी कीमती जमीन का अधिग्रहण तो कर लिया गया, लेकिन सालों बीत जाने के बावजूद उन्हें नियमानुसार मुआवजा नहीं दिया गया। बार-बार चक्कर काटने के बाद जब कोई सुनवाई नहीं हुई, तो पीड़ितों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

सुनवाई के दौरीन कोर्ट ने कहा..

सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार की ढिलाई पर सख्त रुख दिखाया। कोर्ट ने सवाल किया- इसके लिए याचिकाकर्ताओं को अब तक मुआवजा मिला या नहीं? अगर भुगतान रुका हुआ है, तो इसके पीछे की असली वजह क्या है? किसी की जमीन अधिग्रहित करने के बाद उसे समय पर मुआवजा देना सरकार की कानूनी और नैतिक जिम्मेदारी है। इस प्रक्रिया में गैर-जरूरी देरी को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कोर्ट ने कहा कि इसलिए अब तक की गई पूरी कार्रवाई की डीटेल्ड जानकारी और मुआवजा भुगतान की सटीक स्थिति दो सप्ताह के अंदर एफिडेविट के साथ कोर्ट में जमा की जाए। अगर तय समयसीमा में जवाब दाखिल नहीं होता है, तो भोपाल कलेक्टर को कोर्ट में उपस्थित होकर इसका जवाब देना होगा।

निर्दलीय प्रत्याशी कन्छेदीलाल कुशवाह ने भाजपा को दिया समर्थन

भोपाल । दतिया विधानसभा उपचुनाव के बीच निर्दलीय प्रत्याशी कन्छेदीलाल कुशवाह ने भारतीय जनता पार्टी को समर्थन देने की घोषणा की है। उन्होंने बुधवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खण्डेलवाल को समर्थन पत्र सौंपते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकासोन्मुखी नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा का समर्थन करने की बात कही।

इस अवसर पर हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि भाजपा विचार आधारित संगठन है, जहां राष्ट्र सर्वोपरि की भावना के साथ कार्य किया जाता है। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी एवं समाजसेवी व्यक्तियों का लगातार भाजपा परिवार से जुड़ना इस बात का प्रमाण है कि केंद्र और प्रदेश सरकार की जनहितैषी नीतियों पर जनता का विश्वास लगातार बढ़ रहा है।

कन्छेदीलाल कुशवाह ने कहा कि भाजपा ने कुशवाह समाज को हमेशा प्रतिनिधित्व दिया है और गरीब, किसान, युवा तथा महिलाओं के हित में प्रभावी कार्य किए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रहित, विकास और सेवा की राजनीति के माध्यम से देश और प्रदेश को नई दिशा दे रही है। भाजपा नेताओं ने इसे दतिया उपचुनाव में पार्टी के प्रति बढ़ते जनसमर्थन का संकेत बताते हुए कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों का विश्वास भाजपा के साथ निरंतर मजबूत हो रहा है।

अफसरों की उदासीनता से अटके गांवों के विकास कार्य

- राष्ट्रीय रूर्बन मिशन में मध्यप्रदेश पिछड़ा, 23वें स्थान पर पहुंचा प्रदेश

भोपाल। गांवों को शहर जैसी सुविधाएं देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू किए गए श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय रूर्बन मिशन के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश की स्थिति संतोषजनक नहीं रही है। केंद्र सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना में प्रदेश 23वें स्थान पर है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में योजना के धीमे क्रियान्वयन और बजट के कम उपयोग को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। सरकार की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास, रोजगार और पलायन रोकने के दावे किए जाते रहे हैं, लेकिन राष्ट्रीय रूर्बन मिशन के आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश के कई चिन्हित क्लस्टरों में तय लक्ष्यों के अनुसार काम नहीं हो पाया। अफसरों की निगरानी और रुचि की कमी के कारण योजना का अपेक्षित लाभ ग्रामीणों तक नहीं पहुंच सका।

केंद्र सरकार ने गांवों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने, बुनियादी सुविधाएं विकसित करने और ग्रामीणों को शहरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय रूर्बन मिशन शुरू किया था। मध्यप्रदेश में इस मिशन के तहत 167 ग्राम पंचायतों का चयन किया गया है। इन्हें 19 विकास क्लस्टरों में विभाजित किया गया। मैदानी क्षेत्रों में 25 हजार से 50 हजार आबादी वाले गांवों को शामिल किया गया। जनजातीय और पहाड़ी क्षेत्रों में 5 हजार से 10 हजार आबादी वाले गांवों को चयनित किया गया। इन क्लस्टरों में रोजगार के अवसर बढ़ाने, कृषि प्रसंस्करण इकाइयां विकसित करने, सडक़, स्वच्छता, कौशल विकास और डिजिटल सुविधाओं को मजबूत करने का लक्ष्य रखा गया था।

तीन साल में खर्च करनी थी राशि, लेकिन नहीं हो पाया पूरा उपयोग

मिशन के तहत प्रत्येक क्लस्टर के लिए तीन साल की अवधि में राशि खर्च करने का प्रावधान था। मैदानी क्षेत्रों के क्लस्टर के लिए 30 करोड़ रुपये और जनजातीय क्षेत्रों के क्लस्टर के लिए 15 करोड़ रुपये मिले थे। इसमें 60 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार और 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। लेकिन प्रदेश के अधिकांश क्लस्टरों में स्वीकृत राशि का पूरा उपयोग नहीं किया जा सका। इसके कारण विकास कार्यों की गति प्रभावित हुई।

कई क्लस्टरों में आधे से भी कम खर्च

कैग की रिपोर्ट के अनुसार दूसरे चरण में चयनित कई क्लस्टरों में बजट खर्च की स्थिति बेहद कमजोर रही। ग्वालियर के छिमक क्लस्टर को मिले 30 करोड़ में से केवल 12.32 करोड़ रुपये (41.07 प्रतिशत) खर्च हुए। धार के गुनावद क्लस्टर में 15 करोड़ में से 5.24 करोड़ रुपये (34.94 प्रतिशत) खर्च हुए। झाबुआ के मोहनकोट क्लस्टर में 15 करोड़ में से 4.40 करोड़ रुपये (29.33 प्रतिशत) खर्च किए गए। बैतूल के देशावाड़ी क्लस्टर में 15 करोड़ में से सिर्फ 3.57 करोड़ रुपये खर्च हो सके। रीवा के गौरी क्लस्टर में 30 करोड़ में से 6.74 करोड़ रुपये (22.47 प्रतिशत) ही उपयोग हुए। ग्वालियर के मोहना क्लस्टर में स्वीकृत 30 करोड़ रुपये में से कोई राशि खर्च नहीं हो सकी। तीसरे चरण में भी कई क्लस्टरों में आवंटित राशि का पूरा उपयोग नहीं किया गया।

3462 कार्यों में से केवल 2078 के बने प्रोजेक्ट रिपोर्ट

कैग ने वर्ष 2016 से 2024 के बीच प्रदेश में मिशन की प्रगति का मूल्यांकन किया। रिपोर्ट में बताया गया कि प्रदेश में 19 समेकित क्लस्टर कार्य योजनाएं तैयार की गई थीं। इन योजनाओं में शामिल 3462 कार्यों में से केवल 2078 कार्यों के लिए परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार किए गए। कैग ने पाया कि तीनों चरणों में चयनित क्लस्टरों को दिए गए क्रिटिकल गैप फंड (सीजीएफ) का उपयोग केवल 2.40 प्रतिशत से 52.93 प्रतिशत तक ही हो सका। इसका मतलब है कि विकास कार्यों के लिए उपलब्ध कराई गई बड़ी राशि खर्च नहीं हो पाई और कई परियोजनाएं अधूरी रह गईं।

पर्यटन निगम की बैठक में निर्णय

म. प्र. सरकार कांवड़ियों को भोजन कराएगी

भोपाल। राज्य सरकार ने श्रावण माह में कांवड़ यात्रा मे श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। राज्य पर्यटन निगम की बैठक में तय किया गया है, कांवड़ यात्रा के दौरान विभिन्न प्रमुख मार्गों पर कांवड़ियों के लिए निःशुल्क भोजन की व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए पर्यटन निगम, स्थानीय प्रशासन, धार्मिक संस्थाओं और स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से भोजन वितरण केंद्र संचालित करेगा।

बैठक में कांवड़ियों के विश्राम, पेयजल, स्वच्छता और प्राथमिक उपचार जैसी सुविधाओं को भी बेहतर बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। कांवड़ियों के लिए भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और समय पर उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रमुख कांवड़ मार्गों पर आवश्यकता के अनुसार अस्थायी शिविर स्थापित किए जाएंगे।

सरकार का कहना है, इस पहल का उद्देश्य कांवड़ यात्रा को अधिक सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुविधाजनक बनाना है। पर्यटन निगम ने संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर तैयारियां शीघ्र पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

चुनाव आयोग से दतिया कलेक्टर-एसपी की शिकायत

-कांग्रेस का आरोप- अफसर फोन तक नहीं उठा रहे

भोपाल। कांग्रेस ने दतिया कलेक्टर और एसपी पर शिकायतें न सुनने के आरोप लगाए हैं। पार्टी ने चुनाव आयोग से इसकी शिकायत करते हुए कहा है कि नेताओं और कार्यकर्ताओं की शिकायतों पर कार्रवाई नहीं की जा रही है तथा चुनाव आयोग के निर्देशों का भी पालन नहीं हो रहा। पार्टी ने आयोग से तत्काल हस्तक्षेप कर निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने की मांग की है। जिन अधिकारियों पर आरोप लगाए गए हैं उनमें विजय भारती (केंद्रीय चुनाव पर्यवेक्षक), स्वप्निल वानखेड़े (जिला कलेक्टर) और मयूर खंडेलवाल (जिला पुलिस अधीक्षक) आदि शामिल हैं।कांग्रेस ने कहा है कि संबंधित अधिकारी पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के फोन नहीं उठा रहे हैं। यदि फोन उठाते भी हैं तो शिकायतों पर समय पर कार्रवाई नहीं करते। पार्टी का आरोप है कि चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन नहीं हो रहा और कुछ स्थानांतरित पुलिस अधिकारियों को भी चुनाव ड्यूटी में लगाया गया है, जो कांग्रेस कार्यकर्ताओं को परेशान कर रहे हैं।

बाहरी लोगों की मौजूदगी का भी आरोप

शिकायत में कहा गया है कि प्रचार अवधि समाप्त होने के बाद भी भाजपा से जुड़े बाहरी लोग ग्रामीण क्षेत्रों में ठहरे हुए हैं और मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेस ने ऐसे लोगों की जांच कर उन्हें विधानसभा क्षेत्र से बाहर करने की मांग की है।

मध्यप्रदेश में बाघों की संख्या 1000 के पार पहुंचने का अनुमान, अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर मुख्यमंत्री ने किया ऐलान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में बाघों का कुनबा लगातार बढ़ रहा है और आगामी गणना में प्रदेश में बाघों की संख्या 1000 से अधिक होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनभागीदारी के माध्यम से प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति और वन्यजीवों के प्रति सम्मान की परंपरा रही है। वर्ष 2022 की गणना में प्रदेश में 785 बाघ दर्ज किए गए थे, जबकि 53 वर्ष पहले उनकी संख्या दहाई तक सिमट गई थी। उन्होंने विश्वास जताया कि नई गणना में मध्यप्रदेश एक बार फिर टाइगर स्टेट के रूप में अपनी अग्रणी पहचान और मजबूत करेगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने वन्यजीव संरक्षण से संबंधित कई पुस्तकों का विमोचन किया, जिनमें सतपुड़ा की तितलियों, कान्हा की घास प्रजातियों, वन्यजीव संरक्षण की श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों तथा पेंच टाइगर रिजर्व की जैव विविधता पर आधारित प्रकाशन शामिल हैं। उन्होंने रातापानी और वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के नए लोगो का भी अनावरण किया तथा वन्यजीव संरक्षण के लिए उपलब्ध कराए गए वाहनों का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वन कर्मियों, वन सुरक्षा समितियों और ईको विकास समितियों को सम्मानित किया। उन्होंने एक जन-एक पत्ती अभियान में भाग लेते हुए बाघ की आकृति वाली सिरेमिक टाइल तैयार की, जो जनभागीदारी आधारित संरक्षण का प्रतीक बनेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में घड़ियाल, चीता, हाथी और जंगली भैंसों के संरक्षण में उल्लेखनीय सफलता मिली है तथा जल्द ही गैंडों के पुनर्वास की दिशा में भी पहल की जाएगी। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय समुदायों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इन्हीं सामूहिक प्रयासों से मध्यप्रदेश वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में देश-दुनिया में नई पहचान बना रहा है।

एनटीए की वैधानिकता पर हाईकोर्ट ने उठाए सवाल, केंद्र सरकार से मांगा जवाब

भोपाल। नीट-यूजी 2026 परीक्षा परिणाम से जुड़े मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की वैधानिक स्थिति को लेकर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। अदालत में दायर याचिका में सवाल उठाया गया है कि जब एनटीए संसद के कानून से गठित संस्था नहीं है, तो वह इतनी बड़ी राष्ट्रीय परीक्षा आयोजित करने का अधिकार कैसे रखती है। झाबुआ निवासी छात्र लोकेन्द्र सिंह खड़िया ने याचिका दाखिल कर नीट-यूजी 2026 के परिणाम में भारी अंतर का आरोप लगाया है। छात्र का कहना है कि उसे 305 अंकों के स्थान पर केवल 64 अंक दिए गए, जिससे उसके परिणाम पर बड़ा प्रभाव पड़ा। याचिका में दावा किया गया है कि एनटीए सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत पंजीकृत संस्था है, न कि कोई वैधानिक निकाय। इसलिए इसकी परीक्षा आयोजित करने की कानूनी क्षमता पर विचार किया जाना चाहिए। जस्टिस सुबोध अभ्यंकर और जस्टिस आलोक अवस्थी की खंडपीठ में हुई सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार के वकील ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। अदालत ने अनुरोध स्वीकार करते हुए मामले की अगली सुनवाई के लिए निर्देश जारी किए हैं।

प्रमोशन का दूसरा दौर...सितंबर-अक्टूबर से शुरू होगी प्रक्रिया

भोपाल। मध्यप्रदेश में वर्षों बाद शुरू हुई पदोन्नति प्रक्रिया का पहला चरण पूरा होने के बाद अब सरकार दूसरे चरण की तैयारी में है। इस बार फोकस उन हजारों अधिकारी-कर्मचारियों पर रहेगा, जो वर्ष 2026 की वरिष्ठता सूची के कारण पिछले प्रमोशन अभियान में शामिल नहीं हो सके। सरकार सितंबर या अक्टूबर से विभागवार विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठकें फिर से बुलाने की तैयारी कर रही है, ताकि छूटे हुए पात्र कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ दिया जा सके। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि हाल ही में हुई डीपीसी में वर्ष 2025 की रिक्तियों और वरिष्ठता के आधार पर प्रमोशन दिए गए थे, जिससे बड़ी संख्या में ऐसे अधिकारी-कर्मचारी बाहर रह गए जिनकी बारी 2026 की वरिष्ठता के अनुसार बनती थी।

2026 वरिष्ठता वाले कर्मचारियों के लिए फिर बैठेगी डीपीसी

पदोन्नति प्रक्रिया पूरी होने के बाद कई विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने राज्य शासन के समक्ष आपत्ति दर्ज कराई है। उनका कहना है कि पुरानी और अद्यतन नहीं की गई वरिष्ठता सूचियों तथा कुछ विभागीय स्तर की तकनीकी त्रुटियों के कारण वे पदोन्नति से वंचित रह गए। कई विभागों में रिक्त पद भर गए, लेकिन पात्र कर्मचारी प्रमोशन नहीं पा सके। इसी फीडबैक के बाद सरकार अब दूसरे चरण में छूटे हुए मामलों की समीक्षा कर नई डीपीसी कराने की तैयारी में है।

2027 की रिक्तियों के साथ होगा प्रमोशन

सूत्रों के अनुसार सितंबर-अक्टूबर से शुरू होने वाली डीपीसी में केवल छूटे हुए कर्मचारियों के मामलों की समीक्षा ही नहीं होगी, बल्कि वर्ष 2027 की संभावित रिक्तियों को भी शामिल कर नियमित पदोन्नति प्रक्रिया पूरी की जाएगी। सरकार का लक्ष्य नवंबर तक अधिकांश लंबित मामलों का निपटारा करना है, ताकि विभागों में पदोन्नति संबंधी लंबित स्थिति समाप्त हो सके।

कोर्ट के फैसले पर भी रहेगी नजर

हालांकि सरकार की पूरी योजना पदोन्नति में आरक्षण से जुड़े न्यायालयीन विवाद से भी प्रभावित हो सकती है। यह मामला अभी उच्च न्यायालय में विचाराधीन है। सरकार द्वारा अब तक जारी सभी पदोन्नति आदेश अदालत के अंतिम निर्णय के अधीन हैं। यदि इस दौरान न्यायालय कोई नया आदेश देता है, तो आगे की डीपीसी और पदोन्नति प्रक्रिया उसी के अनुरूप संचालित की जाएगी।

क्यों छूट गए 2026 वरिष्ठता वाले कर्मचारी?

हालिया पदोन्नति अभियान में विभागों ने वर्ष 2025 की वरिष्ठता सूची और 31 दिसंबर 2025 तक की रिक्तियों को आधार बनाया। परिणामस्वरूप जिन कर्मचारियों की वरिष्ठता 2026 में प्रभावी होनी थी, वे प्रमोशन की पात्रता के बावजूद प्रक्रिया से बाहर रह गए। अब सरकार इन्हीं कर्मचारियों को अवसर देने के लिए दूसरा चरण शुरू करने जा रही है। राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 लागू करने के बाद 30 जून को सभी विभागों को निर्देश दिए थे कि लंबित रिक्तियों और वर्ष 2025 तक की संभावित रिक्तियों के लिए डीपीसी आयोजित कर पदोन्नति दी जाए। इसी आदेश के आधार पर जुलाई में बड़े स्तर पर प्रमोशन किए गए। हालांकि नियमों में आवश्यक संशोधन न होने और वरिष्ठता सूची अद्यतन नहीं होने के कारण कई मामलों में विवाद भी सामने आए।

अब सरकार के सामने दोहरी चुनौती

सरकार के सामने अब दो प्रमुख चुनौतियां हैं। पहली, पदोन्नति से वंचित पात्र कर्मचारियों को न्यायसंगत अवसर देना और दूसरी, पूरी प्रक्रिया को न्यायालय के संभावित फैसले के अनुरूप बनाए रखना। यदि सितंबर-अक्टूबर में प्रस्तावित डीपीसी समय पर हो जाती है, तो हजारों अधिकारी-कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित पदोन्नति का रास्ता साफ हो सकता है। वहीं, अदालत के निर्णय के बाद सरकार को आवश्यक होने पर पूरी प्रक्रिया में संशोधन भी करना पड़ सकता है।

31 जुलाई तक करें उच्च शिक्षा में प्रवेश, लगभग 5 लाख विद्यार्थियों ने कराया एडमिशन

भोपाल। मध्यप्रदेश के शासकीय, अशासकीय एवं अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। उच्च शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रवेश की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 है और इसके बाद प्रवेश तिथि बढ़ाए जाने की कोई संभावना नहीं है। विभाग ने विद्यार्थियों से समय रहते प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है।

अब तक प्रदेश के स्नातक, स्नातकोत्तर एवं एनसीटीई पाठ्यक्रमों में लगभग 5 लाख विद्यार्थियों ने प्रवेश ले लिया है। इनमें कला संकाय सबसे अधिक पसंद किया गया है, जहां 2,26,090 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। विज्ञान संकाय में 1,32,127, वाणिज्य में 64,704, विधि संकाय में 21,130 तथा एनसीटीई पाठ्यक्रमों में 46,566 विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त किया है। पिछले वर्ष की तुलना में विधि संकाय में प्रवेश संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार प्रदेश के कई शासकीय महाविद्यालयों में लोकप्रिय पाठ्यक्रमों की अधिकांश सीटें भर चुकी हैं और अंतिम दिनों में प्रवेश प्रक्रिया तेज गति से चल रही है। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए सभी महाविद्यालयों में प्रवेश सहायता केंद्र और हेल्पडेस्क सक्रिय हैं।

विभाग ने विद्यार्थियों और अभिभावकों से अपील की है कि वे अंतिम समय तक इंतजार न करें और 31 जुलाई से पहले अपनी पसंद के महाविद्यालय एवं पाठ्यक्रम में प्रवेश सुनिश्चित कर लें। विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय-सीमा के बाद प्रवेश का कोई अवसर उपलब्ध नहीं होगा।

वेस्टइंडीज ने पहले टेस्ट में पाकिस्तान को 90 रनों से हराया

जमैका। जस्टिन ग्रीव्स की घातक गेंदबाजी से मेजबान वेस्टइंडीज ने पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में पाकिस्तान को 90 रनों से हराकर दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। मैच के चौथे दिन जीत के लिए मिले 211 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पूरी पाक टीम अपनी दूसरी पारी में 120 रनों पर ही आउट हो गयी। केवल कप्तान बाबर आजम ने 58 रन बनाये। वहीं बाकि कोई भी बल्लेबाज ग्रीव्स का मुकाबला नहीं कर पाया। बाबर के अलावा मोहम्मद रिजवान ने 11 और मोहम्मद अब्बास ने 23 रन बनाए। इन तीनों के अलावा और कोई भी बल्लेबाज दो अंकों तक नहीं पहुंच पाया।

वेस्टइंडीज की इस जीत में ग्रीव्स की मुख्य भूमिका रही। उन्होंने दोनों पारियों में कुल मिलाकर मिलाकर 7 विकेट लिए, जिसकी वजह से उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। इसी कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। इस मैच में 211 रनों के छोटे से लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाक टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। कप्तान बाबर के 58 रनों और मोहम्मद रिजवान के 11 रनों के अलावा मोहम्मद अब्बास ने 23 रन बनाए। इन तीनों के अलावा और कोई भी अन्य बल्लेबाज दो अंकों तक नहीं पहुंच पाया। वहीं दूसरी पारी में जेडन सील्स ने 14.2 ओवर में 20 रन देकर 5 विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा केमार रोच और जस्टिन ग्रीव्स ने 2-2 विकेट अपने नाम किए, जबकि शमार जोसेफ ने एक विकेट लिया। पहली पारी में ग्रीव्स ने लगातार 5 मेडन ओवरों में 5 विकेट लेकर पाक टीम पर दबाव बना दिया था। पाक टीम पहली पारी 80.1 ओवर में 282 रन ही बना पायी थी जबकि वेस्टइंडीज की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 311 रन बनाये थे।

भारत की हरजिंदर ने राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत पदक जीता

गलास्गो। भारत की हरजिंदर कौर ने राष्ट्रमण्डल खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारोत्तोलन में रजत पदक जीता है। हरजिंदर ने महिलाओं की 69 किग्रा भारोत्तोलन स्पर्धा के फाइनल में कुल 227 किग्रा वजन उठाकर रजत पदक अपने नाम किया है। इसी के साथ ही भारतीय भारोत्तोलकों ने यहां सातवां पदक जीता है। हरजिंदर ने शुरुआत से ही काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए स्नैच राउंड में 101 किग्रा वजन उठाया। इसके बाद क्लीन एंड जर्क में उन्होंने 126 किग्रा वजन उठाया। विशेष बात ये रही कि हरजिंदर ने दबाव के बीच भी बेहतरीन खेल दिखाते हुए रजत पदक पर कब्जा किया।

हरजिंदर के रजत पदक के साथ ही भारत ने इन खेलों में अपना सातवां पदक हासिल किया है। हरजिंदर स्नैच राउंड समाप्त होने के बाद दूसरे स्थान पर थीं। क्लीन एंड जर्क में भी उन्होंने अपनी लय बरकरार रखी और प्रतियोगिता के अंत तक हावी रहीं। वहीं महिलाओं के महिला 69 किग्रा भार वर्ग में कनाडा की चार्लोट सिमोनो ने स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने कुल 240 किग्रा वजन उठाया जबकि ऑस्ट्रेलिया की न्या फोबे हेमैन ने कुल 218 किग्रा वजन उठाकर कांस्य पदक हासिल किया। हरजिंदर ने इस जीत के साथ ही राष्ट्रमण्डल खेलों में अपना दूसरा पदक जीता है। इससे पहले उन्होंने साल 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमण्डल खेलों में महिलाओं के 71 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता था। इस बार उन्होंने अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाते हुए रजत हासिल किया।

गुलवीर राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत जीतने वाले पहले भारतीय बने

गलास्गो । भारतीय एथलीट गुलवीर सिंह ने राष्ट्रमण्डल खेलों में पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ का रजत पदक जीता है। वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय हैं। इससे पहले किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने राष्ट्रमण्डल खेलों में ये स्पर्धा नहीं जीती थी। गुलवीर ने इस दौड़ के दौरान संयम बनाये रखा। अंतिम लैप में उन्होंने तेजी से दौड़ते हुए चौथे स्थान से दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने यह रेस 27ः49.78 सेकेंड में पूरी की। वहीं ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने 27ः48.93 सेकेंड समय निकालकर दूसरा जबकि आइल ऑफ मैन के डेविड मुलार्की ने 27ः50.28 का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल करने के साथ ही कांस्य पदक जीता।

यह उपलब्धि इसलिए भी काफी महत्वूपर्ण है क्योंकि साल 1986 के बाद से ही यह पहली बार है जब पुरुषों की 10,000 मीटर रेस के पोडियम पर किसी अफ्रीकी देश के खिलाड़ी की जगह पर भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं। गुलवीर ने इससे पहले साल 2022 एशियाई खेलों की इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था।

गुलवीर ने रेस की शुरुआत तेजी से की। पहले 1000 मीटर के बाद वह तीसरे स्थान पर थे। 2000 मीटर तक भी उन्होंने अपनी स्थिति बनाए रखी। इसके बाद वह पांचवें और फिर छठे स्थान पर फिसल गये। 4000 मीटर शेष रहते ही वह पांचवें स्थान पर थे पर उन्होंने हार नहीं मानी। जैसे-जैसे रेस अंतिम चरण में पहुंची, गुलवीर ने अपनी गति बढ़ाई और पदक की दौड़ में जोरदार वापसी की। गौरतलब है कि गुलवीर ने पहले भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनायी थी। उन्होंने साल 2022 एशियाई खेलों में 10,000 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। वहीं अब राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत पदक जीतकर उन्होंने अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में एक और सुनहरा अध्याय जोड़ दिया है।

2027 एकदिवसीय विश्वकप में रोहित और वैभव से पारी की शुरुआत करायें - इंजीनियर

लंदन। संन्यास के बाद से ही इंग्लैंड में रह रहे भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज फारुख इंजीनियर ने कहा है कि आगामी 2027 एकदिवसीय विश्व कप में भारतीय टीम को रोहित शर्मा और वैभव सूर्यवंशी की सलामी जोड़ी के साथ उतरना चाहिये। इंजीनियर का मानना है कि यह जोड़ी विश्वकप में सफल रहेगी क्योंकि जहां रोहित के पास लंबा अनुभव है, वहींउभरते खिलाड़ी वैभव निडर होकर बल्लेबाजी करते हैं। उन्होंने साथ ही कह कि शुभमन गिल को मध्यक्रम में नंबर चार पर बल्लेबाजी करने चाहिये।

हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ समाप्त हुई तीन मैचों की श्रृंखला में जिस प्रकार से वैभव सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन किया है। उससे इंजीनियर भी बेहद प्रभावित है। इसी को देखते हुए इंजीनियर का मानना है कि अब 50 ओवर के प्रारूप में उन्हें भारतीय टीम में शामिल करने का ये सही समय है।

एक साक्षात्कार में इंजीनियर ने कहा, शुभमन एक क्लास खिलाड़ी हैं, मुझे लगता है कि वह अब टीम के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। इसलिए, उन्हें चौथे नंबर पर उतरना चाहिए। उन्होंने रोहित और वैभव की सलामी जोड़ी का समर्थन करते हुए कहा, शुभमन ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं जो गेंद को हवा में ज्यादा उछालते हैं, इसलिए एकदिवसीय में बाएं-दाएं का संयोजन सबसे बेहतर रहेगा। अगर रोहित खेल रहे हैं, और मुझे लगता है कि उन्हें खेलना चाहिए, तो उन्हें वैभव के साथ ओपनिंग करने दें। इंजीनियर ने साथ ही कहा कि वैभव जैसे बल्लेबाज पारी की शुरुआत में ज्यादा प्रभावी होते हैं। साथ कहा कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को तीसरे नंबर पर जबकि शुभमन गिल को चौथे नंबर पर उतारा जाना चाहिये।

वैभव की प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके लिए एकदिवसीय और टी20 के बीच इतना अंतर नहीं है क्योंकि एक हाफ-वॉली तो हाफ-वॉली ही है। इंजीनियर ने इस युवा खिलाड़ी के आत्मविश्वास और मैच जीतने की क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, जब वह ऐसी शुरुआत देते हैं, तो अन्य खिलाड़ियों को पारी को मजबूत करने और बड़ा स्कोर बनाने का समय मिल सकता है। पूर्व विकेटकीपर ने साथ ही कहा कि वह उच्च गुणवत्ता वाला मैच विजेता है। इसलिए उसे ज्यादा कोचिंग देने प्रयास न करें।

2027 एकदिवसीय विश्वकप जीतने तैयारियों में करने होंगे कुछ बदलाव-गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा है 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में जीत हासिल करने के लिए भारतीय टीम को अभी से अपनी तैयारियों में कुछ बदलाव करने होंगे। गावस्कर के अनुसार दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले विश्व कप में सफल होने के लिए भारतीय बल्लेबाजों को अभी से बड़ी बाउंड्री वाले मैदानों पर खेलने की आदत डालनी होगी। ऐसे में बोर्ड को अभी से घरेलू क्रिकेट में बाउंड्री का आकार बढ़ाना होगा।

गावस्कर ने कहा कि नए घरेलू सत्र की शुरुआत के साथ ही मैदानों की बाउंड्री बढ़ा दी जानी चाहिए। इससे बल्लेबाजों को अभ्यास का अवसर मिलेगा और वह अगले साल तक बड़े मैदानों में बाउंड्री लगाने के आदी हो जाएंगे। गावस्कर ने लिखा, 'नया सत्र शुरू होते ही बाउंड्री का आकार बढ़ाना बेहद जरूरी है, जिससे हमारे बल्लेबाज अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले इसकी आदत डाल सकें।' उन्होंने यह भी कहा, 'लगभग सभी मैदानों पर एलईडी विज्ञापन बोर्ड के पीछे पर्याप्त जगह मौजूद है, इसलिए इस बदलाव को लागू करना कठिन नहीं होगा।'

इसके अलावा गावस्कर का मानना है कि एकदिवसीय क्रिकेट में केवल बड़े शॉट लगाने से सफलता नहीं मिलती। बल्लेबाजों को मैच के हालातों के अनुसार खेलना आना चाहिए। उन्होंने कहा, 'बल्लेबाजों को यह समझना होगा कि किन गेंदबाजों के खिलाफ खतरा मौल नहीं लेना है और किन गेंदबाजों पर जमकर शॉट खेले जा सकते हैं।' उनके अनुसार किसी भी टीम के पास सभी पांच विश्वस्तरीय गेंदबाज नहीं होते, इसलिए हर मैच में रन बनाने के मौके जरूर मिलते हैं.गावस्कर ने बल्लेबाजों को शॉट चयन को लेकर भी अहम सलाह दी. उन्होंने कहा कि बल्लेबाजों को अपनी छवि के दबाव में आकर हर गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'शॉट चयन बहुत महत्वपूर्ण होता है। बल्लेबाज को अपने अहंकार पर नियंत्रण रखना चाहिए और हर गेंद को उसकी गुणवत्ता के अनुसार खेलना चाहिए।'

साथ ही कहा कि टी20 और एकदिवसीय क्रिकेट में अंतर होता है। उन्होंने कहा कि टी20 में शुरुआत से आक्रामक बल्लेबाजी की जरूरत होती है पर एकदिवसीय क्रिकेट में बल्लेबाजों के पास पर्याप्त समय होता है कि वे पहले पिच और हालातों को समझें, फिर बड़े शॉट खेलें। उनका मानना है कि अगर भारतीय बल्लेबाज अभी से बड़ी बाउंड्री और समझदारी से बल्लेबाजी की तैयारी करेंगे, तो भारतीय टीम विश्वकप जीतने की प्रबल दावेदार होगी।

विल्फ्रेड रोड्स के रिकार्ड को तोड़ना किसी भी क्रिकेटर के लिए संभव नहीं

तीन दशक का रहा है सबसे लंबा करियर

लंदन। विश्व क्रिकेट में अगर किसी बल्लेबाज का करियर सबसे लंबा रहा है तो वह गुजरे जमाने के इंग्लैंड के क्रिकेटर विल्फ्रेड रोड्स हैं। रोड्स ने तीन दशकों तक खेलकर एक ऐसा रिकार्ड बनाया था जिसके करीब भी कोई नहीं है। उनके रिकॉर्ड इतने विशाल और अविश्वसनीय हैं कि आधुनिक युग के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर भी उनसे काफी पीछे नजर आते हैं। रोड्स का अंतरराष्ट्रीय करियर 1899 में शुरू होकर साल 1930 तक, यानी पूरे 30 साल और 315 दिनों तक चला। 52 साल की में इस क्रिकेटर ने अपना अंतिम टेस्ट खेला। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में रोड्स ने कुल 1,110 फर्स्ट-क्लास मैच खेले हैं और इस रिकार्ड को तोड़ना किसी भी क्रिकेट के लिए संभव नहीं है। एक ऑलराउंडर के रूप में उन्हें खेल के हर पहलू में महारत मिली है। अपने करियर की शुरुआत एक गेंदबाज के रूप में करके, वह एक कुशल मध्यक्रम बल्लेबाज से होते हुए एक सफल सलामी बल्लेबाज बने। वह फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में 4,000 से अधिक विकेट लेने और 39,000 से अधिक रन बनाने वाले वह अकेले खिलाड़ी हैं।

वहीं साल 1926 की एशेज सीरीज में 48 साल की उम्र में रोड्स को टीम में शामिल किया गया जबकि उन्होंने अपना पिछला टेस्ट छह साल पहले खेला था। रोड्स ने अपने चयन को सही साबित करते हुए अपनी स्पिन से ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने मैच में कुल 6 विकेट लिए। उनकी घातक गेंदबाजी की बदौलत ही इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर एशेज ट्रॉफी जीतीत। ऐसे में अगर देखा जाये तो आधुनिक दौर के क्रिकेटर उनसे कहीं पीछे हैं। 30 साल से अधिक का टेस्ट करियर, 52 साल की उम्र तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और 1,110 फर्स्ट-क्लास मैच जैसे उपलब्धियां आज के दौर में हासिल करना लगभग असंभव है।

टेस्ट क्रिकेट सबसे अधिक रन बनाने वाले सलामी बल्लेबाजों में कुक पहले नंबर पर

मुम्बई । टेस्ट क्रिकेट में पारी की शुरुआत करना सबसे कठिन माना जाता है। इसका कारण है कि सलामी बल्लेबाजों पर टीम को एक अच्छी शुरुआत देने की जिम्मेदारी होती है। इस दौरान उन्हें विरोधी टीम के तेज गेंदबाजी आक्रामक का सामना करना पड़ता है। क्रिकेट इतिहास में कुछ ऐसे सलामी बल्लेबाज हुए हैं। जिन्होंने कठिन हालातों में भी जमकर रन बनाये और अपनी टीम को ठोस शुरुआत दी। इसमें इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक से लेकर भारतीय टीम के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर भी शामिल है।

एलिस्टर कुक = टेस्ट में पारी की शुरुआत करते हुए कुक काफी सफल रहे हैं। कुक ने अपने करियर के लगभग 95 फीसदी से रन पारी की शुरुआत करते हुए बनाये हैं। इसमें 278 पारियों में 11,845 रन का विशाल आंकड़ा शामिल है। इंग्लैंड की स्विंग वाली पिचों पर अपनी शानदार बल्लेबाजी से वह छाये रहे हैं। उनके नाम पारी की शुरुआत करते हुए सबसे अधिक रनों का रिकार्ड है।

सुनील गावस्कर = पारी की शुरुआत के लिए भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर जाने जाते हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के खतरनाक तेज गेंदबाजों के सामने भी बिना हेलमेट के बल्लेबाजी कर सबसे हैरान कर दिया था। गावस्कर ने बतौर सलामी बल्लेबाज 203 पारियों में 9,607 रन बनाये हैं। ये करियर के 94.9 फीसदी रन हैं। उनकी ठोस तकनीक और रक्षात्मक शैली का कोई जवाब नहीं था।

ग्रीम स्मिथ = दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ ने अपने टेस्ट करियर का 97.5 फीसदी रन पारी की शुरुआत करते हुए बनाये हैं। इस दौरान 196 पारियों में 9,030 रन बनाए।

डेविड वॉर्नर = ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर भी एक बेहतरीन सलामी बल्लेबाज रहे हैं। वॉर्नर ने अपने लगभग पूरे टेस्ट करियर (99.6 फीसदी) रन पारी की शुरुआत करते हुए बनाये हैं। इसमें 202 पारियों में 8,747 रन शामिल हैं। उनकी आक्रामक शैली ने उन्हें पहले ही सत्र में मैच का रुख मोड़ने की क्षमता प्रदान की।

मैथ्यू हेडन = वॉर्नर के हमवतन और दिग्गज मैथ्यू हेडन इस सूची में शामिल हैं। हेडन ने अपने टेस्ट करियर के 100 फीसदी रन पारी की शुरुआत करते हुए बनाये हैं। 184 पारियों में 8,626 रन बनाने वाले हेडन अपनी आक्रामक अंदाज के लिए छाये रहे हैं।

वीरेंद्र सहवाग = भारत के वीरेंद्र सहवाग भी एक बेहतरीन सलामी बल्लेबाज रहे हैं। सहवाग ने अपने करियर के 95.6 फीसदी रन पारी की शुरुआत करते हुए बनाये हैं। उन्होंने 170 पारियों में 8,207 रन बनाये हैं। वहीं टेस्ट क्रिकेट में दो तिहरे शतक लगाकर उन्होंने साबित किया कि टेस्ट क्रिकेट में भी तेजी से रन बनाये जा सकते हैं।

ओलंपिक तैयारियों के लिए अनाहत ने हार्वर्ड छोड़ा

नई दिल्ली । हाल ही में विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियन बनी अनाहत सिंह का लक्ष्य 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में प्रवेश हासिल करना और पदक जीतना है। इस को देखते हुए ही अनाहत ने इस साल प्रतिष्ठित हार्वर्ड विश्वविद्यालय में जाने का विचार भी छोड़ दिया है। अनाहत के अनुसार वह हार्वर्ड में उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहती थीं पर विश्व जूनियर चैंपियन बनने के बाद अब उनका विचार बदल गया है। अब वह अपना सारा पूरा ध्यान आगामी एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक की तैयारियों पर लगाना चाहती हैं। यह फैसला उनका खेल के प्रति समर्पण और देश के लिए प्रेम को दिखाता है।

अनाहत ने कहा, मुझे इस साल कॉलेज जाना था पर एशियाई खेलों के कारण मैंने एक साल का ब्रेक लेने का फैसला किया। इसके अलावा लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों की तैयारियों को देखते हुए ही ये साल मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मेरे कहने का मतलब यह है कि मैं इस साल पढ़ाई की जगह पर अपने खेल पर ध्यान देना चाहती हूं। मैं इस साल सिर्फ स्क्वैश पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं और यह तय करना चाहती हूं कि ओलंपिक में भाग लेने से पहले मैं अपने शीर्ष पर रहूं। विश्व जूनियर चैंपियन बनने के बाद अनाहत का अगला लक्ष्य सितंबर-अक्टूबर में जापान में होने वाले एशियाई खेलों में जीत दर्ज करना है। इन खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के लिए उन्हें मलेशिया की विश्व में पांचवें नंबर की खिलाड़ी शिवसंगारी सुब्रमण्यम और जापान की छठे नंबर की खिलाड़ी सतोमी वतनबे जैसी मजबूत प्रतिद्वंद्वियों को हराना होगा। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने पर वह ओलंपिक के लिए प्रवेश हासिल कर पाएंगी। साथ ही कहा, विश्व जूनियर चैंपियन बनने से मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। मेरे कहने का मतलब है कि अगर मैं नहीं जीत पाती तो तब भी बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ना था लेकिन इस जीत से निश्चित तौर पर मैं काफी उत्साहित हूं। मैं एशियाई खेलों में भाग लेने वाली लगभग प्रत्येक खिलाड़ी के खिलाफ खेल चुकी हूं। मैं अब अपना पूरा ध्यान इस पर केंद्रित करना चाहती हूं। अगर मुझे ओलंपिक में खेलने का मौका मिलता है तो यह सपना सच होने जैसा होगा।

सुभादीप बने भारतीय क्रिकेट टीम के नये फील्डिंग कोच

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट में कई खिलाड़ी ऐसे रहे हैं जिनका अंतरराष्ट्रीय करियर का सपना पूरा नहीं हो सका। उन्हीं में से एक सुभादीप घोष भी हैं। असम और रेलवे के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले सुभादीप अभी भी भारतीय टीम ने नहीं खेल पाये पर अब वह टीम के नये फील्डिंग कोच के तौर पर टीम के साथ रहेंगे। सुभादीप को 21 साल बाद ये भारतीय टीम के ड्रेसिंग रूम में जगह बनाने का अवसर मिला है। यह वही सुभादीप घोष हैं जिन्हें एक लिस्ट-ए मैच में महान विकेटकीपर-बल्लेबाज एमएस धोनी ने स्टंप आउट किया था। अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज से वह फील्डिंग कोच की नई जिम्मेदारी संभालेंगे।

घोष को, टी दिलीप की जगह कोच बनाया गया है। दिलीप जो 2021 से भारतीय टीम के सहयोगी स्टाफ का हिस्सा थे उन्होंने अपनी जिम्मेदारी छोड़ दी है। हाल के महीनों में भारतीय टीम की फील्डिंग पर लगातार सवाल उठे हैं। आसान कैच छोड़ने और मैदान पर ढीले प्रदर्शन की आलोचना के बाद बीसीसीआई ने इस पूरे सिस्टम की समीक्षा की थी। इसी के परिणामस्वरूप, बोर्ड ने फील्डिंग में सुधार लाने के उद्देश्य से सुभादीप को अब यह अहम जिम्मेदारी सौंपी है।

57 वर्षीय सुभादीप घोष, जिन्हें घरेलू क्रिकेट में जॉय के नाम से जाना जाता है, असम के डिगबोई से आते हैं। उन्होंने 1994-95 से 2004-05 के बीच असम और रेलवे के लिए 17 फर्स्ट क्लास और 17 लिस्ट-ए मैच खेले। साल 2005 में असम और झारखंड के बीच एक लिस्ट-ए मुकाबले में धोनी ने उन्हें स्टंप आउट कर पवेलियन भेजा था। दाएं हाथ के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज और ऑफ स्पिनर रहे घोष अपनी फुर्ती और शानदार फील्डिंग के लिए ज्यादा जाने जाते थे, और यही खूबी अब उन्हें एक सफल फील्डिंग कोच के रूप में पहचान दिला रही है।

पिछले 6-7 वर्षों से घोष राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) का हिस्सा रहे हैं। राहुल द्रविड़ के कार्यकाल के दौरान उन्होंने युवा खिलाड़ियों, इंडिया ए, अंडर-19 और सीनियर खिलाड़ियों की फील्डिंग पर गहन काम किया। उनके पास आईपीएल का भी शानदार अनुभव है, जहां वह 2014 में कोलकाता नाइट राइडर्स की खिताबी टीम और बाद में दिल्ली कैपिटल्स के फील्डिंग कोचिंग स्टाफ का हिस्सा रहे। उन्होंने 2021 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय महिला टीम और 2024 अंडर-19 विश्व कप में भी अपनी सेवाएं दी हैं।

सुभादीप घोष अपनी अनुशासित कोचिंग शैली के लिए जाने जाते हैं। वे खिलाड़ियों से लगातार ग्राउंड फील्डिंग ड्रिल, रिएक्शन टाइम और कैचिंग प्रैक्टिस करवाते हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य मैदान पर छोटी-छोटी गलतियों को खत्म करना और खिलाड़ियों की फुर्ती को बढ़ाना है। अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज से शुरू होने वाला उनका कार्यकाल भारतीय टीम की फील्डिंग में सुधार लाने की एक बड़ी चुनौती पेश करेगा।

वैभव आईसीसी टी20 बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष-50 में पहुंचे

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टी20 रैंकिंग में भारतीय टीम के 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने लंबी छलांग लगायी है। वैभव 230 स्थानों की लंबी छलांग लगाते हुए पहली बार बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 50 में पहुंच गये हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ हाल में हुई टी20 सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के कारण उनकी रैंकिंग में इतना उछाल आया है। वैभव रैंकिंग में 48वें स्थान पर पहुंच गए हैं जो एक बड़ी उपलब्धि है। वैभव ने जिम्बाब्वे के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की सीरीज में कुल कुल 151 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट प्रभावशाली 196.10 रहा, जिसमें दो शानदार अर्धशतक भी शामिल थे।

वहीं, अन्य भारतीय बल्लेबाजों की रैंकिंग की बात करें तो विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन छह रेटिंग अंक के नुकसान के बाद भी शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं जिम्बाब्वे दौरे पर केवल 11 रन बनाने वाले सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को नुकसान हुआ है और वे दूसरे से तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। मध्यक्रम के बल्लेबाज तिलक वर्मा दो स्थानों के लाथ के साथ ही छठे नंबर पर और मजूबत हुए हैं। वहीं पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव तीन स्थान फिसलकर 19वें, जबकि बल्लेबाज संजू सैमसन भी तीन स्थान नीचे खिसककर 33वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय टीम के नये कप्तान श्रेयस अय्यर सात पायदान ऊनर आकर 24वें नंबर पर पहुंच गये हैं।

गेंदबाजों रैंकिंग में भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती तीन स्थान फिसलकर संयुक्त रूप से आठवें नंबर पर खिसक गये हैं। चोट के कारण वरुण जिम्बाब्वे सीरीज से बाहर थे।

हरियाली महोत्सव के रूप में श्रद्धा एवं उत्साह से मनाई गई गुरुपूर्णिमा

गुरु पूजा, सुदर्शन क्रिया, वृक्षारोपण, नारायण सेवा, इंट्यूशन डेमो एवं संगीतमय सत्संग बने आकर्षण का केंद्र

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आर्ट ऑफ लिविंग परिवार, बालाघाट द्वारा गुरुपूर्णिमा महोत्सव इस वर्ष हरियाली महोत्सव के रूप में सेवा, साधना, सत्संग एवं पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ श्रद्धा और उत्साहपूर्वक मनाया गया। पूरे दिन आयोजित विभिन्न आध्यात्मिक एवं सेवा गतिविधियों में बड़ी संख्या में साधकों, स्वयंसेवकों, बच्चों एवं नगरवासियों ने सहभागिता कर गुरु के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

प्रात: हरिमंगलम लॉन में सुबह 6:00 बजे कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु पूजा के साथ हुआ। इस अवसर पर गुरु परंपरा के सभी पूज्य गुरुओं का स्मरण एवं वंदन करते हुए साधकों ने श्रद्धापूर्वक नमन किया। इसके पश्चात सभी ने विश्वविख्यात सुदर्शन क्रिया, प्राणायाम, योगासन एवं ध्यान का अभ्यास किया। साधना के माध्यम से उपस्थित सभी लोगों ने आंतरिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा एवं आनंद का अनुभव किया।

साधना के उपरांत सभी स्वयंसेवक सेवा कार्य के लिए एचपी साइड, वार्ड क्रमांक-1 पहुँचे, जहाँ हरियाली महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न प्रजातियों के बड़ी संख्या में पौधों का वृक्षारोपण किया गया। सभी ने पौधों के संरक्षण एवं उनके पालन-पोषण का संकल्प लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। गुरुपूर्णिमा के अवसर पर प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का यह अभियान विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

इसके पश्चात नारायण सेवा के अंतर्गत भगत सिंह जिला चिकित्सालय, बालाघाट में जरूरतमंद मरीजों एवं उनके परिजनों को भोजन वितरण किया गया। बालाघाट शहर में अनेक समाजसेवी संस्थाओं द्वारा संचालित इस सेवा अभियान से प्रेरणा लेते हुए आर्ट ऑफ लिविंग परिवार ने भी संकल्प लिया कि प्रत्येक उत्सव को सेवा से जोड़ते हुए जरूरतमंदों तक भोजन एवं सहयोग पहुँचाने का कार्य निरंतर किया जाएगा। बड़ी संख्या में मरीजों एवं उनके परिजनों ने इस सेवा का लाभ प्राप्त किया।

शाम को हरिमंगलम लॉन में गुरुपूर्णिमा महोत्सव का भव्य म्यूजिकल सत्संग एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक आशीष पटेल के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। उन्होंने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में गुरु पूर्णिमा के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि गुरु परंपरा के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और समर्पण व्यक्त करने का पावन अवसर है। इस दिन हम अपनी गुरु परंपरा का आह्वान करते हैं, सभी गुरुओं को प्रणाम करते हैं और उनके आशीर्वाद को अपने जीवन में धारण करने का संकल्प लेते हैं।

उन्होंने कहा कि वास्तव में हर दिन गुरु का ही दिन है, क्योंकि गुरु के बिना जीवन में गति संभव नहीं है। इसलिए कहा गया है—卐गुरु बिन गति नहीं।卐 गुरु ही जीवन को सही दिशा और गति प्रदान करते हैं, और जब जीवन को सही गति मिलती है तभी वह पूर्णता की ओर अग्रसर होता है। यही गुरु पूर्णिमा का वास्तविक संदेश है कि गुरु ही हमें पूर्णता की ओर ले जाते हैं।

आशीष पटेल ने गुरु शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए कहा कि 'गु' का अर्थ है गुण और 'रू' का अर्थ है रूप। जो गुण और रूप दोनों से परिपूर्ण होकर अपने ज्ञान, प्रेम और करुणा से जीवन को प्रकाशित करता है तथा उसे सार्थक दिशा देता है, वही सच्चा गुरु है।

उन्होंने सभी साधकों से आह्वान किया कि इस गुरुपूर्णिमा पर केवल उत्सव मनाने तक सीमित न रहें, बल्कि यह संकल्प लें कि गुरु द्वारा दिए गए ज्ञान, साधना, सेवा, प्रेम और मानव मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में उतारेंगे। यही गुरु के प्रति सच्ची श्रद्धा और कृतज्ञता है तथा गुरु पूर्णिमा मनाने का वास्तविक उद्देश्य भी।

कार्यक्रम के दौरान भजन गायकों द्वारा गुरु वंदना एवं सुमधुर भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय एवं आनंदमय हो गया।

गुरुपूर्णिमा महोत्सव का एक विशेष आकर्षण इंट्यूशन प्रोसेस (Intuition Process) कोर्स पूर्ण कर चुके बच्चों का विशेष सत्र रहा। शाम को सभी बच्चों ने योग साधना, ध्यान एवं इंट्यूशन प्रक्रिया का अभ्यास किया। इसके पश्चात बच्चों ने अपनी जागृत अंत:प्रज्ञा के प्रेरणादायक एवं आश्चर्यजनक प्रदर्शन प्रस्तुत किए।

बच्चों ने आँखों पर पट्टी बाँधकर विभिन्न वस्तुओं की पहचान करना, चित्रों एवं रंगों को पहचानना, चित्रकारी करना तथा बिना देखे अनेक गतिविधियों को सफलतापूर्वक सम्पन्न कर अपनी अंत:प्रज्ञा का परिचय दिया। वहीं इंट्यूशन प्रोसेस-2 पूर्ण कर चुके बच्चों ने अपनी चेतना एवं एकाग्रता की शक्ति का प्रदर्शन करते हुए केवल अपनी दृष्टि और मानसिक एकाग्रता के माध्यम से चम्मच को मोड़ने (स्पून बेंडिंग) का प्रदर्शन भी किया, जिसने उपस्थित सभी लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया।

इस अवसर पर बताया गया कि नियमित सुदर्शन क्रिया, प्राणायाम, योग और ध्यान के अभ्यास से मन शांत होता है, चेतना का विस्तार होता है तथा प्रत्येक व्यक्ति के भीतर निहित अंत:प्रज्ञा जागृत होने लगती है। बच्चों द्वारा प्रस्तुत इन प्रदर्शनों ने ध्यान और साधना के प्रभाव का जीवंत उदाहरण उपस्थित किया तथा यह संदेश दिया कि नियमित आध्यात्मिक अभ्यास से एकाग्रता, आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और आंतरिक शक्तियों का विकास संभव है।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने गुरु के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए सेवा, साधना और सत्संग के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने का संकल्प के साथ गुरुपूर्णिमा महोत्सव का समापन हुआ। इस अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग परिवार के बड़ी संख्या में स्वयंसेवक, साधक, इंट्यूशन प्रोसेस के बच्चे एवं उनके अभिभावक, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने गुरु के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए सेवा, साधना और सत्संग के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने का संकल्प लिया तथा जय गुरुदेव के उद्घोष के साथ गुरुपूर्णिमा महोत्सव का समापन हुआ।

इस अवसर पर वरिष्ठ प्रशिक्षक पी.के. सिंह, विकास सोनेकर, सुशीला बोरिकर, रीतु मोहारे, सुरजीत सिंह ठाकुर, हेमंत रहांगडाले, मानक नागेश्वर,संरक्षक रमेश रंगलानी, प्रो.गोविन्द सिरसाठे, प्रो. योगेश विजयवार,भारती सुरजीत ठाकुर, ज्ञान नैनवानी, जितेंद्र मोहारे, राजेश लिल्हारे, जैनेंद्र कटवे, नलिन बिसेन, विजय बिसेन, हरीश मर्सकोले, विक्की पालेवार, विकास बिसेन, जीवेश वैष, जय अजीत, आयुष घोडेश्वर, राम मातरे, पंकज सिंघन दुबे, बब्लू वैस, हेमांशु सिंह, पुलकित रहांगडाले, आकाश चौहान, जितेंद्र राजपूत, देवेंद्र बिसेन, दिनेश त्रिवेदी, आदित्य रहांगडाले, घनश्याम सिंह, प्रवीण पारदी, पियूष रहांगडाले तथा सहदेव लिल्हारे सहित आर्ट ऑफ लिविंग परिवार के बड़ी संख्या में स्वयंसेवक, साधक, इंट्यूशन प्रोसेस के बच्चे, उनके अभिभावक एवं नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

12 सितंबर की नेशनल लोक अदालत के लिए जागरूकता अभियान शुरू

प्रचार-प्रसार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर किया गया रवाना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से जिला न्यायालय बालाघाट परिसर से जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह पहल राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में की गई।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय, सभी तहसील न्यायालयों, श्रम न्यायालय एवं कुटुंब न्यायालय में किया जाएगा। इसमें न्यायालयों में लंबित आपराधिक, चेक अनादरण (चेक बाउंस), विद्युत, दीवानी एवं शमनीय मामलों के साथ-साथ बैंक, श्रम, दूरसंचार, राजस्व, जलकर, संपत्तिकर सहित विभिन्न प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण किया जाएगा।

इस अवसर पर न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण ने बताया कि विद्युत अधिनियम के तहत लंबित एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों तथा मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम के अंतर्गत संपत्तिकर एवं जलकर से जुड़े मामलों में पात्र उपभोक्ताओं को नियमानुसार विभिन्न प्रकार की छूट का लाभ मिलेगा। प्रचार-प्रसार वाहन के माध्यम से इन सुविधाओं और लोक अदालत के लाभों की जानकारी जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों तक पहुंचाई जाएगी, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

उन्होंने कहा कि लोक अदालत में दोनों पक्षों की सहमति से विवादों का सौहार्दपूर्ण और त्वरित समाधान किया जाता है। इससे पक्षकारों का समय और धन दोनों बचते हैं तथा आपसी संबंध भी बेहतर बने रहते हैं। लोक अदालत का निर्णय अंतिम होता है और इसके विरुद्ध अपील या पुनरीक्षण का प्रावधान नहीं होता।

कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी एक्ट) रघुवीर प्रसाद पटेल, जिला न्यायाधीश गौतम सिंह मरकाम, न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतीष शर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी नीरज कुमार सोनी, अविनाश छारी, श्री सौरभ गोस्वामी सहित न्यायालयीन अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में पक्षकार उपस्थित रहे।

सांदीपनि विद्यालय में हुआ गुरू पूर्णिमा का समापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य हुमराज पटले ने जानकारी देते हुये बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल मध्यप्रदेश के पत्रानुसार प्रदेश के समस्त शासकीय विद्यालयों में गुरु पूर्णिमा पखवाडा १५ जुलाई से २९ जुलाई २०२६ तक मनाया जाना हैं । भारतीय संस्कृति में गुरु को ज्ञान ,संस्कार एवं जीवन मूल्यों का मार्गदर्शन माना गया हैं गुरु.शिष्य परम्परा के संवर्धन शिक्षाओं के सम्मान, विद्यार्थिओं में संस्कारों के विकास तथा शैक्षणिक वातावरण को सुदृण करने के उद्देश्य से प्रदेश के समस्त शासकीय विद्यालयों में गुरु पूर्णिमा पखवाडा का आयोजन किया जा रहा हैं । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती धनश्री जैन जिला शिक्षा अधिकारी जिला बालाघाट के द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मोहित डेहरिया सहायक संचालक शिक्षा कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी जिला बालाघाट एवं श्री सुरजलाल चौहान सेवानिवृत प्राचार्य की

उपस्तिथि में सम्पन किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती जैन के द्वारा सत्र २०२६-२७ के सभी कक्षा नायक और उप कक्षा नायक को शपथ दिलाई गई साथ थी अपने उद्बोधन में पढ़ाई पर जोर देने को कहा उन्होंने कहा कि हमे हमेशा सुनना पसंद होना चाहिए। बोलने से ज्यादा सुनने से सीखना आसान हैं। हर विद्यार्थी जिला , स्टेट और देश का नाम रोशन कर, अपने गांव और विद्यालय का नाम रोशन करे। श्री डेहरिया के द्वारा गुरु और शिष्य की परंपरा को अवगत कराते हुए कहा कि गुरु और शिष्य का रिश्ता बहुत पवित्र हैं । गुरु को हमेशा शिक्षा के क्षेत्र में प्रयास करना आवश्यक हैं। सांदीपनि विद्यालय में गुरू पूर्णिमा पखवाड़े के समापन अवसर पर कक्षा १ से ५ के विद्यार्थियों के द्वारा नृत्य, कक्षा ६ से ८ तक के विद्यार्थियों द्वारा नाटक प्रस्तुकत किया गया। तथा श्रीमती वंदना शर्मा के द्वारा उपस्थित विद्यार्थियों को सामुहिक संकल्पर की शपथ दिलाई गई। विद्यालय की ओर से श्रीमती जैन जिला शिक्षा अधिकारी जिला बालाघाट के प्रथम आगमन पर शाल श्रीफल देकर सम्मान किया गया।

गुरु पूर्णिमा पर श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज में हुआ सम्मान समारोह, गुरु-शिष्य परंपरा का बताया महत्व

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार स्थानीय महाविद्यालय में मंगलवार को गुरु पूर्णिमा उत्सव श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने गुरुओं का पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य ने गुरु पूर्णिमा के महत्व एवं भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को संस्कार, अनुशासन और ज्ञान के महत्व से अवगत कराया। वहीं महाविद्यालय के शैक्षणिक स्टाफ ने भी प्रेरक उद्बोधन देकर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने गीत एवं भाषण प्रस्तुत कर कार्यक्रम को आकर्षक बनाया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

देर रात बेलगाम ट्रक ने रौंदा ट्राफिक सिंग्नल

अंबेडकर चौक में एक सिंग्नल टूटने से, सभी सिंग्नल हुए बंद हजारों रूपए का नुकसान, पुलिस ने किया ट्रक जब्त कार्रवाई जारी

पदमेश न्यूज ।बालाघाट। नगर के लगातार बढ़ते जा रहे यातायात दबाव को कम करने और नगर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के प्रमुख उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, नगर पालिका द्वारा नगर के अंबेडकर चौक में ट्राफिक सिग्नल लगाए गए थे।आज से करीब 6 माह पहले, आंबेडकर चौक पर प्रारंभ किए गए वही ट्राफिक सिंग्नल बुधवार की सुबह से ही बंद नजर आये। दरअसल यहां लगे ट्रैफिक सिगनलों में से एक ट्रैफिक सिग्नल को देर रात एक बेलगाम ट्रक ने रौंध दिया। जिससे हजारों रूपए का नुकसान पहुंचा हैं। हालांकि पुलिस ने ट्रक को जब्त कर कोतवाली थाना में खड़ा करवा दिया है। जहां चालक के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

एक सिंग्नल टूटने से बाकी सिंग्नल भी हुए बंद

बुधवार की सुबह सड़क पर टूटकर गिरे ट्राफिक सिग्नल की जानकारी के बाद यातायात पुलिस व नगरपालिका कर्मी भी यहां पहुंचे। मोतीनगर की ओर से आने वाले वाहनों के लिए लगा सिंग्नल के टूट जाने से बुधवार को इससे जुड़े अन्य सिंग्नल भी बंद रहे ।उधर आंबेडकर चौक में लगे यातायात सिग्नल के रेड लाईट और ग्रीन लाईट की टायमिंग में अंतर होने से लोगों को दो मिनट से ज्यादा ठहरने और महज 27 सेकंड के सिग्नल पार करने को लेकर मिल रहे समय पर भी लोगों ने इसमें सुधार की जरूरत बताई है।

नुकसान का किया जा रहा आंकलन- यीना राहंगडाले

मामले को लेकर दुरभाष पर की गई चर्चा के दौरान यातायात थाना प्रभारी सुबेदार यीना राहंगडाले ने बताया कि रात करीब पौने बारह बजे, एक तेज रफ्तार ट्रक ने आंबेडकर चौक में लगे यातायात सिंग्नल को तोड़ दिया है। जिसकी जानकारी के बाद ट्रक को जब्त कर लिया गया है। मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। उन्होने बताया कि सिग्नल टूटने से हुए नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

टाइगर स्टेट में हुई बाघों की सबसे ज्यादा मौत

भोपाल । मध्य प्रदेश को देश में सबसे ज्यादा बाघों वाला राज्य होने का गौरव हासिल है, लेकिन बाघों की मौत का आंकड़ा भी अब चिंता बढ़ाने वाला है। एनटीसीए के आंकड़ों के मुताबिक इस वर्ष 19 जुलाई 2026 तक देश में 111 बाघों की मौत दर्ज हुई है। इनमें सबसे ज्यादा 40 मौतें मध्य प्रदेश में हुई हैं। यानी देश में हुई बाघों की मौतों में से करीब 36 फीसदी सिर्फ मध्य प्रदेश में हुई हैं। महाराष्ट्र 25 मौतों के साथ दूसरे और तमिलनाडु नौ मौतों के साथ तीसरे स्थान पर है।

राज्यवार आंकड़े देखें तो मध्य प्रदेश में 40 मौतों के मुकाबले महाराष्ट्र में 25, तमिलनाडु में 9, कर्नाटक में 7 और असम में 5 बाघों की मौत दर्ज हुई है। इस तरह मध्य प्रदेश में बाघों की मौतें महाराष्ट्र से 15 अधिक और तमिलनाडु की तुलना में चार गुना से भी ज्यादा हैं। यह आंकड़ा इसलिए भी अहम है क्योंकि मध्य प्रदेश में बाघों की बड़ी आबादी टाइगर रिजर्व के भीतर ही नहीं, बल्कि उनके आसपास के जंगलों और दूसरे वन क्षेत्रों में भी फैल रही है।

40 में 16 मौतें टाइगर रिजर्व के बाहर

आंकड़ों का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि मध्य प्रदेश में हुई 40 मौतों में 24 बाघ टाइगर रिजर्व के अंदर और 16 की मौत रिजर्व के बाहर दर्ज हुई है। यानी प्रदेश में करीब 40 फीसदी मौतें टाइगर रिजर्व की सीमा से बाहर हुईं। रिजर्व के बाहर दर्ज मामलों में नर्मदापुरम, सीहोर, शहडोल, छिंदवाड़ा, बुरहानपुर, उमरिया, बालाघाट, सिवनी, नरसिंहपुर और सतना जैसे क्षेत्र शामिल हैं। उदाहरण के तौर पर जनवरी में नर्मदापुरम और सीहोर, फरवरी में शहडोल, मार्च में छिंदवाड़ा, अप्रैल में बालाघाट-सिवनी-उमरिया और जून-जुलाई में नरसिंहपुर, सतना तथा अन्य क्षेत्रों में मौतें दर्ज हुईं। वहीं रिजर्व के भीतर बांधवगढ़, कान्हा, पेंच, पन्ना, सतपुड़ा, संजय-डुबरी, रातापानी और वीरांगना दुर्गावती जैसे टाइगर रिजर्व में मौतें दर्ज हुई हैं।

बाघ बढ़े तो आपसी संघर्ष भी बढ़ा

वन विभाग के उपलब्ध रिकॉर्ड के मुताबिक 2025 में बाघों की मौत के 53 मामले दर्ज हुए, जबकि 2026 में मई तक 29 मौतों की रिपोर्ट सामने दी है। 2025 के रिकॉर्ड में बाघों की मौत का एक बड़ा कारण आपसी संघर्ष रहा। बांधवगढ़, कान्हा, पेच, सतपुड़ा और संजय जैसे क्षेत्रों में बाघों के बीच संघर्ष के मामले सामने आए। आपसी संघर्ष के 17, करंट से 7, प्राकृतिक रूप से 6, अज्ञात 5, ट्रेन हादसा 2, बीमारी/ संक्रमण तीन के आसपास और हादसे से अन्य की मौत हुई है। वहीं, 2026 के शुरुआत चार माह में 29 बाघों की मौत दर्ज की गई है। वन विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार 22 मौतें प्राकृतिक एवं अन्य कारणों से और 7 मौतें शिकार के कारण दर्ज है। शिकार के सात मामलों में छह बाघों की मौत करंट से हुई, जबकि एक मामला सीधा शिकार से जुड़ा है। प्राकृतिक और अन्य कारणों से सात बाघों की मौत आपसी संघर्ष से हुई है।

बढ़ती संख्या के साथ बढ़ी चुनौती

मौतों का यह पैटर्न संरक्षण व्यवस्था के सामने एक बड़ा सवाल खड़ा करता है। क्या बाघों की बढ़ती आबादी के लिए सिर्फ टाइगर रिजर्व सुरक्षित रखना पर्याप्त है? युवा और वयस्क बाघ नए इलाके की तलाश में रिजर्व से बाहर निकलते हैं। ऐसे में उनके लिए सुरक्षित कॉरिडोर, आसपास के वन क्षेत्र और मानव बस्तियों के बीच संघर्ष को कम करना बेहद जरूरी हो जाता है। टाइगर डे पर मध्य प्रदेश के सामने अब चुनौती सिर्फ बाघों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित रखने की है।

शासकीय महाविद्यालय किरनापुर में गरिमामय माहौल मे मनाया गया सांदीपनि दिवस

किरनापुर। मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार स्थानीय दिलीप भटेरे शासकीय महाविद्यालय, किरनापुर में 29 जुलाई 2026 को गुरु पूर्णिमा (सांदीपनि दिवस) का पावन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास, गरिमा एवं श्रद्धा के साथ आयोजित किया गया।कार्यक्रम का सफल आयोजन प्रभारी प्राचार्य शशांक नेवारे के संरक्षण तथा भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. पल्लवी रिनाहिते के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं प्राध्यापकों द्वारा माँ सरस्वती एवं महर्षि सांदीपनि के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। तत्पश्चात् विद्यार्थियों ने सुमधुर सरस्वती वंदना प्रस्तुत की।मंचासीन अतिथियों के स्वागत क्रम में मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. आर. के. सोनवाने (सेवानिवृत्त प्राध्यापक, प्रधानमंत्री उत्कृष्ट जटाशंकर त्रिवेदी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट) का शॉल एवं श्रीफल भेंट कर आत्मीय अभिनंदन किया गया। साथ ही भारतीय संस्कृति की गुरु-शिष्य परंपरा का निर्वहन करते हुए छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों एवं शिक्षक-कर्मचारियों का तिलक-वंदन कर व उपहार भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

उद्बोधन एवं बौद्धिक सत्र

स्वागत भाषण- प्रभारी प्राचार्य श्री शशांक नेवारे ने अपने स्वागत उद्बोधन में सभी का अभिनंदन करते हुए जीवन में गुरु के मार्गदर्शन और उच्च शिक्षा विभाग की इस पहल के महत्व पर प्रकाश डाला।सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ- महाविद्यालय की छात्राओं ने गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर ओजस्वी भाषण एवं प्रेरणादायी कविताओं की सुंदर प्रस्तुतियाँ दीं।बौद्धिक विचार- महाविद्यालय के प्राध्यापक श्री महेंद्र माटे एवं डॉ. धनेन्द्र बंसोड़ ने अपने विचार व्यक्त करते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा और गुरु-शिष्य के अटूट संबंध को रेखांकित किया। तथा मुख्य अतिथि का वक्तव्य- मुख्य अतिथि डॉ. आर. के. सोनवाने ने अपने विस्तृत एवं ओजस्वी संबोधन में गुरु सांदीपनि के जीवन मूल्यों, गुरु-शिष्य परंपरा के गौरवशाली इतिहास और विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण में शिक्षा की भूमिका पर गहराई से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावपूर्ण मंच संचालन डॉ. डालेश कुमार विजयवार द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. पल्लवी रिनाहिते ने मुख्य अतिथि, समस्त प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शासकीय माध्यमिक शाला नरोड़ी में गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा अंतर्गत विविध कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। विकासखंड वारासिवनी अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला नरोड़ी में लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के निर्देशानुसार १५ जुलाई से २९ जुलाई २०२६ तक गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा के अंतर्गत विविध शैक्षिक सांस्कृतिक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। संस्था प्रमुख सविता रिनायत के नेतृत्व तथा शिक्षक रूपसिंह उइके एवं धन्नालाल बिसेन के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रमों की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुई। पखवाड़े के दौरान गुरु के महत्व पर भाषण प्रतियोगिता

मेरे जीवन में गुरु विषय पर निबंध प्रतियोगिता, संस्कृत श्लोक एवं गुरु वंदना, योगाभ्यास, ध्यान एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम करियर मार्गदर्शन एवं प्रेरक व्याख्यान एक गुरू एक वृक्ष अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण पालक शिक्षक बैठक स्वच्छता अभियान तथा गुरु.शिष्य प्रेरणा संवाद का आयोजन किया गया। शिक्षक धन्नालाल बिसेन ने विद्यार्थियों को सफलता के लिए मेहनत अनुशासन एवं निरंतर अभ्यास का महत्व बताते हुए प्रेरक उद्बोधन दिया। अंतिम दिवस गुरु पूर्णिमा पर्व श्रद्धापूर्वक मनाया गया। जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए तथा सभी विद्यार्थियों ने गुरुजनों के सम्मान एवं आदर्श जीवन मूल्यों का पालन करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर गुरु.शिष्य परंपरा के प्रति अपनी आस्था एवं सम्मान व्यक्त किया। विद्यालय परिवार ने पखवाड़े के सफल आयोजन पर सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दीं।

बालाघाट
गुरुवार 30 जुलाई 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

खेत में काम कर रही महिला पर जंगली सूअर का हमला
बचाने पहुंचे पति भी घायल
वारासिवनी के मंगेझरी गांव की घटना
गंभीर घायल महिला जिला अस्पताल रेफर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना क्षेत्र के ग्राम मंगेझरी में बुधवार की सुबह खेत में काम कर रहे दंपति पर जंगली सूअर ने हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जबकि उसे बचाने पहुंचे पति को भी मामूली चोटें आई हैं। गंभीर रूप से घायल महिला चेतन पति तेज लाल उदयपुरे 42 वर्ष को वारासिवनी से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मंगेझरी निवासी तेजलाल उदयपुरे अपने परिवार के साथ खेती-

किसानी करते हैं। 29 जुलाई की सुबह करीब 10 बजे तेजलाल अपनी पत्नी चेतन उदयपुरे और बेटी डाली के साथ खेत में कृषि कार्य कर रहे थे। तेजलाल नागर से खेत की जुताई कर रहे थे।जबकि उनकी पत्नी चेतन खार खोद रही थीं और बेटी खेत में अन्य कार्य कर रही थी।इसी दौरान अचानक एक जंगली सूअर खेत में पहुंच गया और चेतन पर हमला कर दिया। सूअर ने महिला को गिराकर हाथ, पैर और पीठ पर गंभीर चोटें पहुंचाईं। पत्नी की चीख-पुकार सुनते ही तेजलाल दौड़कर पहुंचे और उसे बचाने के लिए जंगली सूअर से भिड़ गए। इस दौरान उन्हें भी हाथ में मामूली चोट लगी।घटना के समय बेटी डाली भी मौके पर पहुंच गई। शोर-शराबा सुनकर आसपास मौजूद कुत्ते दौड़े और जंगली सूअर पर झपट पड़े।जिसके बाद सूअर वहां से भाग निकला। जिससे दंपति की जान बच सकी।घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल वारासिवनी अस्पताल पहुंचाया गया। जहा से प्राथमिक उपचार के बाद चेतन को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिये।। फिलहाल जिला अस्पताल में उसका उपचार किया जा रहा है।

डबल मनी मामलें में पुलिस की दूसरी सूची जारी, 150 निवेशकों को बुलाया

30-31 जुलाई को एसपी कार्यालय में होगी सुनवाई, पहली सूची में 113 नामों के बाद अब 150 और निवेशकों से मांगे दस्तावेज, जब्त दो लग्जरी कारों से भी खुल सकते हैं अहम राज

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

जिले के बहुचर्चित करोड़ों रुपए के डबल मनी प्रकरण में पुलिस ने निवेशकों की दूसरी सूची जारी कर दी है। इस सूची में 150 निवेशकों के नाम शामिल किए गए हैं। पुलिस ने सूची में शामिल निवेशकों को 30 और 31 जुलाई को सुबह 10 बजे से शाम 4.30 बजे तक पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बनाए गए हेल्पडेस्क पर पहुंचकर निर्धारित आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज जमा करने के निर्देश दिए हैं। इससे पहले पुलिस पहली सूची में 113 निवेशकों के नाम जारी कर चुकी है। इस तरह अब तक 263 निवेशकों को आवेदन प्रक्रिया के लिए सामने लाया जा चुका है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के पास से जब्त किए गए रजिस्टर और अन्य दस्तावेजों की जांच लगातार जारी है तथा आगे भी निवेशकों की सूची चरणबद्ध तरीके से जारी की जाएगी।

एसआईटी द्वारा आरोपियों के ठिकानों से बरामद रजिस्टरों में डबल मनी योजना में रकम लगाने वाले लोगों के नाम और लेन-देन से जुड़ी जानकारी दर्ज मिली है। इसी रिकॉर्ड के आधार पर पुलिस निवेशकों का सत्यापन कर रही है। पुलिस की ओर से जारी सूची में नाम आने के बाद संबंधित निवेशकों को अपने निवेश से जुड़े दस्तावेज, चेक, बैंक पासबुक तथा अन्य उपलब्ध प्रमाण लेकर हेल्पडेस्क पर पहुंचना है। यहां पुलिस उनके आवेदन और दस्तावेजों को रिकॉर्ड में दर्ज कर आरोपियों के पास से मिले दस्तावेजों से मिलान करेगी। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि हेल्पडेस्क पर आवेदन जमा करने के बाद तत्काल निवेश की राशि वापस नहीं की जाएगी। कई निवेशकों में यह भ्रम बना हुआ है कि सूची में नाम आने और दस्तावेज जमा करने के बाद पुलिस कार्यालय से ही उनकी रकम लौटा दी जाएगी, जबकि ऐसा नहीं है। पुलिस फिलहाल केवल निवेशकों की पहचान, निवेश की राशि और संबंधित दस्तावेजों का रिकॉर्ड तैयार कर रही है। रकम की वापसी की प्रक्रिया आगे न्यायालयीन कार्रवाई और नियमानुसार जब्त संपत्ति के निस्तारण के बाद ही संभव होगी। इधर, डबल मनी मामले की जांच कर रही एसआईटी ने मुख्य आरोपी सोमेंद्र कंकरायने से जुड़ी दो लग्जरी कारें भी जब्त की हैं। पुलिस के अनुसार इनोवा क्रमांक स्क्क-50, ष्ट-1074 और टाटा हैरियर क्रमांक ष्टत्र-04, स्क्र-9341 को जांच के दायरे में लेकर जब्त किया गया है। दोनों वाहनों को फिलहाल नगर पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर में रखा गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक एक वाहन गोंदिया और दूसरा ग्वालियर से बरामद किए जाने की जानकारी सामने आई है। हालांकि एसआईटी ने आधिकारिक रूप से यह स्पष्ट नहीं किया है कि दोनों वाहनों को किस व्यक्ति के कब्जे से और किन परिस्थितियों में जब्त किया गया। वाहनों के संबंध में भी जांच आगे बढ़ाई जा रही है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में सोमेंद्र कंकरायने ने इनोवा के गोंदिया में होने की जानकारी दी थी। वहीं हैरियर के संबंध में उसने कथित तौर पर इसे पूर्व विधायक रमेश भटेरे के करीबी के पास होने की बात कही थी। बाद की जानकारी में वाहन पूर्व विधायक के बॉडीगार्ड के पास होने की बात सामने आई। अब एसआईटी द्वारा दोनों वाहनों को जब्त किए जाने के बाद इनके स्वामित्व, उपयोग और डबल मनी प्रकरण से संभावित संबंधों की भी जांच की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि वाहनों और उनसे जुड़े दस्तावेजों की जांच से मामले की आर्थिक कड़ियों को जोड़ने में मदद मिल सकती है। पुलिस की ओर से निवेशकों की सुनवाई शुरू किए जाने के बाद पिछले दो दिनों से एसपी कार्यालय में बड़ी संख्या में लोग आवेदन लेकर पहुंच रहे हैं। इनमें ऐसे निवेशक भी शामिल हैं, जिन्होंने डबल मनी के लालच में अपनी जीवनभर की जमा पूंजी लगा दी थी। किसी ने मवेशी बेचकर रकम लगाई तो किसी ने परिवार की बचत से निवेश किया। अब आरोपियों की गिरफ्तारी और पुलिस द्वारा निवेशकों का रिकॉर्ड जुटाए जाने के बाद लोगों को अपनी रकम वापस मिलने की उम्मीद जगी है।

मवेशी बेचकर लगाई थी राशि

लांजी क्षेत्र के बापड़ी गांव से एक मजदूर को लेकर एसपी कार्यालय पहुंचे कामताप्रसाद बनोटे ने बताया कि उनके साथ आए मजदूर ने डबल मनी में 20 हजार रुपए लगाए थे। मजदूर ने यह रकम अपने मवेशी बेचकर जुटाई थी। डबल मनी मामले में पुलिस कार्रवाई के बाद निवेश की गई रकम वापस नहीं मिली। अब पुलिस द्वारा आवेदन मंगाए जाने की जानकारी मिलने पर वह मजदूर के साथ आवेदन जमा करने पहुंचे हैं। उन्हें उम्मीद है कि कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उनकी मेहनत की कमाई वापस मिल सकेगी।

चाचा ने डबल मनी में पैसा लगाया था, पर अब वह नही रहे

इसी तरह लांजी क्षेत्र की एक युवती भावना भी अपने चाचा के नाम से आवेदन जमा करने एसपी कार्यालय पहुंची। उसने बताया कि उसके चाचा ने डबल मनी योजना में रकम लगाई थी, लेकिन अब उनका निधन हो चुका है। ऐसे में उनके निवेश से संबंधित दस्तावेज लेकर वह पुलिस के समक्ष आवेदन जमा करने पहुंची है। उसका कहना है कि परिवार को अब उम्मीद है कि पुलिस की कार्रवाई के बाद चाचा द्वारा लगाई गई रकम वापस मिल सकेगी।डबल मनी में एक लाख रुपए निवेश करने वाले संजय कुचलाहे भी आवेदन जमा करने पहुंचे। उन्होंने बताया कि लंबे समय से उनकी रकम फंसी हुई है और पुलिस की कार्रवाई के बाद अब उम्मीद जगी है कि कम से कम मूलधन वापस मिल जाए। उनका कहना है कि यदि उन्हें केवल उनकी जमा राशि भी वापस मिलती है तो वह संतुष्ट होंगे, जबकि ब्याज की राशि मिलने पर यह उनके लिए अतिरिक्त राहत होगी। इसी तरह महिला प्रिया बिहोने ने अपनी सहेलियों के साथ चर्चा के बाद डबल मनी योजना में करीब तीन लाख रुपए निवेश किए थे। अब पुलिस द्वारा निवेशकों के आवेदन लिए जाने की प्रक्रिया शुरू होने के बाद उन्हें भी अपनी रकम वापस मिलने की उम्मीद है। उनके जैसे कई निवेशक एसपी कार्यालय पहुंचकर अपने दस्तावेज जमा कर रहे हैं और पुलिस से मामले में जल्द कार्रवाई की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

अपने नाम के लिए सूची जारी होने का इंतजार करें

पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपियों से जब्त किए गए रजिस्टरों में अभी और भी निवेशकों के नाम दर्ज हैं। इन रजिस्टरों को खंगालकर नाम, निवेश की राशि और अन्य विवरण अलग किए जा रहे हैं। सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद आगामी दिनों में और सूचियां जारी की जाएंगी। नगर पुलिस अधीक्षक एवं एसआईटी प्रमुख मयंक तिवारी ने निवेशकों से अपील की है कि जिन लोगों का नाम अभी जारी सूची में नहीं आया है, वे घबराएं नहीं और अपनी सूची जारी होने का इंतजार करें। पुलिस सभी नामों को क्रमबद्ध तरीके से सामने लाने की प्रक्रिया में जुटी है।

जहरीले सांप के डसने से कृषक की मौत अस्पताल पहुंचने से पहले ही तोड़ा दम

बाड़ी में बांस निकालते समय हुआ हादसा, परिवार का इकलौता सहारा था देवेंद्र

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम करियादंड में जहरीले सांप के डसने से एक किसान की मौत हो गई। परिजन उसे तत्काल निजी वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंचे।लेकिन तब तक रास्ते में ही उसकी मौत हो चुकी थी। चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक देवेंद्र पिता धेडू बाहेश्वर 45 वर्ष का शव जिला अस्पताल पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवा दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार देवेंद्र बाहेश्वर खेती किसानी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। वह अपने माता पिता के इकलौते पुत्र थे। परिवार में वृद्ध माता-पिता, पत्नी, दो बच्चे और एक मानसिक रूप से कमजोर बहन है। पूरे परिवार की जिम्मेदारी देवेंद्र के कंधों पर ही थी।बताया गया कि 29 जुलाई को देवेंद्र सुबह अपने परिवार के साथ खेत में कृषि कार्य करने गए थे। दोपहर करीब 3 बजे घर लौटने के बाद वह अपनी बाड़ी में बांस निकालने पहुंचे। इसी दौरान उनके दाहिने पैर में किसी जहरीले सांप ने डस लिया। सांप के काटते ही उन्होंने इसकी जानकारी परिजनों को दी।घटना के बाद परिजन बिना समय गंवाए उन्हें निजी वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लेकर रवाना हुए, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उनकी मौत हो गई। जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।शाम होने के कारण मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका। जिला अस्पताल पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस के अनुसार शव का पोस्टमार्टम बुधवार 30 जुलाई को कराया जाएगा।

आवश्यकता है
क्वार्क में पेज सेटिंग हेतु
कम्प्युटर ऑपरेटर की आवश्यकता है
संपर्क करें-बालाघाट एक्सप्रेस
पद्मेश सिटी केबल, काली पुतली चौक, बालाघाट

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायलयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट